THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 127 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.9 2083 शुक्रवार, 7 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ट्रेन से गिरने के बाद सीनियर असिस्टेंट की मौत

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से गिरने के बाद घायल हुए 54 वर्षीय व्यक्ति की गुरुवार को इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक, टी. नरसिंह राव, उस्मानिया यूनिवर्सिटी में सीनियर असिस्टेंट थे और वारंगल के मडिकोंडा के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि 5 अगस्त को प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश करते समय उनका पैर फिसल गया था। उन्हें कई गंभीर चोटें आईं और उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। सरकारी रेलवे पुलिस घटना की जांच कर रही है।

गोबर से किसानों की कमाई : पीएम मोदी

> गुवाहाटी-तेजपुर हाईवे को मंजूरी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण विकास और पूर्वोत्तर में बेहतर सड़क संपर्क को लेकर दो बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन यानी नेशनल सर्कुलर बायोएनर्जी स्कीम) को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर गुवाहाटी के पास बाईहाटा चारियाली से तेजपुर तक 135.871 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर के निर्माण को भी मंजूरी मिली है। इस हाईवे पर 8,970.20 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

नई गोबर गोबरधन योजना का मकसद देश के गोबर, कृषि अवशेष, गन्ना मिलों से निकलने वाले प्रेसमड, नगर निकायों के जैविक कचरे और दूसरे बायोमास को स्वच्छ ईंधन में बदलना है। सरकार का लक्ष्य है कि इससे संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) का उत्पादन तेजी से बढ़े, किसानों को अतिरिक्त आय मिले, गांवों में रोजगार पैदा हो और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी। सरकार का कहना है कि यह योजना किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और निजी निवेशकों के लिए नए अवसर खोलेगी। सीबीजी संयंत्रों के लिए

गोबर और कृषि अवशेष खरीदने से किसानों को अतिरिक्त कमाई होगी। इसके साथ ही जैविक खाद का उत्पादन बढ़ेगा और कचरे का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग होगा। सरकार का लक्ष्य घरेलू सीबीजी उत्पादन को लगभग दस गुना तक बढ़ाना है ताकि देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो सके।

गोबरधन योजना के तहत छह प्रमुख व्यवस्था बनाई गई हैं। इनमें सीबीजी की सुनिश्चित खरीद, स्थिर मूल्य प्रणाली, संयंत्र लगाने के लिए पूंजी सहायता, गैस पाइपलाइन से जोड़ने की सुविधा, ऋण गारंटी और पूरे सीबीजी तंत्र के विकास के लिए विशेष फंड शामिल हैं। सरकार ने सीबीजी की प्रशासनिक कीमत 2,110 रुपये प्रति एमएमबीटीयू तय करने का ढांचा भी बनाया है, जिससे निवेशकों को लंबे समय तक स्थिर आय का भरोसा मिलेगा। पात्र नई परियोजनाओं को प्रति टन प्रतिदिन क्षमता पर अधिकतम दो करोड़ रुपये तक की पूंजी सहायता भी मिलेगी।

असम के नए हाईवे की क्या खासियत होगी?

कैबिनेट ने असम में बाईहाटा चारियाली से तेजपुर तक 135.871 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे को भी मंजूरी दी है। यह परियोजना बिल्ट-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) टोल मॉडल पर विकसित होगी। इसकी कुल लागत 8,970.20 करोड़ रुपये होगी। इस हाईवे में तेजपुर बाईपास पर भारतीय वायुसेना के समन्वय से 4.9 किलोमीटर लंबी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) भी बनाई जाएगी, ताकि जरूरत पड़ने पर लड़ाकू और अन्य सैन्य विमान यहां उतर सकें। सरकार के अनुसार नया हाईवे असम और अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को तेज और बेहतर सड़क संपर्क देगा।

'आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं'

जेन-जी को मोहन भागवत का समर्थन, कहा-हर बात का तार्किक जवाब चाहते हैं युवा

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस सम्मेलन में युवाओं को संबोधित किया। जेन-जी और जेन-अल्फा के छात्रों के बीच उन्होंने लोकतंत्र, आंदोलन, शिक्षा, रोजगार और युवा पीढ़ी की सोच जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे।

आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं, लोकतंत्र का हिस्सा

मोहन भागवत ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले युवाओं को राष्ट्रविरोधी नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि ये युवा इसी देश के नागरिक हैं और देश का भविष्य हैं। लोकतंत्र में आंदोलन अपनी बात रखने, संवाद शुरू करने और सहमति बनाने का एक वैध माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी भी मतभेद का समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से ही संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि समस्याओं का समाधान भारतीय संविधान के दायरे में ही तलाशा जाना चाहिए। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए सांविधानिक मार्ग पर चलकर ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हो सकती है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पहले की तुलना में अलग सोच रखती है। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा के युवा किसी भी बात को बिना समझे स्वीकार नहीं करते। वे हर विषय पर तार्किक और तथ्य आधारित जवाब चाहते हैं। उन्होंने अपने समय का जिक्र करते हुए कहा कि पहले परिवार और समाज के बड़े-बुजुर्गों की बातें बिना सवाल किए मान ली जाती थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उनके अनुसार यह बदलाव नकारात्मक नहीं, बल्कि सकारात्मक है क्योंकि आज के युवा देश के प्रति अधिक जिम्मेदार, ईमानदार और सेवा भाव रखने वाले हैं। भागवत ने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा में 'शास्त्रार्थ' की संस्कृति रही है, जहां किसी भी विषय पर दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद निष्कर्ष निकाला जाता है। समाज में भी इसी प्रकार के संवाद की आवश्यकता है। शिक्षा व्यवस्था को लेकर मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा को केवल कमाई का साधन या व्यावसायिक धंधा नहीं बनाया जाना चाहिए। >14

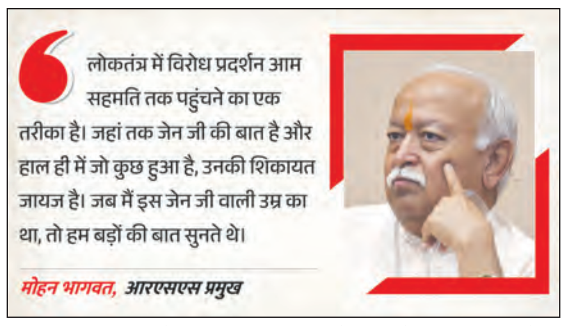

यौन उत्पीड़न केस में तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा

> पूर्व तहलका संपादक ने कहा-सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ष 2013 के चर्चित यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व तहलका संपादक तरुण तेजपाल को बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा उन्हें बरी किए जाने के फैसले को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने तेजपाल को दुष्कर्म और महिला की मर्यादा भंग करने का दोषी ठहराया है। वहीं, इस मामले में कोर्ट ने तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा सुनाई है।

इस फैसले पर तरुण तेजपाल ने कहा, 'हम निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। वे राजनीतिक बदले की भावना और तहलका के काम की वजह से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने ट्रायल कोर्ट में 7.5 साल तक केस लड़ा और बरी हो गए। जो लोग उनके साथ हैं, वे बरी हो जाते हैं, लेकिन वे उनके पीछे पड़ते हैं जिन्होंने उनके खिलाफ लिखा। उमर खालिद और शरजील इमाम कई वर्षों से जेल में हैं। तहलका की रिपोर्टिंग से शायद उन्हें कुछ राजनीतिक नुकसान हुआ हो या उनके निजी हितों को चोट पहुंची हो। वे पिछले 13 वर्षों से बदले की भावना से मेरे पीछे पड़े हैं। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि ऐसे जज होंगे जो सच देखेंगे। हम सबूत सबके सामने रखेंगे'।

यह मामला 2013 में एक महिला सहकर्मी के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ा है, जिसने देशभर में काफी चर्चा बटोरी थी। मामले में न्यायमूर्ति नीला गोखले और न्यायमूर्ति अमित जामसंडेकर की पीठ ने तेजपाल को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(2)(एफ) (विश्वास या अधिकार की स्थिति का दुरुपयोग कर दुष्कर्म), 354(ए) (यौन उत्पीड़न) और 354(बी) (महिला के कपड़े उतारने की नीयत से हमला या बल प्रयोग) के तहत दोषी ठहराया है। वहीं इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा, 'तरुण तेजपाल मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने आज जो फैसला सुनाया है, वह न्याय की जीत है। चूंकि यह घटना गोवा में हुई थी, इसलिए मामले पर लगातार नजर रखना गोवा पुलिस और सरकार की जिम्मेदारी थी। हमारी सरकार ने इस मामले को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ाया और आज फैसला आ गया है'।

'गृह मंत्री के सदन में आने के निवेदन पर विचार करें'

राज्यसभा के सभापति ने केंद्र से कहा, विपक्ष का हंगामा जारी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। संसद में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर लगातार कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों का हंगामा जारी है। विपक्ष मांग कर रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर इस मसले पर बयान दें। विपक्ष की इस मांग के बीच गुरुवार को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह सदन में अमित शाह की मौजूदगी के अनुरोध पर विचार करें। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप गृह मंत्री के सदन में आने के निवेदन पर विचार करें, संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर आप विपक्ष की भावनाओं से गृह मंत्री को अवगत करा सकते हैं।

किरेन रिजिजू बोले-मल्लिकार्जुन खड़गे हर दिन वही बात करते हैं

गुरुवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जब फिर यही मसला उठाया तो किरेन रिजिजू ने दो नियमों का जिक्र किया: नियम 235, जिसके तहत विपक्ष की रुकावटों को रोकने की मांग की गई और नियम 240, जो बेमतलब की बातें या दोहराव से संबंधित है। नियम पढ़कर सुनाते हुए रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष और सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी बात दोहरा रहे थे। उन्होंने कहा, खड़गे जी हर दिन वही बात पढ़ते हैं, वही बात कहते हैं; विपक्ष के हमारे नेता पर यह नियम लागू होता है। शून्य काल में राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन ने मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने की अनुमति दी, लेकिन सत्ता पक्ष के सदस्य इसके विरोध में खड़े होकर आपत्ति जताने लगे।

'हर मिनट महत्वपूर्ण है, 10 बजे कोर्ट में रहें'

नीट पेपर लीक मामले में जज ने वकीलों को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। 2026 नीट-यूजी पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली की फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चल रही है। बचाव पक्ष के कुछ वकीलों के सुबह 10 बजे समय पर नहीं पहुंचने पर अदालत ने नाराजगी जताई। अदालत ने सभी वकीलों को रोजाना समय पर उपस्थित रहने और भविष्य में किसी भी तरह की देरी से बचने का निर्देश दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने कहा, कृपया मेरी चिंता को समझिए। यहां हर मिनट महत्वपूर्ण है। जब मैं पहले इस मामले की सुनवाई कर रहा था तब इसे जल्द निपटाने के कोई निर्देश नहीं थे। उन्होंने आगे कहा, आप सभी को सुबह ठीक 10 बजे अदालत में मौजूद रहना चाहिए। यह सिलसिला ऐसे नहीं चल सकता। आज मैं मामले की सुनवाई 11 बजे तक स्थगित कर रहा हूं। लेकिन कृपया हर दिन सुबह 10 बजे समय पर पहुंचें। सुनवाई के दौरान नाराजगी जताते हुए जज अजय गुप्ता ने कहा कि ये सही नहीं है कि वकील समय से न हो। जज ने ये टिप्पणी तब की जब एक वकील ने कहा कि ट्रैफिक जाम की वजह से वो समय से नहीं आ पाए तो जज ने कहा कि वीडियो कांफ्रेसिंग की सुविधा है कम से कम उसके जरिए तो कोर्ट में पेश हो जाइए। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता 2026 नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई द्वारा दाखिल चार्जशीट की प्रति देने की मांग पर बचाव पक्ष की दलीलें सुन रहे थे। चार्जशीट की प्रति मिलने के बाद आरोपी दिनेश बिवाल और विकास बिवाल ने अपनी जमानत याचिका पर बहस की तैयारी के लिए 10 दिन का समय मांगा।

शुभेंदु सरकार ने आम जनता से मांगे दो साल

कोलकाता, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को जोर देकर कहा कि राज्य अगले कुछ वर्षों में आर्थिक रूप से मजबूत हो जाएगा और हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति करेगा।

शहर के पूर्वी हिस्से में स्थित मिलान मेला मैदान में एक वस्त्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए, अधिकारी ने घोषणा की कि वह 17 अगस्त को पुरुलिया में 4,000 करोड़ रुपये के इस्पात संयंत्र की नींव रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हर महीने नई फैक्ट्रियों की स्थापना के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अगले एक-दो वर्षों में बंगाल आर्थिक रूप से मजबूत हो जाएगा और हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति करेगा। हम एक महीने के भीतर कम से कम 25 उद्योगों को जमीन सौंप देंगे।' >14

आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से झटका नहीं मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आसाराम को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। आसाराम 2013 में एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।

हालांकि, कोर्ट ने उन्हें चौबीसों घंटे मदद के लिए अपनी पसंद का एक अनुभवी केयरटेकर रखने की इजाजत दी है। जस्टिस एम एम सुंदरेश और पी बी वराले की बेंच ने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की आसाराम की याचिका को अभी लंबित रखा है, लेकिन उन्हें यह छूट दी है कि अगर उनकी तबीयत बिगड़ती है तो वे अपने मामले का जिक्र कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान, राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आसाराम ने इस तथ्य को छुपाया था कि उनके वकील ने भी पैरोल के लिए आवेदन दिया था। इस दलील का जवाब देते हुए आसाराम के वकील ने कहा कि पैरोल आवेदन बहुत पहले दायर किया गया था और यह चिकित्सा कारणों पर आधारित नहीं था।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया गया था कि अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा गठित एक चिकित्सा बोर्ड ने पाया कि आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उन्हें निरंतर चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है।

21 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने एम्स को उनकी स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने के लिए बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया था। इस महीने की शुरुआत में राजस्थान उच्च न्यायालय ने 85 वर्षीय आसाराम को 20 दिन की पैरोल दे दी, क्योंकि राज्य सरकार उनके आवेदन को खारिज करने के अपने निर्णय को उचित ठहराने में विफल रही थी।

'गृह मंत्री गायब, पीएम आ नहीं रहे'

छात्र बर्बरता मामले में खरगे का सवाल-सदन में बयान देने में क्या दिक्कत?

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस वार्ता कर केंद्र सरकार के साथ-साथ पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा 15 दिन से सदन चल रहा है और गृह मंत्री गायब हैं, प्रधानमंत्री आ नहीं रहे हैं। इसके दो ही मतलब हो सकते हैं। एक या तो वे संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं ये समझ रहे हैं कि संसद है ही नहीं। या तो वो डर के सदन में आकर उत्तर नहीं देना चाह रहे हैं।

गृह मंत्री के बयान की मांग

इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम चाहते हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री सदन में आएं और देश को बताएं कि छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने सरकार पर अहंकार दिखाने का आरोप लगाते हुए कहा कि या तो सरकार डर गई है या फिर वह संसद के वजूद को कोई महत्व नहीं दे रही है। खरगे ने बताया कि उन्होंने राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया और जवाब मांगा, लेकिन सरकार बयान देने के लिए तैयार नहीं हुई। विपक्षी सांसदों ने सभापति से मिलकर मांग की है कि प्रधानमंत्री इस पर माफी मांगें और गृह मंत्री सदन में आकर आधिकारिक बयान दें। सभापति ने भी संसदीय कार्य मंत्री को इस बात से अवगत करा दिया है कि पूरा सदन चाहता है कि गृह मंत्री आकर इस पर जवाब दें।

छात्रों के साथ बर्बरता की गई

उन्होंने आगे कहा कि हम फिर कह रहे हैं कि छात्रों के साथ बर्बरता की गई। उनके ऊपर लाठीचार्ज किया गया और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। इस पर पीएम मोदी को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और गृहमंत्री को जवाब देना चाहिए। मुझे समझ में नहीं आता कि गृहमंत्री को सदन में आकर बयान देने में क्या दिक्कत है। या तो वो डर कर सदन में नहीं आ रहे या फिर वो सदन को अनदेखा कर रहे हैं।

झारखंड के छात्रों का समर्थन

झारखंड के छात्र आंदोलन पर बात करते खरगे ने साफ कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से छात्रों के साथ है। चाहे मामला झारखंड का हो, पंजाब का हो, दिल्ली का हो या देश के किसी भी हिस्से का हो, पार्टी छात्रों के साथ खड़ी है और उनके अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

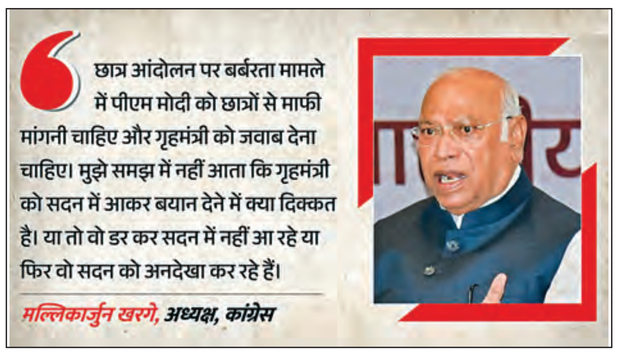

सम्मान बनाम प्रोटोकॉल : तमिलनाडु राज्य गीत को लेकर फिर गरमाई राजनीति

21 सांसदों ने राज्यपाल को लिखा पत्र

चेन्नई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु में आधिकारिक कार्यक्रमों के प्रोटोकॉल को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। राज्य के 21 सांसदों ने राज्यपाल आर. एन. रवि अर्लेकर को पत्र लिखकर विश्वविद्यालयों और सरकारी समारोहों में तमिल राज्य गीत को परंपरा के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत में गाए जाने की व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया है। 5 अगस्त को भेजे गए पत्र में सांसदों ने 28 जुलाई को तिरुनेलवेली स्थित मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह का उल्लेख किया है। सांसदों के अनुसार, राजभवन से मिले निर्देशों के तहत कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम' से हुई, इसके बाद राष्ट्रीय गान बजाया गया और राज्य गीत को तीसरे स्थान पर प्रस्तुत किया गया।

सांसदों ने पत्र में कहा कि तमिलनाडु के अनेक लोगों ने इस क्रम को तमिल समाज और महान विद्वान मनोनमनियम सुंदरनार पिल्लै के प्रति 'अनजाने में किया गया अपमान' माना। सुंदरनार पिल्लै ने ही प्रसिद्ध रचना 'नीरारुम कडलुडुथा' की रचना की थी, जिसे 2021 में तमिलनाडु का आधिकारिक राज्य गीत घोषित किया गया था। सांसदों ने यह भी याद दिलाया कि यह गीत पिछले पांच दशकों से अधिक समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों की शुरुआत में गाया जाता रहा है। सांसदों ने अपने पत्र में जून 2026 में तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण का भी हवाला दिया। उन्होंने बताया कि उस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत तमिल राज्य गीत से हुई थी और अंत में राष्ट्रीय गान हुआ था। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनाया गया क्रम उसी स्थापित परंपरा से अलग था।

'114 वर्ग किलोमीटर वाले शहर के लिए 12 आईएएस और 9 आईपीएस क्यों'

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने केंद्र सरकार से चंडीगढ़ के प्रशासन के आकार पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा है कि महज 114 वर्ग किलोमीटर में फैले केंद्रशासित प्रदेश के लिए इतने बड़े सेटअप की क्या जरूरत है। खासकर तब जब पड़ोसी ट्राईसिटी जिलों मोहाली और पंचकूला का क्षेत्रफल ज्यादा होने के बावजूद वहां का प्रशासनिक ढांचा अपेक्षाकृत छोटा है। लोकसभा में एक 'अनस्टार्ड' सवाल के जरिए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चंडीगढ़ में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की मंजूर संख्या, केंद्र-शासित प्रदेश (यूटी) में अभी तैनात अधिकारियों की संख्या (जिसमें 'एक्स-कैडर' या अस्थायी पदों पर तैनात अधिकारी भी शामिल हैं) और पंजाब व हरियाणा से डेपुटेशन पर काम कर रहे अधिकारियों की संख्या की जानकारी मांगी है। >14

'एफसीआरए बिल शायद आए ही नहीं'

> चिदंबरम का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने दावा किया कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए बिल) में सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधन शायद पेश ही न हों। इंडियन एक्सप्रेस को दिए गए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि विधेयक में संशोधन हो सकते हैं, इसे अभी तक पेश ही नहीं किया गया है। चिदंबरम ने पेपर लीक के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों पर भी विस्तार से बात की। खबरों के मुताबिक, सरकार प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया और एफसीआरए में संभावित संशोधनों पर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रही है। इन मुद्दों पर आपकी पार्टी का क्या रुख है और क्या आपको लगता है कि विशेष सत्र बुलाए जाने की संभावना है? इस सवाल के जवाब में पी चिदंबरम ने कहा, मुझे संसदीय कार्य मंत्री की बैठक की कोई जानकारी नहीं है। हम जिस तरह के परिसीमन की बात कर रहे हैं उससे हम संतुष्ट नहीं हैं। प्रस्तावित एफसीआरए संशोधनों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, एफसीआरए विधेयक पेश नहीं किया गया है। एफसीआरए विधेयक में संशोधन हो सकते हैं। हो सकता है कि एफसीआरए विधेयक पेश ही न हो। मुझे कैसे पता चलेगा? विपक्ष ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के लिए केंद्रीय गृह मंत्री को जिम्मेदार ठहराया है। क्या आपको लगता है कि वे जवाबदेह हैं और क्या उन्हें संसद में अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए?

नेतन्याहू ने अचानक पीएम मोदी को मिलाया फोन

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। दोनों देशों के नेताओं ने भारत-इजरायल स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप में हो रही लगातार प्रगति की समीक्षा की। साथ ही दोनों देशों के परस्पर लाभ के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग को और मज़बूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। पीएमओ की तरफ से जारी बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री नेतन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं पर बातचीत की।

दोनों नेता संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए। दोनों नेताओं की यह बातचीत पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच हुई है, जहां संघर्ष पांच महीने से ज्यादा समय से चल रहा है और इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है।

टेरिटोरियल आर्मी 'सिटीजन-सोल्जर' की सर्वोत्तम मिसाल : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में टेरिटोरियल आर्मी की भूमिका, जिम्मेदारियों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने टेरिटोरियल आर्मी को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सेना जहां देश की सुरक्षा करती है, वहीं टेरिटोरियल आर्मी पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कार्यों में भी बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी 'नागरिक-सैनिक' की अवधारणा की जीवंत मिसाल है।

इसके सदस्य सामान्य जीवन में अपने-अपने पेशे से जुड़े रहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर वर्दी पहनकर देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी, सशस्त्र बलों के लिए प्रशिक्षित जवानों का ऐसा बड़ा समूह तैयार करती है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। सेवा पूरी करने के बाद ये जवान समाज में लौटकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि टेरिटोरियल आर्मी में लगभग 44,400 जवान हैं और इसकी 59 इकाइयां हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय टेरिटोरियल आर्मी सबसे पहले राहत और बचाव कार्य में पहुंचती है।

'ई20 फ्यूल लाने के पीछे मकसद साफ़ तौर पर पर्यावरण से जुड़ा नहीं है': कांग्रेस

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को देशभर में ई20 पेट्रोल शुरू करने को लेकर केंद्र पर अपना हमला तेज़ कर दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि इस पॉलिसी के पीछे का मकसद साफ़ तौर पर पर्यावरण से जुड़ा नहीं है और तर्क दिया कि सच में 'ग्रीन फ्यूल' (पर्यावरण के अनुकूल ईंधन) वाली रणनीति में पानी के संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले असर को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने ई20 फ्यूल को साफ़-सुथरी ऊर्जा और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक कदम के तौर पर पेश किया है, लेकिन इसके पर्यावरणीय असर का पूरा आकलन करते समय इथेनॉल बनाने के लिए ज़रूरी संसाधनों पर भी विचार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जहाँ कई देश मुख्य रूप से

खेती के अवशेषों और दूसरे बेकार बायोमास से इथेनॉल बनाते हैं, वहीं भारत में इथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने, चावल और मक्के पर निर्भर है। रमेश ने तर्क दिया कि ज़्यादा पानी की खपत वाली ये फ़सलें देश के जल संसाधनों पर भारी दबाव डालती हैं। अनुमानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि गन्ने से बनने वाले एक लीटर इथेनॉल के लिए लगभग 3,630 लीटर पानी की ज़रूरत होती है, जबकि चावल से बनने वाले इथेनॉल में 10,790 लीटर तक पानी लग सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मक्के से बनने वाले इथेनॉल के लिए प्रति लीटर ईंधन लगभग 4,670 लीटर पानी की ज़रूरत होती है।

उन्होंने कहा, ये आँकड़े इसलिए भी चिंताजनक हैं क्योंकि भारत के बड़े हिस्सों में भूजल का स्तर लगातार गिर रहा है। रमेश ने नीति आयोग के 2021 के इथेनॉल रोडमैप का भी ज़िक्र किया और कहा कि उसमें ज़्यादा टिकाऊ कच्चे माल (फीडस्टॉक) की ओर धीरे-धीरे बढ़ने की सलाह दी गई थी। हालाँकि, उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चावल से इथेनॉल बनाने को बढ़ावा देती रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने हाल ही में संसद को बताया था कि इथेनॉल बनाने वाली डिस्टिलरियों को चावल उसकी औसत खरीद लागत से लगभग 40 प्रतिशत कम कीमत पर सप्लाई किया जा रहा था। रमेश ने कहा, सच में 'ग्रीन फ्यूल' पॉलिसी में उस ईंधन के पूरे इकोलॉजिकल फ़ुटप्रिंट (पर्यावरण पर पड़ने वाले कुल असर) को ध्यान में रखा जाना चाहिए जिसे बढ़ावा दिया जा रहा है।

ई20 के पीछे का मकसद साफ़ तौर पर पर्यावरण से जुड़ा नहीं है। ये बयान कांग्रेस के उस आरोप के एक दिन बाद आया है जिसमें कहा गया था कि ई20 पेट्रोल शुरू होने से ग्राहकों के पास ईंधन चुनने के विकल्प कम हो गए हैं, ईंधन की लागत बढ़ गई है और गाड़ियों पर बुरा असर पड़ा है, जबकि इथेनॉल बनाने वाली कंपनियाँ ही इस पॉलिसी से सबसे ज़्यादा फ़ायदा उठा रही हैं।

अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, चंदरकोट से निकला 28वां जत्था ; प्रशासन मुस्तैद

जम्मू, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में अमरनाथ यात्रा का 28वां जत्था चंदरकोट आधार शिविर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हुआ। यात्रा मार्ग पर सुरक्षा एजेंसियों की विशेष तैनाती की गई। जबकि पुलिस और प्रशासन ने पूरे रूट पर यातायात की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही के लिए लगातार निगरानी रखी और आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन कराया। सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन के बेहतर समन्वय के बीच श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अपनी यात्रा उत्साह और श्रद्धा के साथ जारी रखी।

11.4 ग्राम एमडी ड्रग्स केस में फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच इंदौर ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम शाहिद पिता अब्दुल सतार मंसूरी (26) निवासी फिरदौस नगर, ताज नगर, इंदौर है। वह पेशे से एसी सुधारने का काम करता है। क्राइम ब्रांच उससे ड्रग्स के स्रोत, सप्लायर और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच ने पहले आरोपी अल्फेज खान (19) को गिरफ्तार किया गया था।

उसके कब्जे से 11.4 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई थी, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.10 लाख रुपए बताई गई थी। मामले की विवेचना के दौरान शाहिद की भूमिका सामने आई थी, जिसके बाद से वह फरार था और टीम उसकी तलाश में जुटी थी। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक शाहिद की लगातार तलाश की जा रही थी। मुखबिर से मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया।

संसद परिसर में बारिश के बीच फंसे राहुल-प्रियंका, बोले राहुल- गाड़ी नहीं आ रही है भैया

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में हो रही तेज बारिश का असर संसद परिसर में भी देखने को मिला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा मूसलाधार बारिश के कारण संसद परिसर में अपनी कार का इंतजार करते नजर आए। बारिश तेज होने की वजह से दोनों कुछ देर तक वहीं रुके रहे।

इसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी तेज बारिश के बीच नजर आ रहे हैं।

आसपास मौजूद ज्यादातर लोग छाता लेकर खड़े हैं, लेकिन राहुल और प्रियंका बिना छाते के बारिश में भीगते हुए आपस में बात करते दिख रहे हैं। वीडियो में प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल गांधी से कुछ कहती और उन्हें समझाती नजर आती हैं। इसी दौरान मीडिया के लोग भी उनके पास पहुंच जाते हैं। राहुल गांधी हंसते हुए कहते सुनाई देते हैं, गाड़ी नहीं आ रही है भैया। कुछ देर बाद गाड़ी पहुंचती है, जिसके बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उसमें बैठकर वहां से रवाना हो जाते हैं।

लखीमपुर खीरी हिंसा केस

आरोपी आशीष मिश्रा को फिलहाल राहत नहीं सुप्रीम कोर्ट ने पैरोल बढ़ाने से किया इनकार

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत की शर्तों में और अधिक ढील देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी। मोहन की पीठ ने मिश्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जमानत की शर्तों में और राहत देने की मांग की थी। आशीष मिश्रा की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मौजूदा जमानत शर्तों के कारण वह अपने परिवार के कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटियों के जन्मदिन जैसे पारिवारिक आयोजनों में भी शामिल होने से वंचित रह जाते हैं।

इसी आधार पर जमानत की शर्तों में और ढील देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि फिलहाल इस प्रार्थना पर विचार करने का कोई आधार नहीं है। आवेदन खारिज किया जाता है। इसके साथ ही अदालत ने आशीष मिश्रा

की याचिका को अस्वीकार कर दिया। यह घटना 3 अक्टूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के टिकुनिया गांव में हुई थी। उस समय किसान, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। इसी दौरान हिंसा भड़क गई, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस घटना में कुल आठ लोगों की मौत हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चार किसानों को एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से कुचल दिया गया था। इसके बाद भड़की हिंसा में वाहन चालक, भाजपा के दो कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार की भी जान चली गई थी। आशीष मिश्रा इस मामले के प्रमुख आरोपियों में शामिल हैं और उनके खिलाफ अदालत में मुकदमा चल रहा है।

'भारत में मेरा इंस्टा अकाउंट बंद'

अरविंद केजरीवाल का दावा- मेटा पीएम मोदी के आगे झुका

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दावा किया कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने मेटा से इस कदम पर सवाल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पष्टीकरण मांगने के बार-बार के प्रयासों के बावजूद कंपनी कोई जवाब नहीं दे पाई। केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर जानकारी दी। केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व वाली कंपनी से अपने अकाउंट पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने मेटा पर तंज कसते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने इतना न झुकें। केजरीवाल ने यह भी सुझाव दिया कि यह कदम केंद्र सरकार के इशारे पर उठाया गया हो सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स पोस्ट में मेटा इंडिया से सीधे पूछा कि उनका अकाउंट क्यों प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने बताया कि मेटा के भारत कार्यालय में मौखिक पूछताछ से पता चला कि उनका अकाउंट भारत में प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि

कार्यालय में कोई भी व्यक्ति प्रतिबंध का कारण नहीं बता रहा है।

कोई यह भी नहीं बता रहा कि प्रतिबंध कैसे हटाया जा सकता है। केजरीवाल ने बताया कि प्रतिबंध के संबंध में भेजे गए सभी ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। उन्हें केवल सामान्य संदेश ही मिले हैं। उन्होंने इस सेवा को 'बहुत खराब' बताया। केजरीवाल ने मेटा को चेतावनी दी कि यदि वह प्रधानमंत्री के सामने इतना झुकेगी, तो वह भारत में केवल अपना ही अकाउंट चलाने की अनुमति देंगे।

बंगाल में महिला कैदियों की सुरक्षा पर हाई कोर्ट सख्त 'प्रोटेक्शन मनी' के नाम पर किया जाता है प्रताड़ित

कोलकाता, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने महिला कैदियों की सुरक्षा पर सख्ती दिखाते हुए जेलों में निगरानी व्यवस्था, प्रवेश-निकास पर नियंत्रण और सीसीटीवी की स्थिति पर राज्य से रिपोर्ट तलब की है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि सात सुधार गृहों में 15 महिला कैदी यौन रोग से पीड़ित हैं, लेकिन वे जेल में आने से पहले ही संक्रमित थीं और उनका उपचार कराया जा रहा है। यह मामला सुधार गृहों के बुनियादी ढांचे और बंदियों की स्थिति से जुड़ा है। अदालत मित्र अधिवक्ता तापस भंज ने आरोप लगाया कि कई सुधार गृहों में महिला और पुरुष बंदियों के आने-जाने के रास्तों पर पर्याप्त निगरानी नहीं है।

यह भी आरोप लगाया कि कुछ जेलों में बंदियों से 'प्रोटेक्शन मनी' वसूली के लिए प्रताड़ित किया जाता है। राज्य के कारागार विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि जेलों के प्रवेश और निकास स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। कुछ जेलों में रखरखाव कार्य के कारण कुछ कैमरे फिलहाल काम नहीं कर रहे हैं। विभाग ने यह भी बताया कि रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बुर्का मामले पर मोहुआ मोइत्रा ने दी कलकत्ता हाई कोर्ट को चुनौती याचिका लेकर पहुंची सुप्रीम कोर्ट

कोलकाता, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद मोहुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। हाल ही में मोहुआ के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस मामले में उन्हें सुरक्षा प्रदान की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि जांच जारी रहेगी। मोहुआ मोइत्रा को पुलिस स्टेशन जाकर पेश होना होगा। मोहुआ ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

उनके मामले की सुनवाई अगले हफ्ते होने की संभावना है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य ने आदेश दिया था कि पुलिस कानून के अनुसार जांच जारी रख सकती है। महुआ मोइत्रा को 14 अगस्त को दोपहर 3 बजे जांच अधिकारी के समक्ष पेश होना होगा। महुआ की पेशी के दौरान पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि उन पर अंडे न फेंके जाएं और न ही उन्हें किसी अन्य प्रकार की उत्पीड़न या मारपीट का शिकार बनाया

जाए। पुलिस 5 अक्टूबर तक या अगले आदेश तक महुआ के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर पाएगी। 1 जुलाई को नदिया में हुए विरोध प्रदर्शनों में महुआ मोइत्रा को निशाना बनाया गया। उस दिन उन पर अंडे और पत्थर फेंके गए। उस समय महुआ ने कथित तौर पर बुर्का पहनने को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। सांसद ने कहा था-इस तरह अंडे फेंकने के बजाय, बुर्का पहनकर अंडे फेंको।

तब कोई तुम्हें देखेगा नहीं। तब तुम्हारे खिलाफ कोई शिकायत नहीं होगी। इसके बाद नादिया के होगलबेरिया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

आंध्र प्रदेश में कैंसर के 78,282 नए मामले सामने आए

विशाखापत्तनम, 6 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में आंध्र प्रदेश में कैंसर के मामलों और कैंसर से होने वाली मौतों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। राज्य में 2025 में कैंसर के अनुमानित 78,282 नए मामले और कैंसर से 42,935 मौतें दर्ज की गईं, जो इस पांच साल की अवधि में सबसे ज़्यादा आंकड़े हैं। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश में 2021 में कैंसर के अनुमानित 71,970 नए मामले दर्ज किए गए थे, जो 2022 में बढ़कर 73,536, 2023 में 75,086, 2024 में 76,708 और 2025 में 78,282 हो गए। इसी अवधि में कैंसर से होने वाली मौतों में भी बढ़ोतरी हुई - 2021 में 39,443 से बढ़कर 2022 में 40,307, 2023 में 41,163, 2024 में 42,063 और 2025 में 42,935 हो गईं।

मंत्रालय ने कहा कि 2021 से 2025 के लिए राज्य-वार अनुमान इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एपिडेमियोलॉजी (आईसीएमआर-एनआईई) द्वारा तैयार किए गए थे। भारत में 2025 में कैंसर के 15,69,793 नए मामले और कैंसर से 8,68,588 मौतें दर्ज की गईं।

अभिषेक बनर्जी के निजी सचिव को राहत सुप्रीम ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

कोलकाता, 6 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के निजी सचिव सुमित रॉय को कैश फॉर जॉब मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाते हुए जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा कि सुमित रॉय जांच एजेंसी के समक्ष सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। पुलिस उन्हें सरकारी जमीन पर कथित अवैध कब्जे और जालसाजी से जुड़े मामले में गिरफ्तार करना चाहती थी। कैश फॉर जॉब मामले में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के निजी सचिव सुमित रॉय को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत मिल गई है। शीर्ष अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाते हुए उन्हें जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सुमित रॉय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत को भरोसा दिलाया कि उनके मुवक्किल जांच एजेंसी के साथ पूरी तरह सहयोग करेंगे। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सुमित रॉय से हिरासत में पूछताछ जरूरी है।

सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुमित रॉय को मिली यह राहत जांच में पूर्ण सहयोग की शर्त पर है। अदालत ने कहा कि उन्हें जांच एजेंसी के समक्ष सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध रहना होगा और जांच में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं डालनी होगी। सुनवाई के दौरान सुमित रॉय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि याचिकाकर्ता जांच में पूरा सहयोग करेंगे और जांच एजेंसी द्वारा बुलाए जाने पर हर बार उपस्थित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए अदालत से संरक्षण की मांग की गई है।

560 करोड़ का बैंक घोटाला

सीबीआई के सबूतों के आगे फीके पड़े दावे, जेल में ही रहेंगे आईएएस पंकज अग्रवाल ; जमानत याचिका खारिज

पंचकूला, 6 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के बहुचर्चित बैंक घोटाला मामले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को राहत नहीं मिली। पंचकूला स्थित हरियाणा की विशेष सीबीआई अदालत ने उनकी जमानत की याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान पंकज अग्रवाल की ओर से अदालत में दलील दी गई कि उन्होंने केवल सरकारी खातों को एक बैंक से दूसरे बैंक में स्थानांतरित करने की प्रशासनिक मंजूरी दी थी।

उनका कहना था कि उन्होंने किसी प्रकार का अवैध लाभ नहीं लिया और उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है। वहीं, सीबीआई ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए अदालत को बताया कि मामला केवल बैंक बदलने की मंजूरी का नहीं है। जांच एजेंसी के अनुसार, पंकज अग्रवाल की स्वीकृति से सरकारी विभागों के खाते नियमों की अनदेखी कर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में खोले गए, जिसके बाद सरकारी धन को फर्जी लेनदेन के जरिए इधर-उधर किया गया। सीबीआई का दावा है कि इस पूरी साजिश में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही और वे मुख्य आरोपी के संपर्क में भी थे। सीबीआई ने यह भी कहा कि जांच में ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि सरकारी धन के डायवर्जन की जानकारी होने के बावजूद आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई। एजेंसी के अनुसार, मामले की जांच अभी जारी है और आरोपियों के बीच वित्तीय लेनदेन व अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। दलीलों को सुनने के बाद विशेष सीबीआई अदालत ने पंकज अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज कर दी।

गौरतलब है कि करोड़ों रुपये के इस बैंक घोटाले में सीबीआई लगातार जांच कर रही है और कई आरोपियों से पूछताछ भी की जा चुकी है। पंकज अग्रवाल को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा सरकार में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रहे पंकज अग्रवाल को बड़े स्तर पर फंड के गबन के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। वे स्कूल शिक्षा विभाग और कृषि विभाग में प्रधान सचिव रह चुके हैं।

लिव-इन पार्टनर पर संगीन आरोप, 10 साल साथ रखने के बाद दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाने का केस दर्ज

यमुनानगर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला ने पार्टनर पर अश्लील वीडियो बनाने व दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि लगभग दस वर्ष तक उसने अपने साथ रखा लेकिन अपनी पत्नी को तलाक नहीं दिया। अब आरोपित ने अपने साथ रखने से इन्कार कर दिया है। महिला की शिकायत पर थाना छप्पर पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि उसकी अपने पति के साथ अनबन हो गई थी। जिसको लेकर पंचायतें भी हुई। पंचायत में ही पति का दोस्त गांव कुलचंदू का निर्मल भी आता था। आरोप है कि इस झगड़े का फायदा उठाकार आरोपित निर्मल बातचीत करने लगा।

उसने बातों में उलझा लिया और लिव इन रिलेशनशिप में रहने का दबाव बनाने लगा। उससे कहा कि पहले पति से तलाक कराना होगा और अपनी पत्नी से भी तलाक लेना होगा। आरोपित ने आश्वासन दिया। इसके बाद आरोपित अपने साथ लिव इन में रखने लगा। इस दौरान संबंध बनाता रहा। जब भी उससे तलाक के बारे में कहती तो वह टाल मटोल करने लगा। आरोप है कि लगभग दस वर्ष तक उसने इसी तरह से लिव इन में रखा।

'अगर हिन्दू राष्ट्र की होती है स्थापना तो दमनकारी व्यवस्था लौट आएगी वापस'

यतींद्र सिद्धारमैया का विवादित बयान

बेंगलूरू, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे और डीके शिवकुमार सरकार में शहरी विकास मंत्री यतींद्र सिद्धारमैया ने हिंदू राष्ट्र की जो परिभाषा दी है, उससे विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक के बीदर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अगर हिन्दू राष्ट्र की स्थापना होती है, तो उससे दमनकारी व्यवस्था वापस लौट आएगी।

उन्होंने बीजेपी का नाम न लेते हुए कहा कि हमें हिंदू राष्ट्र के जरिए दमनकारी व्यवस्था वापस लाने की कोशिश कर रही सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ना होगा। शहरी विकास मंत्री यतींद्र सिद्धारमैया ने जो बयान दिया, वह इस प्रकार है। सिद्धारमैया ने कहा, 'अगर भारत हिंदू राष्ट्र बनता है, तो इससे दमनकारी व्यवस्था वापस आ जाएगी। इसीलिए सांप्रदायिक ताकतें हमें दबाने के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रही हैं। हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा। यह हमारी अहिंसा की लड़ाई का एक बहुत अहम हिस्सा होना चाहिए।' यतींद्र सिद्धारमैया ने आगे कहा, 'अगर हम ये सब करते हैं, तभी हम एकजुट हो सकते हैं। अपनी राजनीतिक ताकत सुरक्षित कर सकते हैं, अपने अधिकारों का दावा कर सकते हैं।

अपने समुदाय के सभी वर्गों का उत्थान कर सकते हैं और उनके कल्याण के लिए काम कर सकते हैं। ये वे काम हैं जिन्हें हमारे पूर्वज चाहते थे कि हम आगे बढ़ाएं और मैं इस मौके पर यही बात कहना चाहता था।' भारत में धार्मिक लोग यानी संत महात्मा हिंदू राष्ट्र की बात करते रहते हैं। साथ ही कुछ राजनीतिक लोग भी हिंदू राष्ट्र को लेकर बयानबाजी की है। पूर्व सीएम के बेटे का बयान भी इसी कड़ी की प्रतिक्रिया को लेकर है। यतींद्र सिद्धारमैया ने जो बयान दिया है। उसको लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। भाजपा और उसके सहयोगी दल ऐसे बयानों को हिंदू आस्था का अपमान बताते हुए कांग्रेस पर हमला बोलते रहे हैं, जबकि कांग्रेस का कहना है कि वह संविधान और भारत के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप की रक्षा के पक्ष में है।

बीटेक छात्रा ने हॉस्टल में फांसी लगाकर दी जान, सुसाइड नोट में 3 दोस्तों को क्यों कहा थैंक्यू?

ग्वालियर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। एमआईटीएस कॉलेज की बीटेक द्वितीय वर्ष की छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से कुछ देर पहले छात्रा ने अपनी एक सहेली को वाट्सऐप पर सिर्फ "बाय" लिखकर मैसेज भेजा था।

इस छोटे से संदेश ने सहेली को किसी अनहोनी की आशंका से भर दिया। उसने तुरंत छात्रा को फोन किया, लेकिन कई बार कॉल करने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद सहेली ने तुरंत हॉस्टल वार्डन को इसकी जानकारी दी। वार्डन जब छात्रा के कमरे के पास पहुंचीं तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उन्होंने खिड़की से अंदर झांककर देखा। कमरे के अंदर छात्रा फंदे से लटकी हुई मिली। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस के अनुसार मृतक छात्रा की पहचान 20 वर्षीय राधिका तोमर के रूप में हुई है। वह मूल रूप से रीवा की रहने वाली थी और ग्वालियर स्थित एमआईटीएस कॉलेज में बीटेक सेकेंड ईयर की छात्रा थी। राधिका गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के एडी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही गोला का मंदिर थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026 3

सुविचार

यदि हर कार्य यह समझकर किया जाये कि भगवान मेरा साथी है तो असम्भव कार्य भी सम्भव हो जायेगा

सरकार छोटे ठेकेदारों के साथ खड़ी रहेगी : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने छोटे ठेकेदारों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी और उनके लंबित मुद्दों को हल करने के लिए कदम उठाएगी।

निराश न हों। यदि कोई विधेयक लंबित है, तो मुझे सूचित करें। आप अपने संगठन के माध्यम से मुझसे संपर्क कर सकते हैं, सीधे सचिवालय आ सकते हैं या मुझसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर अपनी समस्याएँ बता सकते हैं। किसी को भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। यदि आवश्यक हुआ, तो हम मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से आपकी समस्याओं पर चर्चा करेंगे और उनके समाधान के लिए कदम उठाएंगे, उन्होंने कहा।

मंत्री ने कहा कि बजरी, क्रशर और खनन से संबंधित मुद्दों पर संबंधित मंत्री और मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी और ठेकेदारों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने ठेकेदारों को मनमाने नोटिस और अनावश्यक कठिनाइयों से बचाने के लिए एक उचित खनन नीति की आवश्यकता पर बल दिया। कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद के वनस्थलीपुरम में बंदारी शीनिवास रेड्डी के शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। नागरकुर्नूल जिले के ठेकेदार शीनिवास रेड्डी पूर्व में सिंगल विंडो अध्यक्ष के पदों पर रह चुके थे। मंत्री ने परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में शुरू किए गए सीआरएफ कार्यों से संबंधित लगभग 685 करोड़ रुपये के बिल राज्य भर में लंबित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शीनिवास रेड्डी को भी लगभग 5 करोड़ रुपये का भुगतान मिलना बाकी है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने लंबित राशि जारी कराने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से व्यक्तिगत रूप से बात की थी और संबंधित चेक हाल ही में जारी कर दिया गया है। उन्होंने शीनिवास रेड्डी के परिवार को जारी किए गए खनन संबंधी नोटिस पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की और सवाल उठाया कि सरकार द्वारा लगभग 5 करोड़ रुपये का बकाया होने के बावजूद, उनसे 54 करोड़ रुपये की मांग करना कितना तर्कसंगत है।

उन्होंने संबंधित अधिकारी की इस कार्रवाई को अविवेकी और अस्वीकार्य बताया। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने परिवार को आश्वासन दिया कि वह खनन नोटिस, क्रशर और बिजली कनेक्शन आदि से संबंधित मुद्दों को तुरंत अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों को खनन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, इस पर चर्चा करने के लिए वे शुक्रवार को मंत्री विवेक वेंकटस्वामी के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस बात की भी जांच करेगी कि क्या उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए जिनके कार्यों से शीनिवास रेड्डी की मृत्यु में योगदान हो सकता है। मंत्री ने परिवार को आश्वासन दिया कि सरकार शीनिवास रेड्डी के परिवार को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

भारत को क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी का ग्लोबल प्रोड्यूसर बनना चाहिए

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को कहा कि भारत को क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी का ग्लोबल प्रोड्यूसर बनना चाहिए। ऐसा इसलिए है, क्योंकि तेजी से बदलती दुनिया में किसी देश की ताकत सिर्फ एनर्जी रिसोर्स तक पहुंच से तय नहीं होती, बल्कि भविष्य को चलाने वाली टेक्नोलॉजी के लिए मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन और मजबूत सप्लाई चेन बनाने की उसकी क्षमता से तय होती है। यहां 7वें सीआईआई इंटरनेशनल एनर्जी कॉन्फ्रेंस और एग्जिबिशन के दौरान 'एनर्जी सिक्योरिटी और सप्लाई चेन' पर आयोजित स्पेशल प्लेनरी सेशन में मुख्य भाषण देते हुए केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी के लिए भारत को एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर विकसित करने की रणनीति बताई।

केंद्र ने नकली डेटा के लिए फार्मा कंपनियों को बैन करने का अधिकार राज्य ड्रग अथॉरिटीज़ को दिया

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंज़री मांगते समय गलत जानकारी देने वाली फार्मा कंपनियों पर सख़्त सज़ा लगाने के मकसद से, राज्य ड्रग कंट्रोल अथॉरिटीज़ (डीसीए) अब नकली, मनगढ़ंत या गुमराह करने वाला डेटा जमा करते हुए पकड़ी गई कंपनियों को एक तय समय के लिए भविष्य में किसी भी मंज़री के लिए आवेदन करने से पूरी तरह रोक सकती हैं और बैन कर सकती हैं।

गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन के ज़रिए ड्रग्स रूल्स, 1945 में बड़े बदलाव किए गए हैं। अब राज्य डीसीए केवल आवेदन रद्द करने या लाइसेंस रद्द करने तक ही सीमित नहीं हैं।

अब तक, अगर फार्मा कंपनियाँ मंज़री मांगते समय गलत डेटा जमा करती थीं, तो डीसीए के पास केवल जुर्माना लगाने या सक्रिय परमिट वापस लेने का अधिकार था। हालाँकि, नए प्रावधान अब राज्य डीसीए और यहां तक कि केंद्रीय रेगुलेटर को भी स्पष्ट कानूनी अधिकार देते हैं कि वे धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों को सभी तरह के आवेदनों के लिए रेगुलेटरी सिस्टम से पूरी तरह बाहर कर सकें। रेगुलेटर ने बताया कि सही वैज्ञानिक डेटा ही दवाओं की गुणवत्ता, उनकी सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने का आधार है। नए सख़्त नियम यह सुनिश्चित करेंगे कि गलत सबूत जमा न किए जाएं, जिससे निगरानी मज़बूत होगी और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में कमियों को आने से रोका जा सकेगा। सख़्त नियम और बेहतर उपाय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने वाले सबसे अच्छे तरीकों के अनुरूप हैं, ताकि बार-बार गलती करने वालों पर कार्रवाई की जा सके और वैश्विक मानकों का पालन करने वाले फार्मा निर्माताओं के बीच निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जा सके।

बीआरएस और भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए झूठे प्रचार पर निर्भर हैं : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने गुरुवार को बीआरएस और भाजपा पर जानबूझकर गलत सूचना अभियान चलाने और राजनीतिक लाभ के लिए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाया। गांधी भवन में टीपीसीसी विचार विभाग (बौद्धिक प्रकोष्ठ) की बैठक को संबोधित करते हुए महेश कुमार गौड़ ने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला और कहा कि वे कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए लगातार झूठ फैला रहे हैं। पार्टी की वैचारिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए, टीपीसीसी प्रमुख ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के युग से ही कांग्रेस की नींव को मजबूत करने में विचार विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बौद्धिक प्रकोष्ठ ऐतिहासिक रूप से पार्टी और व्यापक समाज दोनों के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक सिद्धांतों और प्रगतिशील सोच को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। पार्टी के मूल सिद्धांतों को दोहराते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस समावेशी शासन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्टी जाति, धर्म, क्षेत्र या पंथ की परवाह किए बिना सभी नागरिकों के कल्याण और विकास के लिए लगातार प्रयासरत रहेगी और किसानों, छात्रों, श्रमिकों, व्यापारियों और समाज के वंचित वर्गों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। बैठक में कैप्टन प्रवीण डावर, अध्यक्ष, एआईसीसी विचार विभाग (बौद्धिक विंग), पुष्पा लक्ष्मण स्वामी, उपाध्यक्ष, एआईसीसी विचार विभाग, और ए. श्याम मोहन, अध्यक्ष, टीपीसीसी विचार विभाग (बौद्धिक सेल) और अन्य उपस्थित थे।

भाजपा ने कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये के धान के गबन की जांच की मांग की

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने सरकार द्वारा खरीदे गए 500 करोड़ रुपये मूल्य के धान की कथित हेराफेरी की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, जिसमें लगभग 90,000 मीट्रिक टन धान शामिल है। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री से इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने, जवाबदेही तय करने और तेलंगाना के किसानों के हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने धान की खरीद और सीमा शुल्क पिसाई में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि इस मुद्दे ने किसानों का विश्वास कम कर दिया है और राज्य के खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया है।

भट्टी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका में उन्नत खनन प्रौद्योगिकी का अध्ययन किया

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) और जीएमएमसीओ लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एरिज़ोना के टक्सन में स्थित कैटरपिलर डेमोंस्ट्रेशन एंड लर्निंग सेंटर (प्रूविंग ग्राउंड) और टेक्सास के डलास के पास लॉन्गव्यू में स्थित कोमात्सु माइनिंग कॉर्पोरेशन की सुविधा का दौरा किया।

ये दौरे प्रतिनिधिमंडल के संयुक्त राज्य अमेरिका के चल रहे दौरे का हिस्सा थे और इनका उद्देश्य उन्नत खनन प्रौद्योगिकियों, उपकरणों और परिचालन पद्धतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना था। प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना में खनन कार्यों को मजबूत करने और उन्हें और आधुनिक बनाने के लिए आधुनिक और कुशल प्रौद्योगिकियों को अपनाने के अवसरों का भी पता लगाया। टक्सन में, प्रतिनिधिमंडल ने कैटरपिलर के नवीनतम भारी अर्थ-मूविंग और खनन उपकरणों के लाइव प्रदर्शनों की समीक्षा की, जिसमें स्वायत्त और टेली-रिमोट संचालित मशीनरी शामिल थी, और ओपनकास्ट कोयला खनन कार्यों से संबंधित ऑपरेटर प्रशिक्षण और सुरक्षा प्रणालियों पर चर्चा की। लॉन्गव्यू स्थित कोमात्सु सुविधा केंद्र में, प्रतिनिधिमंडल ने बड़े पैमाने पर खनन मशीनरी के निर्माण और संयोजन का निरीक्षण किया और एससीसीएल के खनन कार्यों के लिए प्रौद्योगिकी सहयोग, उपकरण आपूर्ति और बिक्री के बाद समर्थन पर चर्चा की। कैटरपिलर और कोमात्सु के दौरे से एससीसीएल के संचालन और राज्य दोनों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्वायत्त और टेली-रिमोट संचालित खनन मशीनरी के प्रत्यक्ष अनुभव से एससीसीएल को अपने ओपनकास्ट बेड़े का आधुनिकीकरण करने और खतरनाक क्षेत्रों में मैन्युअल जोखिम को कम करके ऑपरेटर सुरक्षा में सुधार करने का मार्ग मिलता है।

उपस्थित लोगों में एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति, उपमुख्यमंत्री के सचिव कृष्णा भास्कर, कैटरपिलर इंडिया के प्रतिनिधि आरके मिश्रा, डेनिस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

विनोद कुमार अग्रवाल एफटीसीसीआई के उपाध्यक्ष चुने गए

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित उद्योग संघों में से एक, फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने महालक्ष्मी प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड (एमपीएल ग्रुप) के प्रबंध निदेशक विनोद कुमार अग्रवाल को वर्ष 2026-27 के लिए अपना उपाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना है। यह चुनाव रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई में आयोजित एफटीसीसीआई की दूसरी प्रबंध समिति की बैठक में हुआ। 35 वर्षों से अधिक के नेतृत्व अनुभव वाले एक प्रतिष्ठित उद्योगपति विनोद कुमार अग्रवाल कई वर्षों से एफटीसीसीआई से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने प्रबंध समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है और फेडरेशन की विभिन्न समितियों की सफलतापूर्वक अध्यक्षता की है, जिससे नीतिगत वकालत, औद्योगिक विकास, सतत विकास और उद्योग-सरकार सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चुनाव के बाद आभार व्यक्त करते हुए विनोद कुमार अग्रवाल ने कहा, एफटीसीसीआई के सदस्यों द्वारा मुझ पर जताए गए विश्वास से मैं अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह संघ एक सदी से अधिक समय से औद्योगिक और आर्थिक विकास का उत्प्रेरक रहा है। मैं अध्यक्ष, पदाधिकारियों, प्रबंध समिति के सदस्यों और सभी हितधारकों के साथ मिलकर उद्योग की आवाज के रूप में एफटीसीसीआई की भूमिका को और मजबूत करने तथा तेलंगाना के समावेशी और सतत आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए तत्पर हूं। एमपीएल समूह की प्रमुख कंपनी महालक्ष्मी प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के रूप में विनोद कुमार अग्रवाल ने इस्पात, बिजली, लॉजिस्टिक्स, सीमेंट और निवेश एवं लीजिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में समूह के विविधीकरण का नेतृत्व किया है। उनके नेतृत्व में, समूह तेलंगाना के अग्रणी औद्योगिक उद्यमों में से एक के रूप में उभरा है, जो रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे में निवेश और टिकाऊ विनिर्माण प्रथाओं को बढ़ावा देता है।

अपहरण मामले में अदालत ने वाईएसआरसीपी नेता मुस्तफा को न्यायिक हिरासत में भेजा

अमरावती, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की एक अदालत ने कथित अपहरण मामले में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता और पूर्व विधायक शेख मोहम्मद मुस्तफा को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आंध्र प्रदेश के गुंटूर पूर्व से पूर्व विधायक और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता शेख मोहम्मद मुस्तफा को कथित अपहरण मामले में अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

15 अगस्त से तेलंगाना में 1.05 करोड़ नए स्मार्ट राशन कार्डों का वितरण शुरू होगा

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य के लगभग 1.05 करोड़ पात्र परिवारों को नए स्मार्ट सफेद राशन कार्ड जारी करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संगारेड्डी में इस योजना का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने गुरुवार को बताया कि नए राशन कार्डों का वितरण राज्य के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ शुरू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार को राशन कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा और इसके लिए अधिकारियों को ई-केवाईसी के माध्यम से लाभार्थियों का अंतिम सत्यापन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत लाभार्थियों को क्रेडिट कार्ड के आकार के टिकाऊ पीवीसी स्मार्ट राशन कार्ड दिए जाएंगे। ये जलरोधक कार्ड होंगे, जिनमें क्यूआर कोड सहित आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। मंत्री ने कहा कि वितरण अभियान को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए नागरिक आपूर्ति विभाग मुद्रित कार्डों के सुरक्षित परिवहन की निगरानी कर रहा है, जबकि जिला कलेक्टर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर वितरण व्यवस्था को अंतिम रूप दे रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के सभी पात्र परिवारों तक नए स्मार्ट राशन कार्ड समयबद्ध ढंग से पहुंचाए जाएं।

75 लाख से ज़्यादा वोटरों ने एसआईआर एन्यूमरेशन फ़ॉर्म जमा नहीं किए

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग द्वारा समय-सीमा दो बार बढ़ाने के बावजूद, तेलंगाना में वोटर मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (एसआईआर) के लिए अपने एन्यूमरेशन फ़ॉर्म भरने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी जानकारी से पता चलता है कि 5 अगस्त की आखिरी गिनती तक 75,20,544 वोटरों ने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर्स) को अपने फ़ॉर्म जमा नहीं किए हैं। इनमें से हैदराबाद में सबसे ज़्यादा - 20,02,774 - वोटरों ने अपने फ़ॉर्म जमा नहीं किए हैं। इसके बाद रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी ज़िले हैं, जहाँ क्रमशः 13,14,710 और 11,09,751 फ़ॉर्म अभी डिजिटाइज़ किए जाने बाकी हैं।

यादाद्री भुवनगिरी, मुलुगु और जयशंकर भूपालपल्ली ज़िलों में फ़ॉर्म जमा न करने वाले वोटरों की संख्या सबसे कम रही - क्रमशः 26,202, 27,624 और 36,010 है।

हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी ज़िलों की बात करें तो, राजनीतिक दलों के बूथ-लेवल एजेंटों, चुनाव अधिकारियों और रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन की कोशिशों के बावजूद वोटरों का रिस्पॉन्स उत्साहजनक नहीं है।

इसके अलावा, आंध्र प्रदेश से हैदराबाद आए लोग, खासकर कुकटपल्ली, दिलसुखनगर, माधापुर, हाईटेक सिटी, सेरिलिंगमपल्ली, वनस्थलीपुरम और अन्य इलाकों में रहने वाले लोग, शहर में अपना वोट बनाए रखने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। पिछले पांच दिनों में, हैदराबाद में फ़ॉर्म जमा करने और डिजिटाइज़ेशन में बहुत कम बढ़ोतरी हुई है - 1 अगस्त को यह 56.79% था और 5 अगस्त को 57.72% हो गया। इसी तरह, रंगारेड्डी ज़िले में फ़ॉर्म का डिजिटाइज़ेशन 63.81% से बढ़कर 64.46% हो गया और मेडचल-मलकाजगिरी ज़िले में यह 61.85% से बढ़कर 62.75% हो गया।

नए शेड्यल के अनुसार, एन्यूमरेशन फ़ॉर्म 10 अगस्त तक बीएलओ को जमा किए जा सकते हैं। पोलिंग स्टेशनों का रेशनलाइज़ेशन और रीऑर्गनाइज़ेशन 10 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट 17 अगस्त को पब्लिश की जाएगी, और दावे व आपत्तियां दर्ज करने का समय 17 अगस्त से 16 सितंबर तक तय किया गया है। दावों और आपत्तियों का निपटारा 17 अगस्त से 15 अक्टूबर के बीच किया जाएगा। फ़ाइनल वोटर लिस्ट 19 अक्टूबर को पब्लिश की जाएगी।

एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक ने राज्यपाल से की मुलाकात

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) हैदराबाद सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक नीलेश द्विवेदी ने गुरुवार को लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक ने राज्य में एसबीआई द्वारा संचालित बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय समावेशन, सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यों की जानकारी राज्यपाल को दी। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण और समग्र विकास के लिए बैंकिंग क्षेत्र को और अधिक प्रभावी ढंग से सेवाएं प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यों में बैंकों की सक्रिय भूमिका की आवश्यकता पर बल दिया।

टीएएसए के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल जी. शीनिवास ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश सब एरिया (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल जी. शीनिवास ने गुरुवार को एमसीआर एचआरडी बोधि पवेलियन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और मेजर जनरल जी. शीनिवास के बीच विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

डीजीपी सी. वी. आनंद ने प्रोफेसर के. जयशंकर की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने गुरुवार को डीजीपी कार्यालय में प्रोफेसर के. जयशंकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी प्रोफेसर जयशंकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और तेलंगाना आंदोलन में उनके महत्वपूर्ण योगदान तथा उनकी अमूल्य विरासत को याद किया। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) महेश भागवत और पुलिस उप महानिरीक्षक नारायण नायक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि प्रोफेसर जयशंकर का तेलंगाना के लिए समर्पण और उनका वैचारिक योगदान सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

गद्दर की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जनकवि गद्दर की पुण्यतिथि के अवसर पर जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक सरोकारों पर आधारित गद्दर के गीत और उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तेलंगाना के लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगी। उन्होंने कहा कि गद्दर ने अपने गीतों के माध्यम से समाज में जनचेतना का संचार किया और लोगों को सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक बनाया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि गद्दर ने अपना पूरा जीवन वंचित और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। तेलंगाना आंदोलन के दौरान उनके गीतों ने जनआंदोलन को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने गद्दर को ऐसे महान जननायक के रूप में याद किया, जिन्होंने अपने गीतों को जनता के संघर्ष और अधिकारों की आवाज़ का सशक्त माध्यम बनाया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I Shaistha Khatoon, D/o Syed Niyamath Ali, Residing at 2-1-40/13b, Bhavani Nagar, Tandur Vikarabad District, TG-501141, have changed my name from Shaistha Khatoon to Shaista Anam for all future purposes.

I, JC 777312H, Sub, Jadhav Buvaso Dinkar, R/o, Vill &PO : Gove, Dist: Satara, Maharashtra, changed my Daughter's name from Shrutika Jadhav to Shrutika Buvaso Jadhav, vide Affidavit No. 467935 dt. 03.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Jadhav Malan Dinkar, Mother of , JC 777312H, Sub, Jadhav Buvaso Dinkar, R/o, Vill &PO: Gove, Dist: Satara, Maharashtra, changed my name from Jadhav Malan Dinkar to Malan Dinkar Jadhav, vide Affidavit No. 467938 dt. 03.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Jadhav Dinkar Buva, Father of JC 777312H, Sub, Jadhav Buvaso Dinkar, R/o, Vill &PO : Gove, Dist: Satara, Maharashtra, changed my name from Jadhav Dinkar Buva to Dinkar Buva Jadhav, vide Affidavit No. 467936 dt. 03.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Yenkayamma, W/o, No. 1354086, Ex- SEP, Seru Ankaiah, R/o, H. No. 39-8-19, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Yenkayamma to Seru Venkayamma, vide Affidavit No. BU 316499 dt. 05.08.2026, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

I, Barni Rani Chakravarty, Daughter of No. 7025057, Ex Hav, Late, G C Chakrawarty, R/o, Dist: Cachar, Assam, changed my name from Barni Rani Chakravarty to Bornali Chakraborty, vide Affidavit No. BU 316500 dt. 05.08.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, DNYANESHWARI is legally wedded Spouse of Service No JC-783588P Nb Sub Kendre Dhananjaya Dnyanoba Residing at Vill-Kendre Wadi,PO-Andhori,Teh-Ahmedpur, Dist-Latur, State-Maharashtra, PIN-413523. I have changed my name from *DNYANESHWARI* to *KENDRE DNYANESHWARI DHANANJAYA* before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri-Dist vide Affidavit dated 04 August 2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangna State Election Commission)

Dated: 30-07-2026

Notice is hereby given to the general public that Sri P.V. Satynryana, President intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telngan, under the name and style of ANDHRULA BHGYA NAGAR SAMITHI locatioin of its hed office D-15, Road No.72, IDA Jeedimetla, Hyd-55 under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are 1). Sri P.V.Satyanarayana, President, 2). Sri S. Jagannadharao, General Secretry, 3). Sri P. Suryavamsi, Treasurer. Objections, if any for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register ANDHRULA BHAGYA NAGAR SAMITHI (Name of the Party) as a Political Party to contest elections to Local Bodies (sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

President

ANDHRULA BHAGYA NAGAR SAMITHI

प्रयागराज में राहुल गांधी के कार्यक्रम की बुकिंग कैंसिल

कांग्रेस प्रोग्राम करवाने पर अड़ी, प्रियंका गांधी बोलीं- 'डरी हुई है सरकार'

प्रयागराज, 6 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में आठ अगस्त को होने वाले राहुल गांधी के कार्यक्रम पर सस्पेंस बना हुआ है। केपी ट्रस्ट ने हाईकोर्ट का हवाला देकर अनुमति को रद्द कर दिया है। जबकि कांग्रेस हर हाल में कार्यक्रम करवाने पर अड़ी हुई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि प्रयागराज में 8 अगस्त को राहुल गांधी का प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम तय समय पर ही होगा। उन्होंने बीजेपी पर कार्यक्रम में रुकावट डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया क्योंकि वे विपक्ष के नेता से डरे हुए हैं। पवन खेड़ा ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा भाजपा के लोग राहुल गांधी से डरते हैं।

आप खुद देख सकते हैं, वे संसद के अंदर भी उनसे डरते हैं और बाहर भी। उन्हें डरने दीजिए। हम उन्हें बेचैन करते रहेंगे। वे संसद में राहुल गांधी का सामना भी नहीं करते और जब भी राहुल गांधी छात्रों की आवाज उठाने जाते हैं, तो वे हर बार मुश्किलें खड़ी करने की

कोशिश करते हैं। दरअसल, प्रयागराज में राहुल गांधी के प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पर अनिश्चितता के बादल छा गए हैं, क्योंकि केपी कॉलेज के मैनेजमेंट ने एकेडमिक चिंताओं और इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए स्पोर्ट्स ग्राउंड के इस्तेमाल के लिए पहले दी गई मंजूरी वापस ले ली है। प्रयागराज की सिटी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में, कायस्थ पाठशाला के कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने कहा कि यह फ़ैसला कॉलेज के प्रिंसिपल से मिली जानकारी और इलाहाबाद हाई कोर्ट के 14 अगस्त, 2025 के आदेश को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

इसमें कहा गया था कि छात्रों की पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी गतिविधियों में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। मैनेजमेंट ने कहा कि अगर तय तारीख पर कार्यक्रम होता है तो दो स्कूलों के छात्र प्रभावित होंगे। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि बारिश से आउटडोर स्पोर्ट्स ग्राउंड को नुकसान हो सकता है, जिससे मरम्मत मुश्किल और समय लेने वाली हो जाएगी। इसलिए, कार्यक्रम की तारीख ऐसी तय की जानी चाहिए जिससे स्कूल की गतिविधियों में कोई रुकावट न आए। माननीय उच्च न्यायालय के फैसले और मौजूदा हालात को देखते हुए, कृपया अपना कार्यक्रम छुट्टियों के दौरान या बारिश का मौसम खत्म होने के बाद किसी तारीख पर रखें।

मैनेजमेंट ने कांग्रेस को यह भी बताया कि पहले दी गई इजाजत वापस ले ली गई है और आयोजकों से कहा कि वे जमा की गई रकम ऑफिस से ले लें। इससे पहले उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने राहुल गांधी के प्रस्तावित छात्र संवाद कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और कहा कि इजाज़त वापस लिए जाने के बावजूद कार्यक्रम होगा। अजय राय ने पत्रकारों से कहा, हम अपने देश और राज्य के बच्चों के उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की कामना करते हैं।

एक लड़की, दो आशिक फिर मर्डर

शाहजहांपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में गौतम मौर्य हत्याकांड की जांच में पुलिस ने बड़े खुलासे किए हैं। मुख्य आरोपी समीर इदरीसी के मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

पुलिस के अनुसार, हत्या वाले दिन समीर की बातचीत गौतम मौर्य की कथित पूर्व प्रेमिका से कई बार हुई थी। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि प्रेमिका का भाई भी इस पूरे घटनाक्रम से जुड़ा हुआ था। पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, 31 जुलाई की देर शाम गौतम मौर्य की हत्या की गई थी। इस मामले में मुख्य आरोपी समीर इदरीसी के अलावा उसके पिता लियाकत, भाई तमीम और चचेरे भाई राजा का नाम भी सामने आया था। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए समीर को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं, अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

17 साल की बीसीए छात्रा का मर्डर, घर में घुसा क्लासमेट और रेत दिया गला

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। पारा थाना क्षेत्र के नरपतखेड़ा इलाके में बीसीए प्रथम वर्ष की 17 वर्षीय छात्रा की उसके ही घर में गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के समय छात्रा घर में अकेली थी। उसके माता-पिता किसी काम से अमेठी गए हुए थे, जबकि बड़ी बहन कॉलेज गई हुई थी। जब बहन घर लौटी तो पहली मंजिल के कमरे में बहन का शव पड़ा मिला। वहीं, पास में ही उसका क्लासमेट गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी युवक छात्रा का क्लासमेट है और वह चाकू लेकर उसके घर पहुंचा था। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दोनों के बीच किसी अन्य युवक से बातचीत को लेकर विवाद हुआ। कहासुनी बढ़ने पर दोनों के बीच छीना-झपटी हुई और गुस्से में उसने चाकू से छात्रा का गला रेत दिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे पर मरम्मत को सुखाने के लिए पंखे का इस्तेमाल

अखिलेश यादव बोले- ये बीजेपी की तरक्की की नई हवा

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नवनिर्मित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस की बदहाली और मरम्मत के तरीकों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए तंज कसते हुए कहा कि 2-3 हफ्ते में ही जिस एक्सप्रेसवे का दम उखड़ने लगा है, उस पर चलने का जोखिम कौन उठाएगा? अखिलेश ने मरम्मत को सुखाने के लिए 'पंखे' के इस्तेमाल किए जाने को हास्यास्पद बताया और तंज कसते हुए कहा कि ये है भाजपाई तरक्की की नई हवाकुछ दिनों पहले ही जिसका उद्घाटन हुआ हो, उस सड़क को मरम्मत की जरूरत पड़ गई। अखिलेश ने आगे कहा कि सवाल ये भी है कि 'अटल प्रोग्रेस वे' योजना में ही रहेगा या कभी बनेगा भी... या कागजों में बनकर उसका 'हिस्सा-बांट' हो चुका है। भाजपा राज में हुआ हर निर्माण चलता कम है, धंसता, ढहता, गिरता ज्यादा है लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को बनाने में कुल 4700 करोड़ रुपये खर्च हुए और इसकी मरम्मत के लिए 'पंखा' का इस्तेमाल किया गया है। अखिलेश ने इसी को लेकर बीजेपी सरकार पर तंज कसा है। हाल ही में इसका उद्घाटन किया गया था। यह एक्सप्रेसवे दो सबसे बड़े शहरों, लखनऊ और कानपुर को आपस में जोड़ता है।

लखनऊ और कानपुर के बीच की दूरी लगभग 63 किलोमीटर है। दरअसल, पहले इस सफर को तय करने में 2 से 3 घंटे का समय लगता था, लेकिन अब इस एक्सप्रेसवे की मदद से यह दूरी मात्र 35 से 45 मिनट में पूरी हो जाती है। इस एक्सप्रेसवे पर कारों के लिए अधिकतम स्पीड 120 किमी/घंटा और भारी वाहनों (जैसे बस या ट्रक) के लिए 80 से 100 किमी/घंटा तय की गई है। 63 किलोमीटर के सफर में लगभग 13 से 18 किमी का हिस्सा एलिवेटेड है।

बिहार में एडीईओ पेपर लीक मामले में बीआरसी का टेक्निकल असिस्टेंट गिरफ्तार

पटना, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार पुलिस की इकोनॉमिक ऑफिस यूनिट (ईओयू) ने असिस्टेंट एजुकेशन डेवलपमेंट ऑफिसर (एडीईओ) भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में मुंबई स्थित भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बीएआरसी) के एक टेक्निकल असिस्टेंट को गिरफ्तार किया है।आरोपी रोशन कुमार पर परीक्षा से पहले आंसर की (उत्तर कुंजी) लीक करने और उसे उम्मीदवारों तक पहुंचाने का आरोप है।

वह बिहार के नालंदा जिले के कंकड़िया गांव का रहने वाला है।एक गुप्त सूचना के आधार पर, ईओयू की तीन सदस्यीय टीम सोमवार को पटना से मुंबई गई और स्थानीय पुलिस की मदद से बीएआरसी परिसर से कुमार को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे मुंबई की अदालत में पेश किया गया।

संबंधित अदालत से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद, ईओयू कुमार को आगे की पूछताछ के लिए पटना ला रही है। जांच एजेंसी ने गुरुवार को उससे पूछताछ के लिए पहले ही सवालों की एक सूची तैयार कर ली है और उम्मीद है कि पूछताछ से कथित पेपर लीक मामले से जुड़ी कई नई बातें सामने आएंगी। जांच में पता चला है कि कुमार 17 अप्रैल को, यानी एडीईओ परीक्षा के दिन, नालंदा के सोहसराय परीक्षा केंद्र पर मौजूद था। जांच के अनुसार, परीक्षा शुरू होने से पहले ही उसके पास आंसर की मौजूद थी।

उसने दूसरे उम्मीदवार श्वेता कुमारी के पति कुणाल को सौंप दिया।इसके बाद कुणाल ने बायोमेट्रिक एजेंसी के कर्मचारियों चंदन कुमार और राहुल कुमार को आंसर की दीं और उन्हें श्वेता कुमारी तक पहुंचाने का निर्देश दिया, जो केंद्र के परीक्षा कक्ष संख्या 25 में बैठी थी।जांच में यह भी पता चला कि कुमार परीक्षा केंद्र पर एक ऐसी कंपनी के लोगो वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचा था जिसने जैमर सिस्टम लगाए थे, ताकि किसी को शक न हो। परीक्षा केंद्र के कर्मचारियों ने कुणाल, चंदन और राहुल को रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और मामला सामने आया।

मुंगेर में ईडी का बड़ा एक्शन

करोड़ों के फर्जीवाड़े में जॉलीवुड म्यूजिक कंपनी के डायरेक्टर के घर छापामारी

जमालपुर (मुंगेर), 6 अगस्त (एजेंसियां)। जमालपुर थाना क्षेत्र के नया टोला फूलका स्थित जॉलीवुड म्यूजिक कंपनी के निदेशक जितेंद्र कुमार राजीव के आवास पर गुरुवार की सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापेमारी की। आधा दर्जन से अधिक अधिकारियों की टीम गुरुवार की सुबह तड़के ही पहुंच गई और स्थानीय लोगों के जागने से पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी। टीम ने घर में मौजूद लोगों से पूछताछ की और कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच की।

सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीम मामले के प्राथमिक आरोपित जयधन तांती और प्रिया राजीव रंजन से भी पूछताछ कर रही है। वित्तीय लेनदेन, निवेश से जुड़े कागजात और अन्य साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है। बताया जाता है कि जॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड पर निवेशकों से करोड़ों रुपये जुटाकर फरार होने का आरोप है। 18 नवंबर 2024 को कंपनी के कार्यालय में ताला लगने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने जमालपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में कांड संख्या 224/24 दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि कंपनी चिटफंड की तर्ज पर निवेश कराकर लोगों की बड़ी रकम लेकर फरार हो गई।

पुलिस जांच के दौरान कंपनी के निदेशक जितेंद्र कुमार राजीव फरार हो गए थे। बाद में उन्होंने मुंगेर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था और तब से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। अब ईडी धन शोधन और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के पहलुओं की जांच कर रही है।

कभी बुर्के में कांवड़ तो कभी हॉकी टीम की जर्सी का रंग

संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क के विवादित बयान

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में नवंबर 2024 में भड़की हिंसा की रिपोर्ट में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क का भी नाम है। न्यायिक आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संभल हिंसा में जियाउर्रहमान बर्क की भूमिका का जिक्र किया है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब जियाउर्रहमान बर्क विवादों में आए हैं। इससे पहले भी उनके कई बयान विवाद खड़ा कर चुके हैं। आइए आपको बताते हैं जियाउर्रहमान बर्क के पांच विवादित बयान। संभल हिंसा की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि 19 नवंबर, 2024 को मस्जिद के बाहर और 22 नवंबर को जुमे की नमाज के बाद बर्क ने अपने भाषणों से लोगों को हिंसा के लिए उकसाया था। उन्होंने भाषणों में सर्वेक्षण को जामा मस्जिद के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था।

सर्वे के दौरान उन्होंने कोर्ट के आदेश और प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे और कहा था कि, 'जामा मस्जिद सदियों से खड़ी है और कयामत तक रहेगी।' पुलिस के आरोप पत्र में उन पर भीड़ को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। जियाउर्रहमान बर्क ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर विवाद पैदा करने वाला बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि वे इसे नहीं गाते क्योंकि इसके कुछ शब्द उनके मजहब की

मान्यताओं के खिलाफ हैं। उन्होंने तर्क दिया था कि वे केवल अल्लाह की इबादत करते हैं और किसी अन्य को सजदा नहीं कर सकते, हालांकि वे 'जन गण मन' का पूरा सम्मान करते हैं। जियाउर्रहमान बर्क ने एक बार ताजमहल और कुतुब मीनार जैसी धरोहरों का जिक्र करते हुए यूपी सरकार को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा था कि, 'हिम्मत है तो तुर्कों की बनवाई इमारतों को खत्म करके दिखाएं।' बर्क का आशय आगरा के ताजमहल, दिल्ली के लाल किला और कुतुब मीनार से था। बर्क ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलकर केसरिया किए जाने पर आपत्ति जताई थी। बर्क ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से बदलकर केसरिया किए जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा था कि 'केसरिया राष्ट्रीय रंग नहीं है।' उन्होंने खेल एवं खिलाड़ियों के संदर्भ में इस बदलाव को अनुचित बताया था। जियाउर्रहमान बर्क ने संभल की मुस्लिम महिला तमन्ना मलिक के बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा निकालने पर उन्हें धर्म की अल्प ज्ञानी बताया था और उनके कदम को गलत करार दिया था। बर्क ने तमन्ना मलिक के बारे में कहा कि वह कोई धर्मगुरु नहीं हैं।

इस तरह के मामलों को ज्यादा तूल नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि लोगों को ऐसे विषयों पर भ्रमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि हर व्यक्ति को अपने समाज और धर्म के अनुसार अपने त्योहार मनाने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे विवाद या भ्रम पैदा हो। सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने इसके अलावा भी समय-समय पर ऐसे बयान दिए जिससे विवाद पैदा हुआ। यूपी सरकार ने मुहर्रम पर शस्त्रों के प्रदर्शन और डीजे बैन लगाने पर कड़ा विरोध जताया था। उन्होंने कहा था कि 'बीजेपी सरकार के ऐसे आदेश के मुसलमान आदी हैं। इन बातों से तरक्की नहीं होगी, मुसलमान इन चीजों से घबराता नहीं है।'

भारत-नेपाल बॉर्डर पर फिर बढ़ा तनाव

नेपाली ग्रामीणों ने सुरक्षाबलों पर किया पथराव, बिहार के थाने में एफआईआर दर्ज

बगहा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा से सटे पश्चिमी चम्पारण के संवेदनशील और लंबे समय से विवादित सुस्ता क्षेत्र में एक बार फिर सीमा विवाद को लेकर तनाव की स्थिति बन गई है। एसएसबी की ओर से वाल्मीकिनगर थाना में दिए गए आवेदन के अनुसार, नेपाल के सुस्ता गांव के 150 से 200 ग्रामीणों ने दोनों देशों के बीच पहले से तय व्यवस्था का उल्लंघन करते हुए भारतीय सीमा की ओर मिट्टी का बांध बनाना शुरू कर दिया। एसएसबी का कहना है कि जब जवानों ने इसका विरोध किया और नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के अधिकारियों से बातचीत शुरू की, तभी बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

आरोप है कि भीड़ ने सरकारी काम में बाधा डाली, जवानों के साथ गाली-गलौज की, लाठी-डंडे और पत्थरों के साथ आक्रमक हो गई तथा भारतीय सीमा की ओर पथराव किया। घटना के बाद कुछ समय के लिए सीमा क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। मामले में वाल्मीकिनगर थाना में 150 से 200 अज्ञात नेपाली नागरिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह नहीं रहे उत्तर प्रदेश की राजनीति में शोक की लहर

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक उमाशंकर सिंह का बुधवार रात निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही बलिया, पूर्वांचल और प्रदेश की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई। लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे उमाशंकर सिंह का इलाज चल रहा था। उमाशंकर सिंह रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार विधायक चुने गए थे। अपने क्षेत्र में विकास कार्यों और जनसंपर्क के कारण उनकी अलग पहचान थी। समर्थकों के बीच वह एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि माने जाते थे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में उमाशंकर सिंह बसपा के इकलौते विधायक थे। उनके निधन के साथ ही पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। उनके निधन की सूचना के बाद समर्थकों और शुभचिंतकों की भीड़ उनके आवास पर जुटने लगी और शोक संवेदनाओं का सिलसिला शुरू हो गया।

जानकारी के अनुसार, उमाशंकर सिंह लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और उनका इलाज जारी था। पिछले कुछ महीनों से उनके स्वास्थ्य को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही थीं। बुधवार रात उनके निधन की आधिकारिक पुष्टि के बाद पूरे जिले में शोक का माहौल बन गया।

उमाशंकर सिंह के निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, समर्थकों और सामाजिक संगठनों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रसड़ा और बलिया में उनके समर्थक उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

अतीक अहमद के बेटे आबान समेत दो की सड़क हादसे में मौत, तीन घायल, झांसी जेल में बंद अली से मिलने आ रहे थे

झांसी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अतीक अहमद के बेटे आबान समेत दो लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी लोग प्रयागराज से झांसी जेल अली अहमद से मिलने आ रहे थे। घटना थाना पूंछ इलाके बृहस्पतिवार सुबह की है। हाईवे पर उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। अली को प्रयागराज के नैनी जेल से 1 अक्तूबर 2025 को झांसी जेल शिफ्ट किया गया था। तभी से वह यहीं बंद है।

कार में सवार प्रयागराज के फटवा निवासी 28 वर्षीय अहजम पुत्र मोहम्मद फारूख, 30 वर्षीय मोहम्मद जैद पुत्र जावेद अहमद, 24 वर्षीय उमर पुत्र अरसद, आबान अहमद पुत्र अतीक अहमद झांसी आ रहे थे।

खिल्ली गांव के पास हाईवे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सो रहा था परिवार, अचानक भरभराकर गिर गया 100 साल पुराना मकान, 6 लोगों की मौत; प्रतापगढ़ में दर्दनाक हादसा

प्रतापगढ़, 6 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के प्रतापगढ़ जिले के महुली गांव में गुरुवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। यहां 100 वर्ष पुराना एक जर्जर मकान अचानक भरभरा कर गिर गया। इस भीषण दुर्घटना में सो रहे एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि एक युवक सुरक्षित बच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, महुली गांव निवासी प्रमोद श्रीवास्तव (60) का मकान काफी पुराना और जर्जर स्थिति में था।

6 अगस्त 2026 को रात करीब 2 बजे जब पूरा परिवार गहरी नींद में था, तभी अचानक पूरा मकान ढह गया। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर दौड़े और तुरंत पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग (फायर ब्रिगेड) की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस और राहत कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और मलबे में दबे सभी लोगों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया।

चेक बाउंस केस में सजा के बाद राजपाल यादव की बढ़ीं मुश्किलें

भाई बोले- बैंक से बातचीत जारी, नीलामी जैसी स्थिति नहीं

शाहजहांपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। चेक बाउंस मामले में सजा के बाद अब राजपाल यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शाहजहांपुर स्थित उनके पैतृक घर पर 16.61 करोड़ रुपये के बकाया लोन को लेकर कुर्की नोटिस लगाया है। बैंक ने 34 दिन के अंदर बकाया राशि जमा करने को कहा है। भुगतान नहीं होने पर संपत्ति नीलाम करने की चेतावनी दी गई है। हालांकि, राजपाल यादव के भाई श्रीपाल यादव ने कहा है कि बैंक से बातचीत चल रही है और फिलहाल नीलामी जैसी स्थिति नहीं है। शाहजहांपुर के पैतृक गांव कुंडरा स्थित राजपाल यादव के घर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने कुर्की नोटिस लगाया।

बैंक के अनुसार, 34 दिन के भीतर बकाया लोन नहीं चुकाया गया तो 9 सितंबर को संपत्ति की नीलामी की जाएगी। हालांकि, नोटिस लगाए जाने के कुछ देर बाद ही परिवार के लोगों ने उसे हटा दिया। बैंक की कार्रवाई के बाद राजपाल यादव के बड़े भाई श्रीपाल

यादव ने कहा कि यह पुराना मामला है। बैंक से लोन चुकाने को लेकर बातचीत चल रही है। मामला जल्द सुलझा लिया जाएगा। फिलहाल संपत्ति की नीलामी जैसी स्थिति नहीं है। वहीं परिवार के सदस्यों कहना है कि बैंक के साथ बातचीत जारी है और मामले का समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, राजपाल यादव ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की मुंबई शाखा से पत्नी राधा यादव और मां गोदावरी के नाम पर 16 करोड़ 61 लाख रुपये का लोन लिया था। इसी लोन की बकाया राशि को लेकर बैंक ने अब कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है। सेंट्रल बैंक के प्रबंधक अनुज वर्मा ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब इस मामले में कार्रवाई हुई हो। करीब दो साल पहले भी शाहजहांपुर स्थित पैतृक मकान पर नोटिस चस्पा किया गया था। उस समय बैंक और राजपाल यादव के बीच बकाया राशि चुकाने को लेकर सहमति बनी थी, लेकिन अब फिर से कार्रवाई करनी पड़ी है। इससे पहले 7 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने चेक बाउंस के सात मामलों में राजपाल यादव को तीन महीने की जेल की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने हर मामले में शिकायतकर्ता को 1.05 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया था। कुल राशि 7.35 करोड़ रुपये बनती है।

अदालत ने यह भी माना कि राजपाल यादव पहले ही करीब 2 करोड़ रुपये जमा कर चुके हैं। फिलहाल राजपाल यादव जेल से बाहर हैं। यह पूरा मामला राजपाल यादव की फिल्म अता पता लापता से जुड़ा है। साल 2010 में उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन करने के लिए 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही और समय पर कर्ज नहीं चुकाया जा सका। इसके बाद चेक बाउंस के कई मामले दर्ज हुए।

अभी खत्म नहीं हुआ है जेन जी आंदोलन पीके ने बताया कब से होगा शुरू?

बांकीपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उपचुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद जनसुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी पॉलिटिकल स्ट्रेटजी के लिए जाने जाने वाले प्रशांत किशोर ने हाल ही में दिल्ली में हुए जेन जी के आंदोलन को लेकर भी बात की, जिसके चलते धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। प्रशांत किशोर से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या जेन जी भारत की राजनीतिक तस्वीर बदल सकता है? इसे लेकर उन्होंने राजनीतिक आंदोलनों के बदलाव समेत कई चीजों का जिक्र किया। उन्होंने युवाओं के प्रदर्शन के लंबे समय में ज्यादा फर्क दिखाई देने की बात कही। जनसुराज के नेता और विधायक प्रशांत किशोर ने डिकोडर से बातचीत में कहा कि भले ही इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म ने लोगों के बीच बातचीत को बढ़ाया है, लेकिन राजनीतिक बदलाव की असली वजह वे संदेश और मुद्दे ही होते हैं जो लोगों से जुड़ते हैं। उन्होंने इसकी देश के पुराने राजनीतिक आंदोलनों से भी तुलना की। प्रशांत किशोर ने पुराने राजनीतिक आंदोलनों से तुलना करते हुए कहा कि आज युवाओं के नेतृत्व में हो रहे लामबंदी का असर तुरंत दिखने के बजाय समय के साथ ज्यादा साफ तौर पर दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि जेनजी के आंदोलन का मेन फेज आना बाकी है। उन्होंने कहा कि इनके आंदोलन का असर साल, डेढ़-दो साल बाद दिखेगा।

नीति आयोग की रिपोर्ट ने युवा विरोध प्रदर्शनों के बीच शिक्षा व्यवस्था की हकीकतों को उजागर किया: शिवसेना यूबीटी

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने नीति आयोग की उस रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें भारत के स्कूली बुनियादी ढांचे की दयनीय स्थिति को उजागर किया गया है। अपने मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में शिवसेना (यूबीटी) ने कहा, संपादकीय में यह उल्लेख किया गया है कि जैसे-जैसे जेनरेशन जेड के युवा शिक्षा में व्यवस्थागत विफलताओं, बार-बार होने वाले शोधपत्र लीक और बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं, सरकार के अपने ही थिंक टैंक ने गंभीर संरचनात्मक कमियों को उजागर किया है।

जहां एक ओर शोधपत्र लीक घोटाले ने शिक्षा क्षेत्र के व्यवसायीकरण से केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को पहले ही शर्मिंदा कर दिया था, वहीं अब नीति आयोग की रिपोर्ट ने सरकार को शर्मिंदगी से अपना चेहरा छुपाने पर मजबूर कर दिया है। जनसंख्या में लगातार वृद्धि के बावजूद, नीति आयोग की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देशभर में लगभग 1,00,000 स्कूल बंद हो चुके हैं, जबकि कक्षा 12 से पहले ही छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर चौंका देने वाली 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। संपादकीय में कहा गया है कि आंकड़ों से पता चलता है कि प्राथमिक स्कूल में दाखिला लेने वाले हर दस छात्रों में से लगभग चार उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ देते हैं। संपादकीय में इस बात के भी बारे में बताया गया है कि पिछले आठ से नौ वर्षों में लगभग 92,000 स्कूल बंद हो गए हैं। हालांकि आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि कम नामांकन के कारण स्कूलों का विलय किया गया है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या के बावजूद स्कूलों की कुल संख्या में लगभग 1,00,000 की कमी आई है। वहीं, देशभर में 1,00,000 से अधिक प्राथमिक स्कूल केवल एक शिक्षक के साथ चल रहे हैं, जो कक्षा 1 से 4 तक सभी विषयों को पढ़ाता है। दूसरी ओर, 7,993 स्कूलों में सक्रिय स्टाफ होने के बावजूद वर्तमान में एक भी छात्र नामांकित नहीं है। 14.71 लाख स्कूलों में नामांकित 24.69 करोड़ छात्रों में से प्राथमिक स्तर पर नामांकन 90.9 प्रतिशत है, लेकिन उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा 12) तक आते-आते यह घटकर 58.4 प्रतिशत रह जाता है।

संपादकीय में तर्क दिया गया कि व्यापक असंतोष जो हाल ही में जंतर-मंतर पर पेपर लीक और परीक्षा भ्रष्टाचार को लेकर युवा विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शित हुआ ने वैश्विक शैक्षिक नेतृत्व के दावों को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है।

'ये शिवभक्त नहीं, आतंकवादी हैं'

कांवड़ यात्रा पर मौलाना रशीदी का विवादित बयान

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने कांवड़ यात्रा को लेकर विवादित बयान दे दिया है। साजिद रशीदी ने कांवड़ यात्रा पर कहा, आप उन लोगों को शिवभक्त बोलते हैं जो सड़कों पर बैठकर शराब पी रहे हैं, नशा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, आप उन लोगों को शिवभक्त बोलते हैं जो पुलिस वालों को वर्दी में रहते हुए मार देते हैं।

जिन्होंने स्कूल वैन में बैठे बच्चों के शीशे तोड़ दिए, कई बच्चों को जख्मी कर दिया उनको शिवभक्त कहते हैं।

जिन्होंने एक मरीज की वैन तक नहीं छोड़ी और एक मरीज से परेशानी और बीमारी की हालत में कह रहे हैं, 'जय श्री राम के नारे लगाओ', ये शिवभक्त हैं? ये शिवभक्त नहीं हैं, ये तो आतंकवादी हैं। दरअसल साजिद रशीदी ने हाल ही में मेरठ में कांवड़ यात्रियों द्वारा पुलिसकर्मियों को पीटने के वायरल वीडियो पर भी यह टिप्पणी की है। बता दें कि 2 पुलिसकर्मियों को कांवड़ यात्री मिलकर पीटते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। इस मामले का हवाला देते हुए मौलान साजिद रशीदी ने यह विवादित बयान दिया है।

फिलहाल मौलाना रशीदी के इस बयान के बाद अब विवाद गरमाने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं। बता दें कि मौलाना साजिद रशीदी इस तरह के बयानों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। कांवड़ यात्रा 30 जुलाई को सावन के पवित्र महीने के पहले दिन शुरू हुई और 11 अगस्त को सावन शिवरात्रि पर जल अभिषेक के साथ समाप्त होगी।

हर साल, इस यात्रा में देश भर से भगवान शिव के भक्त शामिल होते हैं। वे हरिद्वार में गंगा नदी से पवित्र जल लाते हैं और उसे उत्तर भारत के अलग-अलग हिस्सों में स्थित शिव मंदिरों तक ले जाते हैं।

राजनीतिक फायदे के लिए मुसलमानों और मदरसों को निशाना बनाया जा रहा है: अरशद मदनी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरशद मदनी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि राजनीतिक फायदे के लिए मुसलमानों और उनके शिक्षण संस्थानों को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें सांप्रदायिक सद्भाव के लिए खतरा हैं और देश के संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करती हैं। उनके ये बयान मदरसों पर हाल ही में हुई टिप्पणियों को लेकर चल रहे विवाद के बीच आए हैं। यह विवाद उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के उस बयान से शुरू हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में मदरसे अनौपचारिक रूप से आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं। मौर्य ने यह भी आरोप लगाया था कि ऐसे संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र देशभक्ति नहीं दिखाते, बल्कि उनमें आतंकवादी जैसी सोच विकसित हो जाती है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी तब की जब उन्होंने देश से बाहर रह रहीं बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन की मदरसों पर प्रतिबंध लगाने की मांग का समर्थन किया, नसरीन ने मदरसों को जिहादी फ़ैक्टरी बताया था। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए मदनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मदरसों पर लगाए गए आरोपों का कड़ा विरोध किया और आलोचकों पर सांप्रदायिक नैरेटिव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। मदनी ने लिखा, मदरसों को आतंकवाद का केंद्र बताना सांप्रदायिकता और पूर्वाग्रह की पराकाष्ठा है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आरोप लगाने वालों के पास उन संस्थानों पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जिन्होंने उनके अनुसार देश के इतिहास में योगदान दिया है।

उन्होंने आगे कहा, यह बहुत अजीब बात है कि जिन लोगों के राजनीतिक पूर्वजों ने भारत की आज़ादी की लड़ाई के दौरान अंग्रेजों से माफी मांगी थी, वे ही अब मदरसों को आतंकवाद के केंद्र के तौर पर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

10 साल में सबसे कम बारिश:अब तक सिर्फ 15 इंच पानी गिरा; बिलावली तालाब 34% भरा, एमपी में 19% कमी

इंदौर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मानसून का आधा सफर बीत जाने के बाद भी इंदौर शहर अच्छी बारिश का इंतजार कर रहा है। मानसून शुरू होने के दो महीने में शहर में केवल 15 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले 10 साल में इस अवधि की सबसे कम बारिश है। जुलाई के पहले हफ्ते के बाद इंदौर में कोई मजबूत बारिश सिस्टम असर नहीं दिखा सका। शहर के अलग-अलग हिस्सों में बारिश भी एक जैसी नहीं हुई। एयरपोर्ट, राजबाड़ा और रीगल क्षेत्र में ज्यादा बारिश हुई, जबकि पूर्वी हिस्सा करीब 13 इंच बारिश तक ही सीमित रहा।

कम बारिश का सीधा असर शहर की पेयजल व्यवस्था और जलाशयों पर पड़ने लगा है। 34 फीट क्षमता वाला बड़ा बिलावली तालाब अभी भी काफी खाली है, जबकि छोटा बिलावली तालाब पूरी तरह सूख चुका है। शहर को पानी सप्लाई करने वाले 19 फीट क्षमता वाले यशवंत सागर का जलस्तर घटकर सिर्फ 12 फीट रह गया है। इससे आने वाले समय में पानी की समस्या को लेकर चिंता बढ़ गई है। कम बारिश का असर खेती पर भी दिखाई देने लगा है।

'ये संवैधानिक नहीं, अनुबंध का विवाद'

बिना नोटिस यूट्यूब चैनल हटाने पर एचसी की टिप्पणी

नैनीताल, 6 अगस्त (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने यूट्यूब द्वारा बिना पूर्व सूचना किसी चैनल को हटाए जाने के मामले में दायर याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यूट्यूब भारतीय संविधान के अनुच्छेद-12 के तहत 'राज्य' की श्रेणी में नहीं आता। इसलिए यूट्यूब जैसे निजी डिजिटल प्लेटफॉर्म के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद-226 के तहत रिट याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों को संवैधानिक विवाद नहीं, बल्कि अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) से जुड़े विवाद के रूप में देखा जाएगा। मामला पौड़ी गढ़वाल निवासी स्वाति उर्फ स्मृति नेगी से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मांग की थी कि यूट्यूब द्वारा हटाए गए उनके चैनल, उस पर उपलब्ध सामग्री और कथित कॉपीराइट स्ट्राइक को पूर्व स्थिति में बहाल करने के निर्देश दिए जाएं।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि तीन कथित कॉपीराइट स्ट्राइक का हवाला देते हुए बिना किसी पूर्व नोटिस और बिना सुनवाई का अवसर दिए उनका यूट्यूब अकाउंट हटा दिया गया। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए अपने 4 अगस्त 2026 के फैसले में कहा कि यूट्यूब एक निजी मंच (प्राइवेट प्लेटफॉर्म) है और वह संविधान के अनुच्छेद-12 के तहत 'राज्य' की परिभाषा में शामिल नहीं होता। ऐसे में उसके खिलाफ अनुच्छेद-226 के तहत दायर रिट याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। अदालत ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता और यूट्यूब के बीच का संबंध आपसी अनुबंध और सेवा की शर्तों पर आधारित है। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि किसी निजी अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन को लेकर विवाद उत्पन्न होता है, तो उसके समाधान के लिए संविधान के तहत उपलब्ध पब्लिक लॉ का सहारा नहीं लिया जा सकता।

अदालत के अनुसार यह मामला संवैधानिक अधिकारों का नहीं, बल्कि निजी अनुबंध से जुड़े अधिकारों और दायित्वों का है। याचिका खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता भी दी कि यदि वह चाहें तो इस कॉन्ट्रैक्चुअल डिस्प्यूट के समाधान के लिए कानून के तहत उपलब्ध अन्य उपयुक्त कानूनी उपाय अपना सकती हैं।

ऑनलाइन बेटिंग रैकेट का खुलासा:टेलीग्राम से चल रहा था पूरा नेटवर्क, लिंक तलाशने मे जुटी पुलिस

इंदौर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राऊ थाना क्षेत्र से एक कथित ऑनलाइन बेटिंग ऑपरेटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी फ्लैट से इंटरनेट और कॉलिंग के माध्यम से ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क संचालित कर रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से नकदी, लैपटॉप, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। मामले की जांच जारी है। राऊ पुलिस ने ट्रेजर फैंटेसी कॉलोनी में छापेमारी कर राहुल पुत्र प्रवीण निम्बोला को गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से धार जिले का निवासी है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 40 हजार रुपए नकद, दो लैपटॉप, नौ स्मार्टफोन, सात एटीएम कार्ड और वाई-फाई उपकरण बरामद किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ऑनलाइन बेटिंग का पूरा नेटवर्क टेलीग्राम आधारित पैनल के जरिए संचालित किया जा रहा था। आरोपी ग्राहकों को जोड़कर ऑनलाइन सट्टेबाजी कराता था। पुलिस के अनुसार, जिस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सट्टा संचालित किया जा रहा था, उसका नाम 'महाराजा 111' बताया जा रहा है।

एयरफोर्स गेट पर पेट्रोल बम फेंकने की कोशिश

आंध्र प्रदेश में है असि. प्रोफेसर गिरफ्तार

ग्वालियर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। महाराजपुरा स्थित एयरफोर्स स्टेशन के मुख्य गेट पर पेट्रोल बम जैसी वस्तु फेंके जाने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद वायुसेना, पुलिस और खुफिया एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का कहना है कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होता है, जिसके बाद उसे मानसिक आरोग्यशाला भेजा गया है। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी उत्तर प्रदेश के वाराणसी का रहने वाला है और आंध्र प्रदेश के एक निजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

वह कुछ दिनों की छुट्टी लेकर ग्वालियर आया था। यहां एक गेस्ट हाउस में ठहरने के बाद उसने बियर की बोतलों में पेट्रोल भरकर एयरफोर्स स्टेशन के गेट के पास फेंक दिया। घटना होते ही सुरक्षा में तैनात जवानों ने उसे तत्काल पकड़ लिया।

'हमसे वादा किया गया था कि पुलिस बर्बरता के अत्याचार पर जवाब भी मिलेगा और हमें अपनी बात रखने का मौका भी मिलेगा', सदन की कार्यवाही पर बोलीं सपा सांसद इकरा हसन

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के द्वारा जमकर हंगामा किए जाने के बाद सदन की कार्यवाही को कई बार स्थगित किया जा चुका है। सदन कार्यवाही को लेकर समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन की प्रतिक्रिया सामने आई है। इकरा हसन ने कहा, बहुत सारे मुद्दे हैं लेकिन सरकार ने पूरे सत्र में सिर्फ एक दिन सदन चलाया है। यह सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हमसे वादा किया गया था कि पुलिस बर्बरता, अत्याचार पर जवाब भी मिलेगा और हमें अपनी बात रखने का मौका भी मिलेगा, लेकिन उस चर्चा को भी काटकर छोटा कर दिया गया। देश के नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया।

इकरा हसन ने आगे कहा, साथ ही किसी ने उत्तर नहीं दिया। हम चाह रहे थे कि गृहमंत्री इस पर जवाब दें कि पुलिस को यह परमीशन किसने दी कि इस तरह हमारे देश के युवाओं पर बर्बरता करे। अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं आया है तो सबसे पहले, सबसे अहम मुद्दा हमारा वही है। उन्होंने आगे कहा,

सरकार सोच रही है कि वह इस तरह सदन नहीं चलाएगी तो हम लोग बातों को भूल जाएंगे या बात टल जाएगी, लेकिन यह बात टलेगी नहीं। देश के युवा आजतक जवाब मांह रहे हैं और हम यहां पर इस देश की आवाज बन सत्ता पक्ष से जवाबदेही चाह रहे हैं। राम मंदिर पर किए गए सवाल के जवाब में इकरा हसन ने कहा, अगर आस्था की जगह पर भी आपके राज में जो ट्रस्ट के लोग थे वह केंद्र से नमित किए गए थे। इसके बाद इस तरह से धांधली करना और उन लोगों के द्वारा करना जिन्हें बीजेपी कार्यालय से नियुक्त किया गया है।

उन्होंने आगे कहा, यह आस्था विषय है और जो लोग आस्था में इस तरह से कर सकते हैं तो आमजन के साथ यह सरकार कितना धोखा कर रही होगी यह समझने की बात है। इकरा हसन ने अखिलेश यादव के पीडीए को लेकर कहा, पीडीए एक ऐसा अम्ब्रैला शब्द है जिसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी, अगड़े, पीड़ित अगड़े, पंडित और अन्य हर तरह के लोग आते हैं। जो अपने आपको इस सरकार से प्रताड़ित महसूस रहे हैं। जो इनकी विचारधारा से मेल नहीं खाते वह सभी लोग हमारी विचारधारा में शामिल हैं।

हिमाचल प्रभारी रजनी पाटिल ने रिपोर्ट सौंपने की खबरों का किया खंडन, कहा- कोई रिपोर्ट नहीं दी

शिमला, 6 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने मीडिया में चल रही कुछ खबरों का खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार को लेकर कांग्रेस हाईकमान को किसी भी प्रकार की कोई रिपोर्ट उन्होंने प्रस्तुत नहीं की है। रजनी पाटिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि मीडिया के कुछ वर्गों ने यह गलत खबर प्रकाशित और प्रसारित की है कि हिमाचल प्रदेश की प्रभारी के तौर पर उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार को लेकर हाईकमान को रिपोर्ट सौंपी है। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं कि ऐसी कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह की खबर प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्यों की पुष्टि अवश्य करें। अपुष्ट जानकारी से भ्रम की स्थिति पैदा होती है, जिससे राजनीतिक माहौल भी प्रभावित हो सकता है। हाल के दिनों में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस संगठन और सरकार को लेकर विभिन्न तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं।

इसी बीच रजनी पाटिल के इस बयान को इन चर्चाओं पर आधिकारिक प्रतिक्रिया माना जा रहा है। हालांकि उन्होंने अपने बयान में किसी विशेष खबर या मीडिया संस्थान का नाम नहीं लिया है। रजनी पाटिल के इस स्पष्टीकरण के बाद अब यह साफ हो गया है कि कांग्रेस हाईकमान को हिमाचल सरकार के संबंध में किसी रिपोर्ट के सौंपे जाने की खबर सही नहीं है। फिलहाल कांग्रेस की ओर से इस मामले में यही आधिकारिक रुख सामने आया है।

रिटायर्ड कैप्टन की पत्नी की हत्या सीसीटीवी वीडियो में शव छिपाते दिखी मेड, बेटा भी था साथ

पंचकूला, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सेक्टर-21 में रिटायर्ड कैप्टन मनमोहन लाल सिंह की पत्नी की हत्या से जुड़ा अहम सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में आरोपी मेड और उसका बेटा शव छिपाते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों पहले छत में आए थे और चारों तरफ देखकर यह सुनिश्चित किया था कि कोई उन्हें देख नहीं रहा है। इसके बाद शव पड़ोसी के घर में छिपा दिया था। हत्या के मामले में वारदात का सीसीटीवी वीडियो बेहद अहम सबूत माना जा रहा है।

हालांकि, आरोपियों ने अपना अपराध पहले ही स्वीकार कर लिया है। वीडियो में घरेलू सहायिका (मेड) और उसका बेटा महिला के शव को घर से बाहर ले जाते और पड़ोसी की छत पर ले जाकर चादर से ढककर छिपाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने की कोशिश की थी। इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में घरेलू सहायिका सुनीता देवी, उसका पति शंकर और बेटा राजा शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि घरेलू सहायिका घर में हुई चोरी के शक के बाद खुद को बार-बार चोर कहे जाने से नाराज थी। इसी रंजिश के चलते उसने अपने पति और बेटे के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। वारदात के बाद तीनों ने शव को पड़ोसी की छत पर ले जाकर चादर से ढक दिया, ताकि किसी को शक न हो।

कंगना रनौत ने झारखंड में भर्ती परीक्षाओं की धांधली पर कहा

हमारे 'जेन–जी' सच में हर तरह की तकलीफ झेल रहे हैं

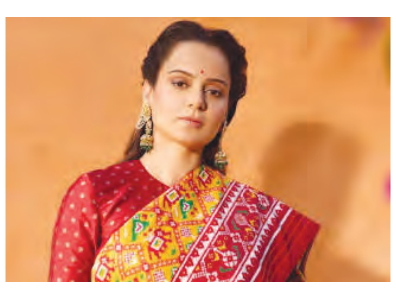

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले जेन जी प्रदर्शनकारियों को 'गटर जेनरेशन' कहने वाली भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को रांची में चल रहे छात्र आंदोलन पर अपनी राय रखी। कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, हमारे 'जेन-जी' सच में हर तरह की तकलीफ झेल रहे हैं और ये मामला दशकों से चला आ रहा है। हम लोगों ने भी इस तरह की समस्याओं को देखा हुआ है, चाहे पेपर लीक हों या मेरिट-बेस पेपर समेत कई समस्याएं, लेकिन इन सभी के बीच मैं ये कहना चाहती हूं कि कांग्रेस और अन्य पार्टियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर और संसद में इतने तमाशे किए थे। अब जब झारखंड में ऐसी स्थिति बन रही है, वहां के हालात खराब हो रहे हैं। झारखंड में बच्चों को हर तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे बच्चों की विवशता को समझाते हुए उन्होंने कहा, मैंने कई वीडियो देखे हैं कि बच्चों को त्रिपाल लगाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। खाने की ठीक स्थिति नहीं है, बच्चों ने दो-तीन दिन से कपड़े नहीं बदले हैं। हालात यहां तक गंभीर हैं कि बच्चों के पास ऑनलाइन फूड नहीं जा पा रहा है। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी वहां नहीं पहुंच रहे हैं।

कंगना रनौत ने कहा कि जब हुड़दंग मचाना था, लोगों को उकसाना था, बच्चों को उकसाकर देश की सिक्योरिटी के साथ खतरा मोल लेना हो, तब राहुल गांधी देश के लिए खतरा बनकर निकलते हैं। हाल ही में मेटा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो फेसबुक से हटा दिया गया था, जिसके बाद काफी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, देखिए, मैं भी उसी कमेटी से ताल्लुक रखती हूं और हमारे चेयरमैन निशिकांत दुबे ने बहुत कड़ा रुख अपनाया और माफी की मांग भी की।

हमने इस बात पर भी चिंता जताई थी कि कैसे एंटी-नेशनल कंटेंट को बढ़ावा दिया जाता है। हमें खुशी है कि उन्होंने अपनी गलतियां मान ली हैं। हमें उम्मीद है कि जिस तरह से ये आतंकवादी ताकतें हमारी नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा बन रही हैं, उससे हमें राहत मिलने की अपेक्षा करते हैं।

'पिता को दया तक नहीं आई' 14 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म के आरोपी पर केरल हाईकोर्ट सख्त, जमानत देने से इनकार

कोच्चि, 6 अगस्त (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने अपनी सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी है। न्यायालय ने कहा कि उसने बिना किसी दया के बार-बार उसके साथ यौन उत्पीड़न किया, जिसके कारण वह गर्भवती हो गई। उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि मामले की डायरी देखने से पता चलता है कि पश्चिम बंगाल के मूल निवासी उस व्यक्ति के खिलाफ आरोप बहुत गंभीर थे। शुरुआती जांच से पता चलता है कि उसने यह जुर्म पहले से योजना बनाकर किया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, उस व्यक्ति ने अपनी 14 वर्षीय सौतेली बेटी का यौन उत्पीड़न तब किया था जब उसकी मां पश्चिम बंगाल स्थित अपने घर गई हुई थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया,' बच्ची पीड़िता पर बार-बार यौन उत्पीड़न के आरोप भी हैं। बार-बार हुए यौन उत्पीड़न के कारण पीड़िता गर्भवती हो गई। अभियुक्त के वकील ने दावा किया कि उनके मुवक्किल को इस मामले में झूठा फंसाया गया है और वह जमानत के हकदार हैं। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद अदालत ने कहा, 'यह एक ऐसा मामला है जहां पीड़िता के सौतेले पिता ने निर्दयतापूर्वक बार-बार उस पर यौन हमला किया।'

22 साल बाद एससी ने किया बरी, कहा- 'बिना सबूत जेल भेजना नाकामी'

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिना ठोस और भरोसमंद सबूतों के लोगों के लंबे समय तक जेल में रहने पर चिंता जताई है। कोर्ट ने इसे न्याय व्यवस्था की गंभीर विफलता बताया है। ओडिशा के अर्जुन जानी उर्फ टुनटुन को ट्रिपल मर्डर केस में बरी करते हुए कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। अर्जुन ने 22 साल तक जेल में बिताए। मामला साल 2004 में हुई 3 हत्याओं से जुड़ा है। 25 अगस्त 2006 को नबरंगपुर की कोर्ट ने अर्जुन जानी को उम्रकैद की सजा दी। अब सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि पुलिस ने उसे संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। उसके खिलाफ विश्वसनीय सबूत नहीं थे। ऐसे में यही लगता है कि उससे प्रताड़ना के जरिए इकबालिया बयान हासिल किया गया। इस तरह हासिल कबूलनामा कानूनन विश्वसनीय सबूत नहीं माना जा सकता। इस मामले में निचली अदालत ने अर्जुन जानी को एक चश्मदीद की गवाही के आधार पर दोषी ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस गवाही की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

जस्टिस जे बी पारडीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने माना है कि चश्मदीद गवाह के बयान में निरंतरता की कमी थी। उसके बयान में कई बार बदलाव हुए। बयान के समर्थन में पुलिस भरोसेमंद सबूत नहीं पेश कर पाई। निचली अदालत ने इन सभी बातों

की उपेक्षा कर फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा हाई कोर्ट की तरफ से अर्जुन के अपील को खारिज कर दिए जाने को मामले में दूसरा गंभीर पहलू बताया है। हाई कोर्ट ने उसकी बात को सुने बिना अपील सिर्फ इस आधार पर खारिज कर दी थी कि वह निचली अदालत का फैसला आने के 3,157 दिनों बाद दाखिल हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस तरह के गंभीर मामले में बिना दोषी की बात सुने फैसला देना गलत था। हाई कोर्ट ने इस बात का ध्यान नहीं रखा कि अपील दायर करते समय वह 12 साल जेल में बिता चुका था और उसके लिए जेल से अपील दाखिल करना काफी मुश्किल रहा होगा।

भारतीय सेना प्रमुख को नेपाली राष्ट्रपति देंगे मानद रैंक

काठमांडू में होगा बड़ा सम्मान, 76 साल पुरानी है परंपरा

काठमांडू, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ इस महीने नेपाल के दौरे पर जा रहे हैं। वह 16 अगस्त को पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर काठमांडू पहुंचेंगे। जनरल धीरज सेठ ने 30 जून को भारतीय सेना के 31वें प्रमुख के तौर पर पद संभाला था। वह नेपाली सेना के जनरल का मानद पद प्राप्त करने के लिए सेना प्रमुख जनरल अशोक सिगदेल के निमंत्रण पर नेपाल का दौरा कर रहे हैं। काठमांडू में उनको यह सम्मान दिया जाएगा।

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाल और भारत के बीच एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को जनरल का मानद पद देने की सात दशक से ज्यादा पुरानी परंपरा है।

दोनों सेनाओं के बीच करीब 76 साल से चली आ रही इस परंपरा के अनुसार नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल आर्मी चीफ धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल का मानद पद प्रदान करेंगे।

नेपाल सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल राजाराम बस्नेत ने बताया

भारतीय सेना प्रमुख धीरज सेठ और नेपाल पीएम बालेन शाह

है कि जब भी किसी देश में नया सेना प्रमुख पद संभालता है तो उच्च-स्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान की परंपरा होती है। इसके दौरान दोनों प्रमुखों को जनरल का मानद पद दिया जाता है। एक बार यात्रा की आधिकारिक पुष्टि हो जाने के बाद हम यात्रा कार्यक्रम सार्वजनिक कर देंगे।'

नेपाल आर्मी चीफ सिगदेल को दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय सेना के जनरल का मानद पद प्रदान किया था। 27 मार्च को बालेन शाह सरकार के गठन के बाद नेपाल का दौरा करने वाले जनरल सेठ पहले वरिष्ठ भारतीय अधिकारी होंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री का काठमांडू दौरा तय हुआ था लेकिन कुछ कारणों से यात्रा टाल दी गई। पांच दिन की अपनी यात्रा के दौरान जनरल सेठ नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से शिष्टाचार भेंट करने की उम्मीद है। यात्रा से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय को बैठक के लिए अनुरोध भेजा गया है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस पर चीजें साफ हो सकती हैं।

नेपाल और भारत के बीच हालिया दिनों में रिश्ते बहुत अच्छे नहीं रहे हैं। बॉर्डर से जुड़े मुद्दों को लेकर दोनों पक्षों में तनाव हुआ है तो व्यापार संबंधी कुछ मामले भी तनातनी का कारण बने हैं। खासतौर से नेपाल के कुछ भारतीय इलाकों पर दावे ने चीजों को खराब किया है। ऐसे में सेना प्रमुख के काठमांडू दौरे से देशों के ताल्लुक में बेहतरी की उम्मीद है। भारत और नेपाल के एक-दूसरे के सेना प्रमुख को मानद उपाधि देने की परंपरा 1950 से चल रही है। इसे नेपाल ने शुरू किया था, जब उन्होंने भारतीय सेना प्रमुख को नेपाली सेना के जनरल का मानद रैंक प्रदान किया था।

पहली बार भारतीय सेना के प्रमुख जनरल केएम करियप्पा को 1950 में मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था।

निगरानी बदमाश शिवा सारथी गैंग गिरफ्तार

दो घरों में चोरी, 63 हजार कैश और सोने के टॉप्स समेत 2 लाख की संपत्ति जब्त

रायगढ़, 6 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में निगरानी बदमाश की गैंग ने दो अलग-अलग घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 63,700 रुपए नकद सहित करीब 2 लाख रुपए की चोरी की संपत्ति बरामद की गई है।

मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार पहली चोरी सूर्या विहार, कौहाकुंडा निवासी प्रोफेसर सरोज कुमार चंद्रा के घर में हुई थी। यहां घर के पोर्च में खड़ी बच्चे की रेंजर साइकिल चोरी कर ली गई थी। दूसरी वारदात दीनदयालपुरम कॉलोनी फेस-1 में हुई। सूने मकान का ताला तोड़कर चोर अलमारी से 70 हजार रुपए नकद, सोने के टॉप्स और अन्य सामान लेकर फरार हो गए। मकान मालकिन सेवती पटेल अपनी सास के निधन पर बरमकेला गई थीं।

पाल्क जलडमरूमध्य में फंसा भारतीय ट्रॉलर

मछुआरों के लिए नौसेना ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन, कैसे हुआ हादसा?

कोलंबो, 6 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंकाई जलक्षेत्र में 11 भारतीय मछुआरों को लेकर जा रहा एक भारतीय मछली पकड़ने वाला ट्रॉलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद श्रीलंका नौसेना ने बचाव अभियान शुरू कर दिया। गुरुवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, ट्रॉलर कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार कर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में प्रवेश कर गया था और वहां बॉटम ट्रॉलिंग कर रहा था। इसी दौरान वह डेल्फ्ट द्वीप (नेदुन्थीवु) के पास समुद्री चट्टान से टकराकर फंस गया। यह दुर्घटना श्रीलंका के उत्तरी तट से दूर पाल्क जलडमरूमध्य में स्थित डेल्फ्ट द्वीप (नेदुन्थीवु) के निकट समुद्री चट्टानों पर हुई। श्रीलंका नौसेना के मीडिया प्रवक्ता कमांडर चमिंदा वालाकुलुगे ने दावा किया कि भारतीय ट्रॉलर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहा था। बुधवार को हुए इस हादसे के समय ट्रॉलर पर कुल 11 लोग सवार थे।

श्रीलंका नौसेना के बयान के मुताबिक, समुद्री चट्टान से टकराने के कारण ट्रॉलर के ढांचे को आंशिक नुकसान पहुंचा है। हालांकि स्थिति गंभीर नहीं है और ट्रॉलर पर सवार किसी भी मछुआरे की जान को तत्काल कोई खतरा नहीं बताया गया है।

नौसेना ने बताया कि भारतीय मछुआरों की सहायता के लिए तुरंत बचाव दल रवाना किए गए। राहत एवं बचाव अभियान जारी है ताकि सभी मछुआरों को सुरक्षित निकाला जा सके और आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जा सके। श्रीलंका नौसेना ने कहा कि इस घटना के संबंध में आगे की कार्रवाई संबंधित कानूनों और निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार की जा रही है।

भारतीय और श्रीलंकाई मछुआरों का मुद्दा दोनों देशों के संबंधों में लंबे समय से संवेदनशील बना हुआ है।

श्रीलंकाई नौसेना पर कई बार पाल्क जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करने और कथित तौर पर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में उनकी नौकाएं जब्त करने के आरोप लगते रहे हैं।

एनआईटी के छात्र का शव चार दिन बाद बरामद

जमशेदपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) जमशेदपुर के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र मीर तनवीर हसन का शव गुरुवार सुबह सोनारी स्थित दोमुहानी क्षेत्र से बरामद कर लिया गया। वे चार दिन पहले आसंगी चेकडैम में डूब गया था। करीब 20 किलोमीटर दूर उसका शव मिला।

लगातार चले सर्च अभियान के बाद शव मिलने से परिजनों और सहपाठियों का इंतजार समाप्त हुआ, वहीं पूरे संस्थान में शोक का माहौल है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के निवासी मीर तनवीर हसन रविवार को अपने कुछ साथियों के साथ आरआईटी के पास आसंगी स्थित खरकाई नदी के चेकडैम में नहाने गया था। इसी दौरान वो गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव के कारण डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम ने मौके पर पहुंचकर खोज अभियान शुरू किया था। लगातार चार दिनों तक नदी के विभिन्न हिस्सों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

गुरुवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने सोनारी के दोमुहानी क्षेत्र से छात्र का शव बरामद किया। सूचना मिलने पर मीर तनवीर हसन के परिजन और एनआईटी के कई छात्र मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मीर तनवीर हसन एनआईटी जमशेदपुर में बीटेक चौथे वर्ष का छात्र था। उसकी मृत्यु की खबर से कॉलेज परिसर में मातम छा गया है। सहपाठियों और शिक्षकों ने उन्हें एक मेधावी एवं मिलनसार छात्र बताया और श्रद्धांजलि अर्पित की। पिता मीर मोहसिन अली ने नम आंखों से कहा- मेरा इकलौता चिराग बुझ गया है।

बांग्लादेश में क्रिकेटर शाकिब अल-हसन के घर पर हमला

पत्थर-पेट्रोल बम फेंके, शेख हसीना के इवेंट में शामिल होने से कट्टरपंथी नाराज थे

ढाका, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई।

शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं।

हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे।

हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था।

हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। हालांकि इस शाकिब ने इस दौरान भाषण नहीं दिया।

शाकिब जनवरी 2024 में अवामी लीग के टिकट पर सांसद चुने गए थे। लेकिन छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद से वह बांग्लादेश से बाहर हैं। फिलहाल वह अपने परिवार के साथ अमेरिका में रह

परिवार के साथ शाकिब अल हसन

रहे हैं और दुनिया की अलग-अलग फ्रेंचाइजी लीग में क्रिकेट खेल रहे हैं। शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी।

हसीना सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश में अवामी लीग नेताओं और सांसदों के घरों पर कई जगह हमले हुए। इनमें शाकिब का मगुरा वाला घर भी शामिल था। तब भी वे घर पर मौजूद नहीं थे।

शेख हसीना की तरह ही शाकिब पर भी हत्या का केस दर्ज

शाकिब अल हसन के खिलाफ हत्या, गबन, धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग समेत कई मामलों की जांच चल रही है।

विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत, पति गिरफ्तार

हजारीबाग, 6 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र के सलगावां गांव में 27 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतका की पहचान फूल कुमारी (27) के रूप में हुई है। वह बड़कागांव प्रखंड के तलसवार गांव निवासी नारायण साव की पुत्री थीं। वर्ष 2018 में उनकी शादी सलगावां निवासी विकास कुमार साव से हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं।

मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पति विकास कुमार साव नशे का आदी था और अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था। परिजनों का यह भी कहना है कि उसने घर के जेवरात तक बेच दिए थे और लगातार प्रताड़ित करता था। परिजनों ने इसी प्रताड़ना को हत्या का कारण बताया है।

मृतका की मां चैती देवी ने कटकमदाग थाना में लिखित आवेदन दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी का गला दबाकर हत्या की गई है। चैती देवी ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कटकमदाग थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि मृतका की मां के आवेदन के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। मुख्य आरोपी पति विकास कुमार साव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।

पाकिस्तान को चीन ने बर्बाद किया, बंद करो व्यापार

पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने सीपीईसी की खोली पोल

इस्लामाबाद, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान और चीन एक-दूसरे का आयरन ब्रदर होने का दावा करते हैं। वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि चीन लगातार पाकिस्तान का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करता रहता है। पाकिस्तान को आर्थिक रूप से गुलाम बनाने के लिए चीन ने अपनी बदनाम बीआरआई नीति के तहत चाइना पाकिस्तानी आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) को शुरू किया। चीन ने 60 अरब डॉलर का निवेश पाकिस्तान में किया है। इसमें एक बड़ी धनराशि लोन है जो काफी महंगे रेट पर है। पाकिस्तान को इस महंगे लोन को चुकाने के लिए अब अमेरिका से 10 अरब डॉलर का लोन मांगना पड़ रहा है।

आर्थिक विशेषज्ञ मोहम्मद शब्बार जैदी ने पाकिस्तान की बर्बादी के लिए चीन को जिम्मेदार

ठहराया है। पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवन्यू के 26वें चेयरमैन रहे सैयद मोहम्मद शब्बार जैदी ने एक इंटरव्यू में चीन पर जमकर नशिाना साधा और सीपीईसी को बड़ी समस्या बताया। जैदी ने कहा, 'पाकिस्तान अगर चीन से व्यापार को बंद कर दे तो उसकी अर्थव्यवस्था तत्काल सुधर सकती है। जितना नुकसान चीन ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को पहुंचाया है, उतना अमेरिका ने भी नहीं पहुंचाया। मैं पाकिस्तान में पहले दिन से ही सीपीईसी का विरोध कर रहा हूं।

मैंने 25 साल पहले कहा था कि यह बकवास ड्रामा है। इससे कुछ नहीं होने वाला है। इससे एक भी प्लांट नहीं आना है।' जैदी ने कहा, 'ग्वादर में कुछ नहीं हुआ और सीपीईसी को गेमचेंजर बताया गया लेकिन इससे कुछ नहीं हुआ। लोगों को बेवकूफ बनाया गया। चीन के साथ अगर फ्री ट्रेड समझौता अगर आज बंद कर दें तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी। चीन ने सबसे महंगे पावर प्लांट लगाए हैं और इससे पाकिस्तान बर्बाद हो गया और अब उसका कर्ज चुकाना पड़ रहा है।'

बता दें कि पाकिस्तान अमेरिका से 10 अरब डॉलर का लोन मांग रहा है ताकि विदेशी मुद्रा भंडार को बढाया जा सके और चीन के महंगे सीपीईसी कर्ज को लौटाया जा सके।

विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान ने ईरान और अमेरिका में मध्यस्थता कराई थी और अब इसके बदले में वह वॉशिंगटन से 10 अरब डॉलर लोन मांग रहा है। चीन के कर्ज के तले दबे पाकिस्तान ने हाल ही में आईएमएफ से 7 अरब डॉलर कर्ज लिया था ताकि चीन के महंगे कर्ज को सस्ता कर्ज लेकर लौटाया जा सके।

मौत के मुआवजे के लिए शादी कर रही महिलाएं

घायल सैनिकों से मैरिज के मामले बढ़े, अस्पताल और सेना पर भी मिलीभगत के आरोप

मॉस्को, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूस में एक नया घोटाला सामने आया है। कुछ महिलाओं पर आरोप है कि वे युद्ध पर जाने वाले सैनिकों से जल्दबाजी में शादी करती हैं और उनकी मौत के बाद मिलने वाले सरकारी मुआवजे पर कब्जा कर लेती हैं।

रूसी मीडिया और अधिकारी ऐसी महिलाओं को 'ब्लैक विडो' कह रहे हैं। रूस में हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें सैनिकों ने मोर्चे पर जाने से ठीक पहले या अस्पताल में मौत से पहले शादी की। इस पूरे स्कैम में अस्पताल से लेकर सेना तक पर मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं। सबसे चर्चित मामले में एक सैन्य अस्पताल की नर्स पर आरोप लगा कि उसने इलाज करा रहे पांच घायल सैनिकों से अलग-अलग समय पर शादी की। आरोप

था कि सैनिकों की मौत के बाद वह उनका मुआवजा लेना चाहती थी। मामला सामने आने के बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया। सेंट पीटर्सबर्ग की रहने वाली मारिया को सेना ने बताया कि उनके 59 साल पिता यूरी की यूक्रेन युद्ध में गोली लगने से मौत हो गई। लेकिन उन्हें सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब पता चला कि युद्ध पर भेजे जाने से सिर्फ दो दिन पहले उनके पिता ने शादी कर ली थी। मारिया का कहना है कि उन्होंने उस महिला का नाम पहले कभी नहीं सुना था। वह उनके पिता से 22 साल छोटी थी। शादी के बाद वही कानूनी रूप से यूरी की सबसे करीबी रिश्तेदार बन गई और सरकारी मुआवजे की हकदार भी। मारिया का आरोप है कि उनके पिता के साथ धोखा हुआ। उनका यह भी दावा है कि पिता का फ्लैट भी बेच दिया गया और अब उनके पास पिता की याद में सिर्फ उस घर की चाबियां बची हैं, जो अब किसी काम की नहीं हैं। रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपए) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो सकती है।

आरोप है कि कुछ महिलाएं इसी पैसे के लालच में अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को शादी के लिए फंसाती हैं। सैनिक की मौत के बाद पूरा मुआवजा पत्नी को मिल जाता है।

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर

सरकार की पकड़ कमजोर, बलूचिस्तान-खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ी चुनौती

ढाका, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के चार सूबे हैं। इनमें से बलूचिस्तान सूबे में अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने विद्रोह का झंडा बुलंद किया हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा सूबे में अफगान तालिबान का दबदबा है। आए दिन तालिबान के हमलों से यहां पाक फौज के पांव उखड़ रहे हैं। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह बीएलए के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा बीएलए के फंड में जाता है।

बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है। चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं।

ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है।

पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है।

हाईकोर्ट बोला- शादीशुदा बहन भी अनुकंपा नियुक्ति की हकदार

बिलासपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। शादी के बाद बेटी का मायके से रिश्ता खत्म नहीं होता। अविवाहित सरकारी कर्मचारी की मौत के बाद उसकी शादीशुदा बहन भी अनुकंपा नियुक्ति की बराबर हकदार है। महज वैवाहिक स्थिति और लैंगिक पूर्वाग्रह के आधार पर किसी महिला को उसके संवैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने यह टिप्पणी करते हुए राज्य सरकार के 19 सितंबर 2019 के आदेश को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही मृतक की शादीशुदा बहन को अनुकंपा नियुक्ति देने का आदेश दिया है। दरअसल, बिलासपुर नेहरू नगर के रहने वाले दुर्गेश मिश्रा जांजगीर-चांपा में जिला लोक अभियोजन अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। 13 जून 2018 को सेवा में रहते हुए उनका निधन हो गया। मृतक अविवाहित थे। मिश्रा के निधन के बाद उनकी बुजुर्ग मां तारा मिश्रा ने साल राज्य शासन की 2013 की अनुकंपा नीति के तहत अपनी बेटी अमिता दुबे और मृतक की बहन को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग करते हुए आवेदन पेश किया। राज्य सरकार के गृह एवं सामान्य प्रशासन विभाग ने 19 सितंबर 2019 को यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया था कि अनुकंपा नियुक्ति नीति में विवाहित बहन को अनुकंपा नियुक्ति देने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। शासन के इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। पीड़ित परिवार ने याचिका में बताया कि सुप्रीम कोर्ट के कुलसुम निशा विरुद्ध यूपी राज्य और सायरा खातून बनाम बिहार राज्य के मामलों में दिए गए फैसलों के अनुसार, केवल शादी हो जाने से किसी बेटी या बहन का अपने मूल परिवार से नाता खत्म नहीं होता।

अमेरिका के 27 राज्यों में जानलेवा फंगस 'कैंडिडा ऑरिस' के मामले

किसे सबसे ज्यादा खतरा? टेंशन में डॉक्टर

वॉशिंगटन, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में कैंडिडा ऑरिस के बढ़ते मामलों ने मेडिकल एक्सपर्ट की चिंता बढ़ा दी है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने बताया है कि इस साल अब तक अमेरिका के 27 राज्यों में खतरनाक फंगस 'कैंडिडा ऑरिस' का स्ट्रेन पाया गया है। दवाओं के असर ना करने (ड्रग रेजिस्टेंस) और असरदार वैक्सीन या इलाज की कमी ने कैंडिडा ऑरिस को गंभीर चिंता का विषय बना दिया है।

कैंडिडा ऑरिस (कौरिस) एक तरह का यीस्ट है, जो गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। यह उन लोगों में आसानी से फैलता है जो हेल्थकेयर सेंटर्स में गंभीर रूप से बीमार हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने इसे 'क्रिटिकल-प्रायोरिटी फंगल पैथोजन' (बहुत खतरनाक फंगस) माना है। यह कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन सकता है। शरीर की व्हाइट ब्लड सेल्स बाहरी कीटाणुओं को मारने के लिए रिएक्टिव नाइट्रोजन स्पीशीज बनाती हैं लेकिन यह सुपरबग फंगस उनके बनने की प्रक्रिया को रोक देता है। इससे स्किन इन्फेक्शन और जानलेवा इन्फेक्शन (जैसे ब्लडस्ट्रीम इन्फेक्शन) हो सकते हैं।

अमेरिका की नेशनल पब्लिक हेल्थ एजेंसी ने बताया कि 25 जुलाई तक इसके 3,437 मामले आए हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 4,290 था। कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा मामले (873) दर्ज किए गए। इसके बाद टेक्सास (433) और टेनेसी (283) का नंबर आता है। सीडीसी के अनुसार, हर साल कैंडिडा ऑरिस के मामलों की दर बढ़ रही है लेकिन 2022 से बढ़ने की रफ्तार धीमी हुई है। कोरियाई रिसर्चर्स ने सबसे पहले 1996 में इसकी खोज की थी। यह एक फैलने वाली बीमारी है, जो संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से या अप्रत्यक्ष रूप से दूषित सतहों के जरिए फैलती है।

इसके अलावा यह फंगस सतहों और चीजों पर लंबे समय तक बना रह सकता है और मरीजों में फैल सकता है। कैंडिडा ऑरिस से मौत की दर 30% से 60% के बीच मानी जाती है। सीडीसी का कहना है कि यह पता लगाना मुश्किल है कि पहले से मौजूद अन्य बीमारियों की तुलना में उनकी मौत मेंइस फंगस की कितनी भूमिका थी क्योंकि संक्रमण के शिकार ज्यादातर मरीज पहले से ही बीमार थे। ऐसे में इस बीमारी को लेकर अभी कई चीजें साफ होना बाकी है।

सामान्य शिवलिंग से कितना अलग है ज्योतिर्लिंग?

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस पूरे माह में शिवभक्त मंदिरों में जाकर शिवलिंग और देश के 12 ज्योतिर्लिंगों पर जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा अर्पित करते हैं। कांवड़ यात्रा से लाया गया गंगाजल भी शिवलिंग पर चढ़ाने की परंपरा है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस शिवलिंग की वे पूजा कर रहे हैं, वह सामान्य शिवलिंग है या ज्योतिर्लिंग। दोनों भगवान शिव के ही स्वरूप हैं, लेकिन धार्मिक मान्यताओं और आध्यात्मिक दृष्टि से इनमें बड़ा अंतर बताया गया है।

क्या है ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति?

पुराणों के अनुसार, एक बार भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु के बीच यह विवाद हुआ कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। उसी समय भगवान शिव एक अनंत प्रकाश स्तंभ (ज्योति) के रूप में प्रकट हुए। उन्होंने दोनों देवताओं से उस प्रकाश स्तंभ का आदि और अंत खोजने को कहा, लेकिन कोई भी उसकी सीमा तक नहीं पहुंच सका। तब दोनों ने भगवान शिव की महिमा स्वीकार की। मान्यता है कि इसी दिव्य प्रकाश स्तंभ के अंश पृथ्वी पर 12 स्थानों पर प्रकट हुए, जिन्हें आज 12 ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। इन्हें भगवान शिव का स्वयंभू और साक्षात स्वरूप माना जाता है।

सामान्य शिवलिंग कैसे होता है?

सामान्य शिवलिंग अधिकांश मंदिरों और घरों में स्थापित किए जाते हैं। इनका निर्माण पत्थर, धातु, मिट्टी, संगमरमर, स्फटिक या बाकी पदार्थों से किया जाता है। स्थापना के समय वैदिक मंत्रों और प्राण-प्रतिष्ठा के माध्यम से इनमें भगवान शिव का आवाहन किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इन शिवलिंगों की नियमित पूजा, अभिषेक और मंत्र जाप से उनकी दिव्यता बनी रहती है। इसलिए घर या मंदिर में स्थापित शिवलिंग की नित्य पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

ज्योतिर्लिंग क्यों माने जाते हैं विशेष?

मान्यता के अनुसार, सभी 12 ज्योतिर्लिंग मानव निर्मित नहीं हैं। इन्हें भगवान शिव का स्वयं प्रकट (स्वयंभू) स्वरूप माना जाता है। कहा जाता है कि इनमें भगवान शिव की दिव्य चेतना और ब्रह्मांडीय ऊर्जा सदैव विद्यमान रहती है। इसी कारण ज्योतिर्लिंगों को अत्यंत जाग्रत और चमत्कारी माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां दर्शन और जलाभिषेक करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है तथा जीवन की अनेक बाधाएं दूर होती हैं।

शिवलिंग और ज्योतिर्लिंग में क्या है बड़ा अंतर?

शिवलिंग और ज्योतिर्लिंग दोनों भगवान शिव के पूजनीय स्वरूप हैं, लेकिन दोनों की उत्पत्ति और धार्मिक मान्यता अलग-अलग है। सामान्य शिवलिंग का निर्माण मनुष्य द्वारा किया जाता है और उसकी स्थापना प्राण-प्रतिष्ठा के साथ होती है। वहीं ज्योतिर्लिंग स्वयंभू माने जाते हैं और इनमें भगवान शिव की दिव्य उपस्थिति सदैव विद्यमान रहने की मान्यता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, सामान्य शिवलिंग में पूजा-अर्चना के माध्यम से दिव्य ऊर्जा का आवाहन किया जाता है, जबकि ज्योतिर्लिंगों की ऊर्जा को अनादि, अनंत और खुद से जाग्रत माना गया है।

देश के 12 ज्योतिर्लिंग कौन-कौन से हैं?

भारत में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग माने गए हैं, जिन्हें बहुत ही पवित्र और स्वयंभू शिव स्वरूप माना जाता है।

इनमें सोमनाथ (गुजरात), मल्लिकार्जुन (आंध्र प्रदेश), महाकालेश्वर (उज्जैन, मध्य प्रदेश), ओंकारेश्वर (मध्य प्रदेश), केदारनाथ (उत्तराखंड), भीमाशंकर (महाराष्ट्र), काशी विश्वनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश), त्र्यंबकेश्वर (महाराष्ट्र), बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग, (झारखंड), नागेश्वर (गुजरात), रामेश्वरम (तमिलनाडु) और घृष्णेश्वर (महाराष्ट्र) शामिल हैं। धार्मिक मान्यता है कि इन सभी ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं।

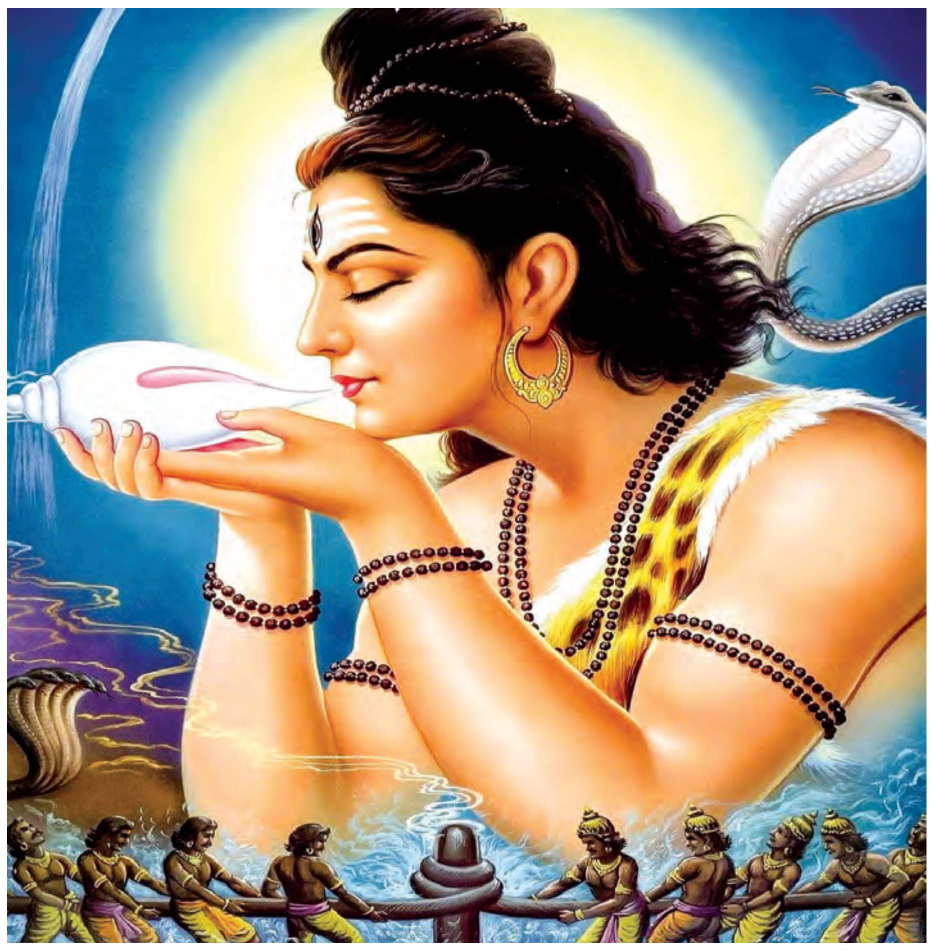

समुद्र मंथन, हलाहल विष और 'नीलकंठ' का रहस्य

सनातन धर्म में श्रावण (सावन) के महीने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं और शिव पुराण की काल-गणना के अनुसार, देवताओं और असुरों के बीच हुआ ऐतिहासिक समुद्र मंथन इसी पवित्र महीने में अपने चरम पर था। आइए जानते हैं इस पावन महीने, समुद्र मंथन की घटना और भगवान शिव के 'नीलकंठ' स्वरूप के बीच का गहरा संबंध।

क्यों सावन में हुआ था हलाहल विष का अवतरण?

शिव पुराण की कथाओं के अनुसार, जब देवताओं और दैत्यों ने अमृत की कामना से क्षीर सागर का मंथन शुरू किया, तो मंदराचल पर्वत को मथानी और नागराज वासुकी को नेती (रस्सी) बनाया गया। इस मंथन के दौरान सबसे पहले अत्यंत भयंकर 'हलाहल' (कालकूट) विष प्रकट हुआ। इस विष की तीव्र ज्वाला और गर्मी से पूरी सृष्टि में हाहाकार मच गया।

यह पूरी घटना सावन मास के दौरान ही घटित हुई थी। जब ब्रह्मांड को बचाने का कोई और उपाय नहीं सूझा, तब भगवान शिव ने लोक-कल्याण के लिए उस भयंकर विष का पान कर लिया। माता पार्वती ने विष के प्रभाव को रोकने के लिए शिव जी के कंठ (गले) को स्पर्श कर उसे वहीं रोक दिया, जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए।

यही कारण है कि विष की तीव्र ऊष्मा (गर्मी) से महादेव के शरीर को शीतलता प्रदान करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन पर निरंतर जल अर्पित किया। इसी ऐतिहासिक घटना के बाद से सावन के महीने में महादेव के जलाभिषेक की अटूट परंपरा की शुरुआत हुई।

समुद्र मंथन का व्यावहारिक और आध्यात्मिक संदेश

धार्मिक विद्वानों और शिव पुराण के आध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार, समुद्र मंथन की यह कथा केवल एक पौराणिक घटना मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन और मन के भीतर चलने वाले द्वंद्व को भी दर्शाती है:

मन का मंथन और विकारों का विषः जब कोई व्यक्ति भक्ति या सत्कर्म के मार्ग पर आगे बढ़ता है, तो उसके भीतर अच्छे और बुरे विचारों (देवता और असुर) का घर्षण होता है। इस वैचारिक मंथन से सबसे पहले इंसान के भीतर का क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या रूपी 'विष' बाहर आता है।

शिव तत्व में ही विष पचाने की क्षमताः सांसारिक मनुष्य के लिए दूसरों की कड़वाहट या जीवन के तनाव रूपी विष को पचाना कठिन होता है। यह क्षमता केवल 'शिव तत्व' (सच्ची भक्ति और असीम धैर्य) में है। इसलिए जीवन के मानसिक तनाव को महादेव को समर्पित कर देना चाहिए।

पंच इंद्रियों पर संयम का प्रतीकः पौराणिक कथाओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान विष के बाद कामधेनु सहित पांच दिव्य गाएं निकली थीं। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से ये पांच गाएं हमारी पांच ज्ञानेंद्रियों (आँख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) का प्रतीक हैं। संसार में रहते हुए यदि मनुष्य अपनी इन पांच इंद्रियों को संयम में रखना सीख जाए, तो उसका जीवन कल्याणकारी बन जाता है।

सावन में शिव भक्ति का वास्तविक सार

धार्मिक और व्यावहारिक दोनों ही दृष्टिकोण से सावन का यह पावन महीना हमें विपरीत परिस्थितियों में भी शांत रहने का संदेश देता है। जिस तरह महादेव ने संसार की रक्षा के लिए विष को अपने कंठ में धारण किया, उसी तरह हमें भी समाज और परिवार में फैली कड़वाहट को भुलाकर प्रेम और सद्भावना का अमृत बांटना चाहिए। यही सावन में शिव आराधना का असली आध्यात्मिक रहस्य है।

छह मंजिलें, सोने से मढ़ा गर्भगृह, दाहिनी ओर मुड़ी हुई सूंड

मुंबई का श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध और समृद्ध गणेश मंदिरों में गिना जाता है। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां भगवान गणेश के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। आम लोगों से लेकर बड़े उद्योगपति, फिल्मी सितारे और राजनेता भी किसी नए काम की शुरुआत से पहले सिद्धिविनायक के दरबार में माथा टेकते हैं। हाल ही में मंदिर दान से जुड़े घोटाले की खबरों के कारण चर्चा में है, लेकिन इसकी पहचान केवल इसी वजह से नहीं है। यह मंदिर अपनी प्राचीन मान्यताओं, अद्भुत वास्तुकला और चमत्कारी गणपति स्वरूप के कारण भी विशेष महत्व रखता है। आइए विस्तार से जानते हैं छह मंजिला इस भव्य मंदिर, इसके सोने से मढ़े गर्भगृह और यहां स्थापित गणेश जी की अनोखी प्रतिमा के धार्मिक महत्व के बारे में।

कैसे हुई सिद्धिविनायक मंदिर की स्थापना?

सिद्धिविनायक मंदिर का निर्माण 19 नवंबर 1801 को किया गया था। इसका निर्माण लक्ष्मण विठू पाटिल ने कराया था, जबकि इस मंदिर के निर्माण के लिए धनराशि एक निःसंतान महिला देऊबाई पाटिल ने दान की थी। उनकी इच्छा थी कि जो भी संतान सुख से वंचित हो, वह यहां आकर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त कर सके। आज भी संतान प्राप्ति की कामना लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं।

छह मंजिलों वाला भव्य मंदिर

समय के साथ मंदिर का कई बार विस्तार किया गया। आज सिद्धिविनायक मंदिर छह मंजिला आधुनिक इमारत के रूप में स्थापित है। मंदिर परिसर में दर्शन व्यवस्था, यज्ञ-हवन, प्रशासनिक कार्यालय, पुस्तकालय और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर का गर्भगृह सोने की परतों से सुसज्जित है, जो इसकी भव्यता को और बढ़ाता है।

दाहिनी ओर मुड़ी सूंड वाले गणपति क्यों हैं खास?

सिद्धिविनायक मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां विराजमान भगवान गणेश की मूर्ति है। लगभग ढाई फीट ऊंची और करीब दो फीट चौड़ी यह प्रतिमा काले पत्थर से निर्मित है। भगवान गणेश की सूंड दाहिनी ओर मुड़ी हुई है, जिसे बहुत ही शुभ और दुर्लभ माना जाता है। भगवान की प्रतिमा में चार भुजाएं हैं। एक हाथ में कमल, दूसरे में अंकुश, तीसरे में जपमाला और चौथे हाथ में मोदक है। दोनों ओर रिद्धि और सिद्धि की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं, जिन्हें सुख, समृद्धि और सफलता का प्रतीक माना जाता है।

दाहिनी और बाईं सूंड वाले गणपति में क्या अंतर है?

बाईं ओर मुड़ी सूंड (वाममुखी गणपति) आमतौर पर सभी घरों में बाईं ओर सूंड वाले गणपति स्थापित किए जाते हैं। इन्हें वाममुखी कहा जाता है। बाईं दिशा में चंद्रमा का प्रभाव माना जाता है, जो शीतलता, शांति और गृहस्थ जीवन में सुख-समृद्धि का प्रतीक है। इनकी पूजा-अर्चना के नियम बहुत कठिन नहीं होते है।

दाई ओर मुड़ी सूंड (दक्षिणमुखी गणपति)

सिद्धिविनायक मंदिर में विराजमान प्रतिमा की सूंड दाईं ओर मुड़ी हुई है, जिन्हें दक्षिणमुख या सिद्धपीठ गणपति कहा जाता है। दाईं दिशा में सूर्य नाड़ी का वास माना जाता है, जो बहुत उग्र,जाग्रत और तेज से परिपूर्ण होती है। ऐसी मूर्तियों की पूजा के नियम बहुत ही कठोर और नियमबद्ध होते हैं। इसी कारण मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में विराजमान दाहिनी सूंड वाले गणपति का स्वरूप बहुत ही दुर्लभ और विशेष माना जाता है

क्यों कहलाते हैं सिद्धिविनायक?

हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत उनसे आशीर्वाद लेकर की जाती है। सिद्धिविनायक मंदिर को विशेष रूप से विघ्नहर्ता गणपति का सिद्ध पीठ माना जाता है। गणेश चतुर्थी, संकष्टी चतुर्थी, अंगारकी चतुर्थी और मंगलवार के दिन यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। धार्मिक मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं, बुद्धि और विवेक की प्राप्ति होती है तथा व्यापार, शिक्षा, नौकरी और पारिवारिक जीवन में सफलता मिलती है।

ये पांच बातें यदि परिवार में उतारें तो निपुणता आ जाएगी

आजकल एक शब्द चल रहा है निपुण परिवार बनाया जाए। पांच बातें यदि हम परिवार में उतारें तो निपुणता आ जाएगी। संस्कार, स्वास्थ्य, समृद्धि, सामर्थ्य और सदस्यों में निरंतर सीखने की भावना।

चूंकि परिवार में हर उम्र के लोग होते हैं तो बड़े यह न समझ लें कि जो हमने सोचा, वही सही और छोटे यह नादानी न कर लें कि अभी तो किए जाओ, फिर देखेंगे। परिवार को निपुण बनाने के लिए एक प्रयोग करिए।

हर सदस्य के भीतर एक इनर-चाइल्ड और एक आउटर-चाइल्ड होता है। बचपन की जो बातें आपको याद हों और खास तौर पर अपने भाई-बहन के साथ जो समय बिताया हो, ऐसी पांच-दस बातें लिखें और आज के हिसाब से उसका मूल्यांकन करें। उन घटनाओं में आपको लगेगा मूर्खता, समझदारी, नादानी-क्या-क्या नहीं हमने किया था।

जितना उस पर चिंतन करेंगे, उतना ही आत्मविश्वास जागेगा। जीवन में समझौता करने पर टूटेंगे नहीं। संघर्ष आने पर बिखरेंगे नहीं। और यदि सदस्य यह प्रयोग करें तो ऐसे सदस्य मिलकर परिवार को निपुण बना लेंगे।

कामिका एकादशी पर इन 5 चीजों का करें दान

अन्न का करें दान

कामिका एकादशी पर अन्न का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन जरूरतमंद लोगों को गेहूं, चावल, दाल, आटा और अन्य खाद्य सामग्री दान की जा सकती है।धार्मिक मान्यता है कि अन्न दान करने से व्यक्ति को पुण्य की प्राप्ति होती है।

पीले वस्त्र का करें दान

भगवान विष्णु को पीला रंग प्रिय माना जाता है। इसलिए कामिका एकादशी के दिन पीले वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है। इस दिन किसी जरूरतमंद व्यक्ति को धोती, साड़ी, कुर्ता या अन्य उपयोगी पीले वस्त्र दान किए जा सकते हैं। मान्यता है कि पीले रंग के वस्त्र का दान करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

केले और अन्य फलों का करें दान

कामिका एकादशी पर फल दान करना भी शुभ माना जाता है। भगवान विष्णु की पूजा में केले का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन केले के साथ अन्य मौसमी फलों का भी दान किया जा सकता है। आप चाहें तो किसी जरूरतमंद व्यक्ति या मंदिर में फल का दान कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, फल दान करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और व्यक्ति को पुण्य की प्राप्ति होती है।

गुड़ और चने का करें दान

कामिका एकादशी के दिन गुड़ और चने का दान करना भी शुभ माना जाता है। गुड़ को भगवान विष्णु की पूजा में अर्पित करने के बाद प्रसाद के रूप में बांटा जा सकता है। जरूरतमंद लोगों को गुड़ और चने का दान करने की भी परंपरा है। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और परिवार पर भगवान विष्णु की कृपा होती है।

पीतल या पूजा सामग्री का दान

कामिका एकादशी पर पीतल के बर्तन या पूजा से जुड़ी सामग्री का दान भी किया जा सकता है। सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद व्यक्ति को पीतल का बर्तन दान करना शुभ माना जाता है।

इसके अलावा भगवान विष्णु की पूजा में इस्तेमाल होने वाली पूजा सामग्री जैसे पीले फूल, दीपक, घी या अन्य आवश्यक वस्तुएं भी मंदिर में अर्पित की जा सकती हैं। मान्यता है कि श्रद्धा से किया गया ऐसा दान भगवान विष्णु को प्रसन्न करता है।

सावन में कहां रहते हैं भोलेनाथ? सास को दिया था खास वचन

श्रावण माह के पहले सोमवार को भगवान शिव की ससुराल दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। भगवान शंकर कैलाश पर्वत से श्रावण माह शुरू होते ही अपने ससुराल कनखल में विराज गए और वे पूरे श्रावण माह में अपने ससुराल कनखल में रहेंगे और अपने सभी भक्तों को आशीर्वाद प्रदान कर उनका कल्याण करेंगे।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सती के ब्रह्मांड में लीन हो जाने के बाद भगवान शिव ने अपनी सास को यह वचन दिया था कि वह श्रावण माह में एक महीने अपने ससुराल कनखल रहेंगे क्योंकि सावन माह में लड़कियां अपने मायके आ जाती हैं। सती के न रहने पर भोले बाबा की सास ने कहा कि अब श्रावण माह में उनकी बेटी की जगह कौन उनके घर पर आएगा। सास के यह वचन सुनकर भगवान भोलेनाथ बोले कि मैं सासू मां को वचन देता हूं कि सावन के महीने में वह अपने ससुराल रहेंगे और इस तरह भगवान शिव तब से अपना वचन निभाने के लिए हर साल सावन माह में अपने ससुराल कनखल आते हैं और अपने भक्तों का कल्याण करते हैं। श्रावण माह में दक्षेश्वर महादेव मंदिर में चारों ओर खुशी का वातावरण रहता है और शिव की शक्ति का एहसास उनके भक्त महसूस करते हैं, जो भगवान शिव को श्रावण माह में कनखल दक्षेश्वर महादेव मंदिर में जाकर गंगा जल चढ़ाता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती हैं।

संतान उत्पत्ति की मनोकामना हुई पूरी

कांधला मुजफ्फरनगर से आए एक परिवार के सदस्यों का कहना है कि उनके घर पर बेटे का जन्म नहीं हो रहा था तो उन्होंने 6 साल पहले कांवड़ मेला के समय यहां पर मन्नत मांगी कि उनके घर में बेटा हो। उनकी भोलेनाथ से सुन ली और उनके घर में बेटा का जन्म हुआ और आज वह श्रावण माह के पहले सोमवार को अपने परिवार के साथ कनखल में दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा को जल चढ़ाने आए हैं। यह परिवार बहुत ही खुश नजर आया।

दक्षेश्वर महादेव मंदिर पर आई थी भोलेनाथ की बारात

दक्षेश्वर महादेव मंदिर वह स्थान है, जहां पर भगवान शिव की बारात आई थी और भगवान शिव ने दक्षेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की और पूरे ब्रह्मांड का यह शिवलिंग स्वयंभू शिवलिंग है। मान्यता है कि राजा दक्ष को भगवान शिव ने पुनर्जीवन दिया था और श्रावण माह में इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 7 अगस्त - 2026

बिना बीमा पेट्रोल नहीं

भारत में सड़क दुर्घटनाएँ आज केवल यातायात व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक संकट बन चुकी हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, बीते वर्ष देश में सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और 1.83 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई। लाखों लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनके उपचार और पुनर्वास का बोझ वर्षों तक उनके परिवारों को उठाना पड़ता है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि बड़ी संख्या में वाहन आज भी बिना वैध बीमा के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाई गई 'बिना बीमा, पेट्रोल नहीं' जैसी व्यवस्था केवल प्रशासनिक सख्ती नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरदर्शी और आवश्यक पहल है। मोटर वाहन बीमा केवल कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में पीड़ितों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। जब किसी वाहन का बीमा नहीं होता, तब दुर्घटना के बाद मुआवजा पाने की प्रक्रिया लंबी कानूनी लड़ाई में बदल जाती है। इसलिए वाहन बीमा को केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व के रूप में भी देखा जाना चाहिए। यदि पेट्रोल पंपों पर ईंधन उपलब्ध कराने को वैध बीमा से जोड़ दिया जाए, तो लाखों वाहन मालिक समय पर बीमा कराने के लिए प्रेरित होंगे। इससे कानून का पालन बढ़ेगा, बीमा कवरेज का दायरा विस्तृत होगा और दुर्घटना पीड़ितों को समय पर राहत तथा मुआवजा मिल सकेगा। ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन वाहन डेटाबेस और डिजिटल बीमा रिकॉर्ड जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से इस व्यवस्था को प्रभावी और पारदर्शी बनाया जा सकता है। इससे मैन्युअल जांच की आवश्यकता कम होगी, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और बिना बीमा वाले वाहनों की पहचान भी आसान हो जाएगी। हालाँकि, इस नीति को लागू करने से पहले कुछ व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान भी आवश्यक है। पुराने वाहन, अधूरे डिजिटल रिकॉर्ड, तकनीकी खामियाँ तथा दूरदराज़ क्षेत्रों में इंटरनेट संबंधी समस्याएँ आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। इसलिए सरकार को पहले पायलट परियोजना के माध्यम से इस व्यवस्था की कमियों को दूर करना चाहिए और उसके बाद चरणबद्ध तरीके से इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए। साथ ही पेट्रोल पंप संचालकों, बीमा कंपनियों और परिवहन विभाग के बीच बेहतर समन्वय भी सुनिश्चित करना होगा। केवल कठोर नियम बना देना पर्याप्त नहीं होगा। व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को समझाना होगा कि वाहन बीमा केवल चालान से बचने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं, अपने परिवार और समाज की सुरक्षा का भरोसा है। इसलिए बीमा कराना एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य भी है। निस्संदेह, 'बिना बीमा, पेट्रोल नहीं' जैसी व्यवस्था प्रारंभ में कठोर अवश्य प्रतीत हो सकती है, लेकिन यदि इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को समय पर न्याय, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है, तो यह पहल पूरी तरह स्वागत योग्य है। संवेदनशील क्रियान्वयन, आधुनिक तकनीक और जनसहभागिता के साथ यह व्यवस्था भारत की सड़क सुरक्षा प्रणाली में ऐतिहासिक परिवर्तन ला सकती है। आखिरकार, किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान केवल चौड़ी सड़कों से नहीं, बल्कि उन सड़कों पर सुरक्षित घर लौटते नागरिकों से होती है।

पनीर का खेल: स्वास्थ्य और भरोसे पर चोट

अशोक भाटिया

भारतीय जनमानस के खान-पान में दूध और उससे बने उत्पादों का स्थान केवल पोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और दैनिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। विशेष रूप से शाकाहारी आबादी के लिए पनीर प्रोटीन और कैल्शियम का सबसे विश्वसनीय और सुलभ स्रोत माना जाता रहा है। त्योहारों का उल्लास हो, घर में मेहमानों का आगमन या फिर किसी रेस्टोरेंट का मेन्यू, पनीर की मौजूदगी अनिवार्य सी होती है। लेकिन पिछले कुछ समय से हमारी थाली में परोसे जा रहे इस पारंपरिक उत्पाद के पीछे 'एनालॉग पनीर' यानी कृत्रिम पनीर का एक ऐसा घालमेल पैठ बना चुका है, जिसने न केवल उपभोक्ताओं के विश्वास को तोड़ा है, बल्कि जनस्वास्थ्य के सामने भी एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस कृत्रिम विकल्प के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगाने के बाद, अब गुजरात सरकार ने भी इस विषय पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। गुजरात, जो देश में श्वेत क्रांति का अगुआ और डेयरी उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र रहा है, वहाँ इस प्रकार के नकली पनीर का बड़े पैमाने पर पकड़ा जाना और उस पर प्रतिबंध का फैसला होना यह साबित करता है कि समस्या कितनी गहरी और व्यापक हो चुकी है। यह कदम केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि यह देश के खाद्य सुरक्षा तंत्र, उपभोक्ता अधिकारों और पारंपरिक डेयरी उद्योग को बचाने के लिए एक आवश्यक शल्य-क्रिया (सर्जरी) की तरह है। आम उपभोक्ता के लिए 'एनालॉग' शब्द तकनीकी लग सकता है, लेकिन इसका सीधा और सरल अर्थ है—एक ऐसा छलावा जो दिखता असली पनीर जैसा है, लेकिन जिसका दूध से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं होता। असली पनीर का निर्माण पूरी तरह से शुद्ध दूध को फाड़कर किया जाता है, जिसमें दूध का गाढ़ा प्रोटीन और वसा शामिल होते हैं। इसके विपरीत, एनालॉग पनीर एक पूर्णतः औद्योगिक और रासायनिक प्रक्रिया का परिणाम है। इसमें दूध के बहुमूल्य फैट को निकालकर उसके स्थान पर सस्ते और रिफाइंड पाम ऑयल या अन्य वनस्पति तेलों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, इसकी बनावट और बनावटी कड़ेपन को असली पनीर जैसा दिखाने के लिए भारी मात्रा में स्टार्च, रासायनिक इमल्सीफायर्स, और कृत्रिम रंगों व सुगंधों का मिश्रण किया जाता है।

व्यवसाय जगत और मुनाफाखोरों के लिए यह उत्पाद किसी वरदान से कम नहीं था। जहाँ असली पनीर को बनाने में भारी मात्रा में शुद्ध दूध की आवश्यकता होती है और उसकी उत्पादन लागत स्वाभाविक रूप से अधिक होती है, वहीं एनालॉग पनीर चंद रसायनों और सस्ते आयातित पाम ऑयल की मदद से बेहद कम लागत में तैयार हो जाता है। बाजार के गणित को समझें, तो असली पनीर की तुलना में यह कृत्रिम पनीर लगभग आधी या उससे भी कम कीमत पर बनकर तैयार हो जाता है। इसी भारी मुनाफे के लालच ने इसे देश भर के होटलों, ढाबों, स्ट्रीट फूड वेंडरों और पिज्जा-बर्गर चेन तक पहुँचा दिया। उपभोक्ता अनजाने में जिसे एक पौष्टिक आहार समझकर खा रहा था, वह वास्तव में रसायनों और सस्ते तेल का एक खतरनाक कोलाज था।

एनालॉग पनीर का सबसे चिंताजनक पहलू इसका मानवीय स्वास्थ्य पर पड़ने वाला दीर्घकालिक और विनाशकारी प्रभाव है। चिकित्सा विज्ञान और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, पाम ऑयल और रिफाइंड वनस्पति तेलों को जब उच्च तापमान पर बार-बार संसाधित किया जाता है, तो वे ट्रांस-फैट और सैचुरेटेड फैट में बदल जाते हैं। यह वसा हमारे शरीर के लिए एक धीमे जहर की तरह काम करती है। इसका नियमित सेवन रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तेजी से बढ़ाता है, जिससे धमनियों में रुकावट पैदा होती है और कम उम्र में ही हृदय रोग व पल्स स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इसके अतिरिक्त, इस कृत्रिम पनीर को लंबे समय तक खराब होने से बचाने और उसकी बनावट को बनाए रखने के लिए जिन रासायनिक प्रिजर्वेटिव्स और इमल्सीफायर्स का उपयोग किया जाता है, वे हमारे पाचन तंत्र, लीवर और किडनी पर सीधा प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। बच्चों और युवाओं में बढ़ती मोटापे की समस्या, फैटी लीवर और चयापचय (मेटाबॉलिज्म) से जुड़ी बीमारियों के पीछे इस तरह के छिपे हुए कृत्रिम खाद्य पदार्थों की एक बड़ी भूमिका है। असली पनीर जहाँ शरीर को आवश्यक अमीनो एसिड, कैल्शियम और विटामिन प्रदान करता है, वहीं यह एनालॉग पनीर शरीर को केवल खाली कैलोरी और हानिकारक वसा देता है। यह स्थिति और भी गंभीर तब हो जाती है जब कुपोषण से लड़ रहे बच्चों या प्रोटीन की कमी से जूझ रहे मरीजों को अनजाने में यह नकली उत्पाद परोस दिया जाता है, जिससे उनके शरीर को आवश्यक पोषण मिलने के बजाय नई बीमारियाँ उपहार में मिल जाती हैं।

खाद्य सुरक्षा के नियमों के अनुसार, किसी भी उत्पाद को बेचते समय उसके पैकेट पर स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए कि वह क्या है। यदि कोई उत्पाद 'एनालॉग' या नॉन-डेयरी है, तो उसे 'पनीर' के नाम से नहीं बेचा जा सकता। उसे 'वेजिटेबल फैट ब्लेंड' या ऐसा ही कोई तकनीकी नाम देना अनिवार्य है। लेकिन भारतीय खाद्य बाजार की जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल जुदा रही है। मुनाफाखोरी के इस पूरे खेल में पारदर्शिता को पूरी तरह से ताक पर रख दिया गया। थोक बाजारों से लेकर खुदरा दुकानों और रेस्टोरेंट के किचन तक, इस उत्पाद को सरेआम 'सस्ता पनीर' या 'स्पेशल पनीर' बताकर खपाया गयायह सीधे तौर पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत दिए गए 'जानने के अधिकार' और 'भ्रामक विज्ञापनों व प्रथाओं के खिलाफ अधिकार' का घोर उल्लंघन है। जब एक ग्राहक किसी रेस्टोरेंट में पनीर की सब्जी या पिज्जा के लिए भारी-भरकम भुगतान करता है, तो वह यह उम्मीद करता है कि उसे शुद्ध और पौष्टिक डेयरी उत्पाद दिया जा रहा है। उसे यह कभी नहीं बताया जाता कि उसकी थाली में जो तैर रहा है, वह दूध से नहीं बल्कि पाम ऑयल और स्टार्च से बनी एक कतरन है। यह आर्थिक धोखाधड़ी तो है ही, साथ ही यह जन-विश्वास के साथ किया गया एक अक्षम्य अपराध भी है।

महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में इस प्रतिबंध का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक आयाम है-हमारी डेयरी अर्थव्यवस्था की सुरक्षा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पशुपालन और डेयरी उद्योग पर टिकी हुई है। करोड़ों छोटे और सीमांत किसान दूध बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। जब बाजार में दूध से बनने वाले असली उत्पादों के स्थान पर रसायनों और आयातित पाम ऑयल से बने सस्ते विकल्प अवैध रूप से हावी होने लगते हैं, तो इसका सीधा असर दूध की मांग और उसकी कीमतों पर पड़ता है।

यदि सिंथेटिक और एनालॉग पनीर इसी तरह बाजार पर कब्जा जमाए रखते, तो डेयरी सहकारी समितियों और निजी डेयरियों के लिए किसानों से सही कीमत पर दूध खरीदना नामुमकिन हो जाता। यह स्थिति अंततः हमारे ग्रामीण अर्थतंत्र को पंगु बना देती।

लोकमान्य तिलक : राष्ट्रीय शिक्षा का अविरत संवाद

स्नेहा सिंह

साल 1884 के अक्टूबर महीने की एक शाम पुणे में शिक्षा को नई दिशा देने की इच्छा रखने वाले कुछ युवा शिक्षाविद एकत्र हुए थे। बाहर से देखने पर यह एक सामान्य बैठक लगती थी, लेकिन उस बंद कमरे में चल रही चर्चा भारत के भविष्य को स्पर्श कर रही थी। प्रश्न अंग्रेजी भाषा या पश्चिमी ज्ञान का विरोध करने का नहीं था। प्रश्न यह था कि क्या ऐसी शिक्षा-व्यवस्था, जो भारत की आवश्यकताओं के बजाय अंग्रेजी औपनिवेशिक शासन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर गढ़ी गई हो, वह भारत का भविष्य गढ़ सकती है? इस प्रश्न का उत्तर खोजने की दिशा में शुरू हुए प्रयासों ने आगे चलकर 'डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी' को जन्म दिया।

इतिहास इसे एक शैक्षणिक संस्था की शुरुआत के रूप में देखता है, लेकिन वास्तव में यह हमारे राष्ट्रीय अर्थात भारतीय शिक्षा के बारे में शुरू हुए एक अविरत संवाद का प्रारंभ था।

इस संवाद के केंद्र में थे लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक। हम सामान्यतः उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के प्रखर नेता के रूप में याद करते हैं, लेकिन वे उतने ही गहरे शिक्षाचिंतक भी थे। उनके लिए शिक्षा का अर्थ केवल कक्षाएं चलाना या पाठ्यक्रम तैयार करना नहीं था। वह मानते थे कि जो शिक्षा व्यक्ति को उसकी भाषा, उसके इतिहास, उसके समाज और उसकी सांस्कृतिक चेतना से नहीं जोड़ती, वह शिक्षा ज्ञान तो दे सकती है, लेकिन राष्ट्र को आत्मविश्वास नहीं दे सकती। इसीलिए उनके लिए राष्ट्रीय शिक्षा का प्रश्न राजनीतिक स्वराज जितना ही महत्वपूर्ण था।

तिलक का विरोध पश्चिम के ज्ञान से नहीं था। उन्होंने आधुनिक विज्ञान, तर्क और बौद्धिक अनुसंधान के मूल्य को स्वीकार किया था। उनका मूलभूत आग्रह केवल इतना था कि ज्ञान भले ही वैश्विक हो सके, लेकिन शिक्षा की जड़ें अपनी संस्कृति में होनी चाहिए। किसी भी राष्ट्र की शिक्षा तब ही अर्थपूर्ण बनती है, जब वह विश्व को देखने की दृष्टि दे और साथ ही अपने अस्तित्व को समझने की क्षमता भी विकसित करे। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक लगता है।डेढ़ सदी बाद विश्व फिर से एक नए युग के द्वार पर खड़ा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और तेजी से बदलती ज्ञान व्यवस्था शिक्षा के स्वरूप को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। केवल जानकारी प्राप्त कर लेना ही पर्याप्त नहीं है, सही जानकारी को पहचानना, उसका विश्लेषण करना और उसे मानवीय मूल्यों से जोड़ना आज सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। ऐसे समय में शिक्षा का मूल प्रश्न फिर से हमारे सामने खड़ा होता है: क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल कुशल मानव संसाधन तैयार करना है या विचारशील, जिम्मेदार और मूल्यनिष्ठ नागरिक गढ़ना है?

यह प्रश्न लोकमान्य तिलक के शिक्षाचिंतन को आज के समय से जीवंत रूप से जोड़ता है। शायद इसीलिए आज 1 अगस्त को, उनकी पुण्यतिथि पर उनका स्मरण करना केवल उनके जीवनकार्य को याद करने के लिए नहीं है, बल्कि उनके द्वारा शुरू किए गए शिक्षा के अविरत संवाद को हमारे समय के संदर्भ में आगे बढ़ाने के लिए है। वास्तव में क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) इस संवाद का स्वाभाविक विकास है, या फिर यह उसके नए अध्याय की केवल शुरुआत है?

इन प्रश्नों का उत्तर शायद सीधे 'हां' या 'ना' में नहीं दिया जा सकता। यहां लोकमान्य तिलक और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बीच ऐतिहासिक जुड़ाव खोजने का प्रयास नहीं है। दोनों अलग-अलग युगों की उपज हैं, जो अलग चुनौतियों से जन्मे हैं। लेकिन उनके बीच का वैचारिक जुड़ाव निसंदेह महसूस होता है। तिलक ने 19वीं सदी के भारत के लिए जो मूलभूत प्रश्न खड़े किए थे, शिक्षा का उद्देश्य क्या है, यह किसके लिए है और यह कैसा समाज गढ़ेगी इत्यादि। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उन्हीं प्रश्नों को 21वीं सदी के भारत के संदर्भ में फिर से समझने और उनका उत्तर खोजने का प्रयास करती है।

तिलक की विशेषता यह थी कि उन्होंने शिक्षा को कक्षा की चार दीवारों में कैद नहीं रहने दिया। डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी द्वारा उन्होंने शिक्षा को संस्थागत आधार दिया, तो सार्वजनिक गणेशोत्सव द्वारा उन्होंने सामाजिक अभिव्यक्ति का माध्यम भी बनाया। गणेशोत्सव उनके लिए केवल धार्मिक उत्सव नहीं था; वह भारतीय समाज को एकजुट करने, सार्वजनिक संवाद जगाने और राष्ट्रीय चेतना को प्रेरणा देने का अवसर था। शायद इसीलिए उनके शिक्षाचिंतन में पूरा समाज एक जीवंत पाठशाला बन जाता है। इसी दृष्टि से देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व केवल इसके सुधारों में नहीं, बल्कि इसकी दिशा में है। भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा, सर्वांगीण विकास, बहुविषयक शिक्षा, अनुसंधान, कौशल, तकनीक और मूल्यनिष्ठ जीवनदृष्टि पर दिया गया बल यह संकेत देता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार क्षमता बढ़ाना ही नहीं, विचारशील, सृजनात्मक और जिम्मेदार नागरिक गढ़ना भी है। इस अर्थ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और तिलक के विचारों के बीच का संबंध शब्दों का नहीं, बल्कि दर्शन का है।

बेशक, नीतियां स्वयं परिवर्तन नहीं लातीं। वे केवल दिशा का संकेत देती हैं। सच्चा परिवर्तन तब जन्म लेता है, जब शिक्षक नीति की आत्मा को कक्षा में पोषित करके जीवन देते हैं, विद्यार्थी उसे अनुभव में बदलते हैं और समाज उसे अपने वर्तमान में उतारता है। शिक्षा का इतिहास साक्षी है कि महान दस्तावेजों से ज्यादा महान शिक्षक समाज पर अधिक लंबा प्रभाव छोड़ते हैं। यह चर्चा आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में और अधिक अर्थपूर्ण बन जाती है। जानकारी अब आसानी से उपलब्ध है, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता में विवेक और नैतिकता जैसे सनातन मूल्यों को डाउनलोड नहीं किया जा सकता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता असंख्य उत्तर दे सकती है, लेकिन सही प्रश्न पूछने की क्षमता, सत्य को पहचानने की दृष्टि और ज्ञान का जिम्मेदार उपयोग करने की समझ आज भी शिक्षा को ही विकसित करनी है। भविष्य की शिक्षा शायद इसीलिए जानकारी के संग्रह से ज्यादा विवेक के विकास पर आधारित होने वाली है।

तिलक की विशेषता यह थी कि उन्होंने शिक्षा को कक्षा की चार दीवारों में कैद नहीं रहने दिया। उपनिषद प्रश्नों से शुरुआत करते हैं, भगवद्गीता संवाद द्वारा समाधान तक पहुंचती है और भारत की प्राचीन विश्वविद्यालयों की परंपरा ज्ञान को मुक्त विचार-विमर्श से जोड़ती है। यह परंपरा हमें सिखाती है कि शिक्षा का हेतु केवल बुद्धि को प्रखर बनाना नहीं है, मनुष्य को परिपक्व बनाना भी है। इसीलिए भारतीय ज्ञान-परंपरा का समावेश मात्र भूतकाल का गौरवगान करने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य को अधिक मानवीय बनाने का प्रयास है। आज भारत मजबूत नेतृत्व के हाथों में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

विकास की नींव या भ्रष्टाचार की बुनियाद?

अजय कुमार

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई 2026 को हुआ था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फीता काटा था और उस वक्त इस 63 किलोमीटर लंबे छह लेन के एलिवेटेड कॉरिडोर की तुलना जर्मनी की सड़कों से की गई थी। 4,200 करोड़ रुपये की इस परियोजना का सपना बड़ा था, लेकिन हकीकत उससे कहीं ज्यादा शर्मनाक निकली। उद्घाटन के महज तेरह दिन बाद उन्नाव जिले के कोरारी के पास सड़क का एक बड़ा हिस्सा कई मीटर तक धंस गया। एनएचएआई ने इसे 'स्लिपेज की समस्या' और नियमित रखरखाव का हिस्सा बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की, मगर चार दिन बाद ही यही सड़क दोबारा धंस गई। जुलाई खत्म होते-होते यह सिलसिला कम से कम पांच बार दोहराया जा चुका था। जिस सड़क को देश के सबसे महंगे टोल वाले एक्सप्रेसवे के रूप में पेश किया गया, वह हल्की बारिश भी नहीं झेल पाई। सवाल यह नहीं कि बारिश कितनी हुई, सवाल यह है कि जो सड़क सामान्य मानसून के पहले ही झटके में उखड़ जाए, उसकी नींव में आखिर डाला क्या गया था। यह अकेला उदाहरण नहीं है। इसी साल मई के आखिरी हफ्ते में उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में एक निर्माणाधीन पुल का हिस्सा तेज तूफान के दौरान ढह गया था, जिसमें कम से कम छह मजदूरों की जान चली गई थी। जुलाई के मध्य में देहरादून-पांवटा साहिब मार्ग पर टौंस नदी पर बना सोलह करोड़ रुपये का पुल, जिस पर वाहनों की आवाजाही शुरू हुए मुश्किल से एक दिन बीता था, पहली बड़ी बारिश में ही जगह-जगह धंस गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि यह पुल पहले भी एक बार बह चुकी अस्थायी पुलिया की जगह जल्दबाजी में बनाया गया था। जून के आखिर में असम में एक पुल पूरी तरह बह गया, और गांव वालों ने बताया कि उन्होंने निर्माण के समय लोहे के बजाय पक्के कंक्रीट के पुल की मांग की थी, जिसे अनसुना कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि नदी पार स्कूल जाने वाले बच्चों और खेतों तक पहुंचने वाले किसानों का रास्ता ही बंद हो गया।

यह पैटर्न किसी एक राज्य या किसी एक ठेकेदार तक सीमित नहीं है, यह पूरे देश के निर्माण तंत्र की बीमारी बन चुका है। संसद में हाल ही में केंद्र सरकार ने खुद स्वीकार किया कि इस समय देश भर में 1,191 नेशनल हाईवे परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनमें से 629 यानी करीब आधी परियोजनाएं तय समय-सीमा के भीतर पूरी नहीं हो सकीं। इतना ही नहीं, वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच घटिया गुणवत्ता के काम को लेकर 103 ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। यह आंकड़ा खुद बताता है कि निर्माण में गड़बड़ी कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी है। इसी दौर में हुए दुर्घटना विश्लेषण के आधार पर देश भर में 6,358 ऐसे सड़क हिस्सों को 'ब्लैक कॉरिडोर' के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां बार-बार हादसे होते हैं। यानी जिन सड़कों को सुरक्षित और टिकाऊ बताकर जनता के पैसे से बनाया गया, उनमें से हजारों हिस्से खुद खतरे की निशानी बन चुके हैं। सवाल यह भी उठता है कि जब गुणवत्ता की जांच और ठेकेदारों पर कार्रवाई का तंत्र मौजूद है, तो फिर हर मानसून में यही कहानी क्यों दोहराई जाती है। जवाब निर्माण से जुड़े हर व्यक्ति को पता है, मगर खुलकर कोई नहीं बोलता। जहां भी सरकारी निर्माण होता है, वहां कमीशनखोरी एक अघोषित लेकिन तयशुदा नियम बन चुकी है। ठेका मिलने से पहले ही तय हो जाता है कि किस स्तर पर कितना प्रतिशत 'व्यवस्था' में जाएगा, और जब असली निर्माण सामग्री और मजदूरी में से इतना हिस्सा पहले ही निकाल लिया जाता है, तो बाकी बचे बजट में मजबूत सड़क या पुल बनना लगभग असंभव हो जाता है। यही वजह है कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे जैसी परियोजना, जिसे देश के सबसे आधुनिक कॉरिडोर के रूप में प्रचारित किया गया, दो हफ्ते में मरम्मत का मोहताज बन गई। निलंबन और ब्लैकलिस्टिंग जैसी कार्रवाइयां देखने में सख्त लगती हैं, लेकिन असर में बेहद कमजोर साबित होती हैं। जांच पूरी होने तक तीन इंजीनियरों को काम से हटाना एक रस्म भर है, क्योंकि आगे चलकर वही अधिकारी किसी और परियोजना में लौट आते हैं। घटिया निर्माण के दोषी ठेकेदार भी काली सूची में डाले जाने के बाद नाम और कंपनी का ढांचा बदलकर नए सिरे से टेंडर भरने लगते हैं। यह खेल इतना पुराना और इतना संगठित हो चुका है कि अब इसे रोकने वाला कोई डर बाकी नहीं बचा। दिलचस्प यह भी है कि अंग्रेजों के जमाने में बने पुल, रेलवे पुल और सड़कें आज भी सौ-सौ साल बाद मजबूती से खड़ी हैं, जबकि आजादी के बाद और खासकर हाल के वर्षों में बनी कई परियोजनाएं उद्घाटन के हफ्तों के भीतर बिखरने लगती हैं। यह फर्क तकनीक की कमी से नहीं, नीयत की कमी से पैदा होता है। देश ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है, और इस सपने की नींव सड़कों, पुलों, रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढांचे पर ही टिकी है। लेकिन जब हर मानसून में करोड़ों की परियोजनाएं धंसती, बहती और ढहती नजर आती हैं, तो यह सवाल लाजमी हो जाता है कि क्या रफ्तार और गुणवत्ता एक साथ चल भी पा रहे हैं या नहीं।

रवींद्रनाथ टैगोर: विचारों का वह वृक्ष जिसकी छाया आज भी शीतल है

कृति जैन

सभ्यताएँ अपनी सबसे बड़ी पूँजी स्मारकों में नहीं, उन विचारों में बचाकर रखती हैं जो पीढ़ियों का हाथ थामे रहते हैं। 7 अगस्त 1941 को रवींद्रनाथ टैगोर का शरीर कोलकाता के जोड़ासाँको में शांत हुआ, पर उनका सृजन और चिंतन पहले से अधिक जीवित हो उठा। उनका प्रस्थान किसी अध्याय का अंत नहीं, नई दिशाओं में खुलते एक विराट संवाद की शुरुआत था। आज भी किसी वृक्ष तले बैठा बालक जब कल्पना का पहला शब्द गढ़ता है, या शहरी कोलाहल में कोई मन पक्षियों का स्वर सुन लेता है, तब टैगोर हमारे बीच उपस्थित हो उठते हैं। उनकी पुण्यतिथि स्मरण का अनुष्ठान नहीं, आत्ममंथन का क्षण है-क्या हमने अब भी अपने भीतर संवेदना, सौंदर्य और प्रकाश की वह ज्योति बचा रखी है, जिसे उन्होंने अपने जीवन और साहित्य से प्रज्ज्वलित किया था।विचार तभी साँस लेते हैं, जब वे परंपरा का सम्मान करते हुए उसकी सीमाओं से आगे बढ़ने का साहस रखें। जोड़ासाँको ने रवींद्रनाथ टैगोर को संस्कार, कला, संगीत और उदार विचारों का वातावरण दिया, पर किसी मान्यता को अंतिम सत्य मानना नहीं सिखाया। विद्यालय की बंधी व्यवस्था उन्हें रास नहीं आई, इसलिए उन्होंने ज्ञान को पुस्तकों से निकालकर प्रकृति में खोजा। वृक्ष, ऋतुएँ और आकाश उनके शिक्षक थे। यही सोच शांतिनिकेतन बनी, जहाँ शिक्षा का उद्देश्य सूचना जुटाना नहीं, भीतर के मनुष्य को जगाना था। वहाँ परीक्षा से ज्यादा जीवन का अनुभव महत्त्व रखता था। इसलिए शांतिनिकेतन केवल शिक्षण संस्थान नहीं, ऐसी दृष्टि बना, जिसमें ज्ञान और संवेदना एक-दूसरे के पूरक बने।भाषा की सबसे बड़ी सफलता सीमाएँ लाँघकर मनुष्य से मनुष्य को जोड़ना है। गीतांजलि का नोबेल सम्मान रवींद्रनाथ टैगोर का निजी गौरव नहीं, एशिया की सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति था। उनकी कविता का ईश्वर मंदिरों में नहीं, मनुष्य के निर्मल अंतर्मन में बसता है। इसलिए उनकी रचनाएँ भय नहीं, आत्मविश्वास और भीतरी स्वतंत्रता जगाती हैं। गोरा, घरे-बाइरे और काबुलीवाला उपदेश नहीं देते; वे समाज के अंतर्विरोध खोलकर पाठक को स्वयं से प्रश्न करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके लिए साहित्य मनोरंजन नहीं, आत्मपहचान का माध्यम था, जहाँ मनुष्य स्वयं से साक्षात्कार करता है।

राष्ट्र का सबसे ऊँचा स्वर वह है, जिसमें विवेक, करुणा और आत्मसम्मान साथ बोलते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर का देशप्रेम इसी आधार पर खड़ा था। जलियाँवाला बाग़ के बाद नाइटहुड लौटाना उनके लिए राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, आत्मसम्मान का निर्णय था। उन्होंने राष्ट्रवाद को कभी आक्रोश की भाषा नहीं बनने दिया। एकला चलो रे भीड़ से अलग होने का नहीं, सत्य के लिए अकेले डटे रहने का संदेश है। उनका विश्वास था कि बाहरी स्वतंत्रता, अंतःकरण की स्वतंत्रता के बिना अधूरी है। इसलिए हिंसा उन्हें किसी आदर्श का स्थायी मार्ग नहीं लगी। आज, जब राष्ट्रप्रेम कई बार शोर और कटुता में सिमट जाता है, टैगोर याद दिलाते हैं कि प्रेम से रिक्त देशभक्ति अंततः अपना अर्थ खो देती है। कुछ भाव शब्दों में नहीं समाते, वे स्वर बनकर ही अपना पूरा अर्थ पाते हैं। रवींद्रनाथ का संगीत उसी अनुभूति का विस्तार है। रवींद्र संगीत में प्रकृति पृष्ठभूमि नहीं, मनुष्य के भावों की सहभागी है। हवा, नदी, वर्षा, संध्या और बदलती ऋतुएँ प्रेम, विरह और आशा के साथ एकाकार हो उठती हैं। जन गण मन और आमार सोनार बांग्ला सिद्ध करते हैं कि सच्ची कला सीमाओं और राजनीति से कहीं बड़ी होती है।

स्कूल की दीवार का काला फ्रेम

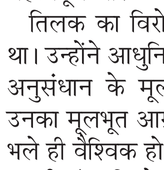

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

कसबा शिवपुरी के प्राथमिक विद्यालय की तीसरी मंजिल के गलियारे में टँगा वह लकड़ी का काला फ्रेम पूरे गाँव के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ था। चमचमाते काँच के पीछे सफेद पन्ने पर सुनहरे अक्षरों में एक नाम उकेरा गया था जिसके नीचे हर महीने की पहली तारीख को बड़े साहब आकर लाल फूल की ताज़ा माला चढ़ा जाते थे। स्कूल में नए आए मास्टर जी जब भी उस फ्रेम के पास से गुजरते तो उन्हें एक अजीब सा सुकून और गर्व महसूस होता था कि इस दूर-दराज के छोटे से स्कूल ने देश को इतना बड़ा नाम दिया है। मास्टर जी अक्सर बरामदे में बच्चों को इकट्ठा करके उस काले फ्रेम की तरफ उँगली उठाकर कहते बच्चों देखो और सीखो कि गरीबी और अभाव में भी जब कोई बच्चा हिम्मत नहीं हारता तो इतिहास के पन्नों पर अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखवा लेता है। बच्चे अपनी बालसुलभ आँखों से उस सुनहरे नाम को ताकते और तालियाँ बजाने लगते थे। स्कूल के पुराने चपरासी भवानी काका उस दीवार के पास एक पुरानी चटाई बिछाकर दिन भर बैठे रहते थे। भवानी काका का काम सिर्फ उस काँच को अपने गमछे से पोंछकर शीशे की तरह चमकाए रखना था। जब भी कोई आगंतुक उस फ्रेम के बारे में पूछता तो भवानी काका अपनी सूखी आँखों से उस चमचमाती पट्टी को देखते और एक लंबी साँस भरकर खामोश हो जाते थे। महीने का पहला दिन स्कूल के लिए किसी उत्सव की तरह होता था जब जिले के शिक्षा अधिकारी अपनी चमचमाती लाल बत्ती वाली गाड़ी से उतरकर सीधे उस काले फ्रेम के सामने खड़े हो जाते थे। गाँव के सरपंच और मास्टर जी साहब की खातिरदारी में कोई कसर नहीं छोड़ते थे और चाय का दौर शुरू हो जाता था। अधिकारी साहब हर बार अपने भाषण में उस सुनहरे नाम का जिक्र करते हुए कहते यह काला फ्रेम हमारे पूरे जिले के लिए एक मिसला है जिसने एक मामूली मजदूर के घर जन्म लेकर पूरी दुनिया में इस देश का डंका बजा दिया। सरपंच जी तुरंत अपनी बात जोड़ते हुए कहते साहब यह हमारे शिवपुरी की माटी का प्रताप है कि यहाँ का हर बच्चा उस महान आत्मा को अपना आदर्श मानकर पढ़ाई में जी-जान लगा देता है। मास्टर जी भी सिर हिलाकर सहमत होते और कहते जी साहब बिल्कुल सही कहा आपने, जब बच्चे उस दीवार के पास से गुजरते हैं तो उनके अंदर एक अलग ही ऊर्जा भर जाती है। लेकिन इस पूरे तमाशे के बीच भवानी काका चुपचाप एक कोने में खड़े होकर चाय की खाली प्यालियाँ समेटते रहते थे और उनकी नजरें बार-बार उस काले फ्रेम के पीछे जमी धूल पर जाकर अटक जाती थीं जिसे किसी ने सालों से पोंछने की जहमत नहीं उठाई थी।

एक दिन दोपहर की कड़कती धूप में जब पूरा स्कूल शांत था और बच्चे अपनी-अपनी कक्षाओं में पढ़ रहे थे तब मास्टर जी ने भवानी काका को उस दीवार को साफ करते हुए देखा। मास्टर जी के मन में काफी दिनों से एक सवाल उमड़ रहा था इसलिए वे धीरे से काका के पास पहुँचे और आत्मीयता से उनके कंधे पर हाथ रखकर बोले काका आप इस काले फ्रेम की सेवा इतने जतन से करते हैं जैसे इसमें कोई साक्षात ईश्वर वास करता हो, आखिर इस महान नाम से आपका क्या नाता है जो आप दिन-रात इसकी हिफाजत में लगे रहते हैं? भवानी काका ने अपने झाड़ू को दीवार से टिकाया और अपनी झुर्रियों से भरे चेहरे को मास्टर जी की तरफ घुमाया।

'जो करण अर्जुन में हुआ, वो अब बिग बॉस 20 में होगा' तथास्तु के साथ सलमान खान का नया ट्विस्ट

टेलीविजन के सबसे लोकप्रिय और चर्चित रिएलिटी शो 'बिग बॉस' के 20वें सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। निर्माताओं ने इस लैंडमार्क सीजन का पहला धमाकेदार टीजर जारी कर दिया है। इस प्रोमो के जरिए न सिर्फ सलमान खान की बतौर होस्ट वापसी की पुष्टि हुई है, बल्कि एक ऐसे रहस्य का संकेत भी दिया गया है जो इस पूरे सीजन की दिशा तय कर सकता है। इतना ही नहीं इस सीजन की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

'करण अर्जुन' का आइकॉनिक डायलॉग और टीजर का रहस्य

जारी किए गए टीजर में सलमान खान बेहद दमदार अंदाज में एक घोड़े के साथ एंट्री लेते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद वे अपनी 1995 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'करण अर्जुन' के एक प्रसिद्ध डायलॉग को नए अंदाज में दोहराते हैं। टीजर में सलमान को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'जो करण अर्जुन में हुआ था, वो होगा अब बिग बॉस में... तथास्तु!' इस डायलॉग के साथ ही एक विजुअल क्यू भी दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। हालांकि निर्माताओं ने इस शुरुआती प्रोमो में प्रतिभागियों के नामों या खेल के मुख्य नियमों का खुलासा नहीं किया है। टीजर को इस तरह से तैयार किया गया है कि फैंस खुद ही इसमें छिपे संकेतों और क्लूज को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान खान का खुलासा

आगामी सीजन के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने साझा किया कि हालांकि बिग बॉस का हर नया सीजन अपने साथ नए समीकरण और अनपेक्षित मोड़ लेकर आता है, लेकिन सीजन 20 का अनुभव अब तक का सबसे अलग होने वाला है। सलमान ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'बिग बॉस का हर सीजन एक नया खेल, नई गतिशीलता और हैरान कर देने वाले ट्विस्ट लेकर आता है। लेकिन इस बार का 20वां सीजन एक ऐसे रहस्य के इर्द-गिर्द बुना गया है, जो इसे पहले प्रसारित हुए सभी सीजनों से पूरी तरह से अलग और अनूठा बनाएगा।'

सामने आई रिलीज डेट

टीजर के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर फैंस के बीच अटकलों का दौर शुरू हो गया है। लोग यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हैं कि फिल्म करण अर्जुन के संदर्भ और इस रहस्य का असल में खेल से क्या संबंध होने वाला है। इस सीजन की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। 6 सितंबर से ये बिग बॉस का नया सीजन वापसी कर रहा है। हाल ही में सलमान खान अपने भाई सोहेल खान को सपोर्ट करने के लिए अलाएंस में पहुंचे थे।

सुष्मिता मुखर्जी के ऊपर था 1 करोड़ का लोन चुकाने के लिए करनी पड़ी सी ग्रेड फिल्में

एक्ट्रेस सुष्मिता मुखर्जी ने टीवी से लेकर फिल्मों तक में काम किया. आज वो किसी पहचान की मोहताज नहीं. लेकिन एक वक्त ऐसा था जब उन्हें सी ग्रेड फिल्मों में भी काम करना पड़ा. उनके ऊपर 1 करोड़ का लोन था. दरअसल, उनकी प्रोडक्शन कंपनी दिवालिया हो गई थी. इसके बाद उन्होंने सी ग्रेड फिल्मों में काम किया था. हालांकि, ये उन्होंने खुशी से नहीं किया था. अब एक्ट्रेस ने इसके बारे में बात की है.

'मैंने अपनी आत्मा बेच दी'

सुष्मिता ने कहा, 'मुझसे किसी ने कहा 'मैम, आपने बुरी फिल्मों में काम क्यों किया?' अपनी जिंदगी के उस दौर को याद करना और ये सोचना कि मैंने महिलाओं का अपमान करने वाली, सेक्सिस्ट और C-ग्रेड फिल्मों में काम क्यों किया? ये बहुत परेशान करने वाला है. लेकिन मैंने अच्छी फिल्मों में भी काम किया है. मैंने पोर्नोग्राफी में काम नहीं किया. भगवान, बस कुछ फिल्में खराब थीं. मैंने गलत फिल्में च्वॉइस की. क्या मैंने अपनी आत्मा बेच दी? हां, बेशक मैंने अपनी आत्मा बेच दी. क्या मुझे वो फिल्में करके अच्छा लगा? तब भी अच्छा नहीं लगा था. अभी भी अच्छा नहीं लगता. लेकिन ये मेरी मजबूरी थी.'

बता दें कि एक्ट्रेस शाहरुख खान की फिल्म किंग अंकल, अजय देवगन की गोलमाल, संजय दत्त की खलनायक, प्रियंका चोपड़ा की दोस्ताना में भी काम किया है.

सुष्मिता पर हुआ 1 करोड़ का लोन

सुष्मिता ने आगे कहा, 'मैं अपनी परिस्थितियों के बारे में आपको बताऊं तो 2002 में मेरे पति और मेरी मीडिया कंपनी Prayas प्रोडक्शन दिवालिया हो गई थी. 1 करोड़ का लोन हो गया था. हमारे साथ ट्रैक सिनेमा और अनिल चौधरी प्रोडक्शन भी दिवालिया हो गया था. उस वक्त नई टेक्नोलॉजी आई थी और हमें उसके बारे में पता नहीं था. तो हम दिवालिया हो गए. तो देनदार हमारे घर पर आते थे. जिनसे पैसे हमने लिए थे वो घर पर आते थे पैसे लेने. वो हमें गाली देते थे. वो हमारा बुरा समय था. मेरे बच्चे छोटे थे. तो मुझे फिर से काम करना पड़ा. जो भी पैसा आता था वो हम लोन चुकाने के लिए दे देते थे. मैंने और मेरे पति ने लोन चुकाने के लिए बहुत मेहनत की और 3-4 साल में लोन चुका दिया. तो इसीलिए मुझे वो काम भी करना पड़ा.'

सुष्मिता ने आगे कहा, 'फिर मेरे अंदर की बंगाली मां जाग गई. मेरी बेटी पढ़ाई में अच्छी थी तो मैं उसे विदेश में पढ़ाना चाहती थी. मेरे पति राष्ट्रवादी थे. उन्होंने कहा था कि क्या इंडिया में अच्छे स्कूल और कॉलेज नहीं हैं? लेकिन मैं चाहती थी तो मैंने उसे विदेश भेजा. तो उसकी पढ़ाई पर बहुत खर्चा हुआ. वो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पढ़ने गई थी. तो इसीलिए मुझे पैसे कमाने थे. इसीलिए मुझे वो फिल्में करनी पड़ी.'

इन फिल्मों में सुष्मिता ने किया काम

सुष्मिता ने कहा कि मैं अब वो काम नहीं करती जो मेरी आत्मा को न छुए. वो अब अच्छा कमाती हैं और अपने काम से खुश हैं. उन्हें अच्छे प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं. सुष्मिता की बात करें तो उन्होंने 1987 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था. वो फिल्म ये 'वो मंजिल तो नहीं' में दिखीं. इसके अलावा उन्होंने 'मैं जिंदा हूं', 'घर जमाई', 'रुदाली', 'गीतांजलि', 'किंग अंकल', 'सर', 'परमात्मा', 'गोलमाल', 'विनाश', 'आजा नचले', 'खोया खोया चांद', 'गुड बॉय बैड बॉय', 'दोस्ताना', 'सोल्ड', 'क्या कूल हैं हम', 'मस्तीजादे','रक्त चरित्र', 'बत्ती गुल मीटर चालू', 'जरा हटके जरा बचके' और 'पटना शुक्ला' जैसी फिल्मों में दिखी.

टीवी शोज में भी किया काम

उन्होंने कई टीवी शोज में भी काम किया. वो कहीं 'किसी रोज', 'तलाश', 'तारा', 'काव्यांजलि', 'कभी सास कभी बहू', 'हाउसवाइफ है सब जानती है', 'मधुबाला-एक इश्क एक जुनून', 'बालिका वधु', 'इश्कबाज', 'मेरी सास भूत है', 'डब्बा कार्टेल', 'खिचड़ी रिटर्न्स', 'टीवी, बीवी और मैं' जैसे कई शोज में दिखीं. सुष्मिता का जन्म 11 नवंबर 1964 में हुआ था. उन्होंने सुधीर मिश्रा से शादी की थी. अब सुष्मिता और सुधीर का तलाक हो गया है. ये शादी साल 2000 तक चली. इसके बाद उन्होंने राजा बुंदेला संग शादी कर ली. सुष्मिता के दो बच्चे हैं.

पवन सिंह से तलाक के बीच बोलीं ज्योति सिंह, 'मैं औरत हूं, मेरा मन कहता है बच्चा हो'

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह की शादीशुदा लाइफ में मची उथल-पुथल को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाग लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। दोनों के बीच तलाक का मामला फिलहाल कोर्ट में चल रहा है। हालांकि, ज्योति ने हमेशा कहा है कि वे इस रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रही हैं, वहीं पवन सिंह अलग होकर नई शुरुआत करना चाहते हैं। इसी बीच ज्योति सिंह ने पहली बार मां बनने की अपनी इच्छा खुलकर जाहिर की है।

इन दिनों पवन सिंह रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में नजर आ रहे हैं। यह शो 2 अगस्त से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसमें भोजपुरी सितारों की प्रफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़े कई दिलचस्प किस्से दिखाए जा रहे हैं।

हाल ही में ज्योति सिंह एक IVF सेंटर पहुंचीं। वहां उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'मैं भी एक महिला हूं और मेरा भी मन होता है कि मेरा एक बच्चा हो। मैं भी मां बनूं।' उन्होंने आगे मुस्कुराते हुए कहा कि अगर भविष्य में कभी ऐसा फैसला लेती हैं तो इसी सेंटर में आएंगी।

जब ज्योति से पूछा गया कि क्या वह IVF के जरिए मां बनने के बारे में सोच रही हैं, तो उन्होंने बिना हिचक जवाब दिया,

'बिल्कुल, क्यों नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर मैं लोगों को जागरूक कर रही हूं तो भविष्य में मुझे ऐसा लगा तो मैं जरूर IVF से मां बनूंगी।' उनकी बातों से साफ महसूस होता है कि वह मां बनने की इच्छा रखती हैं, लेकिन फिलहाल परिस्थितियां उनके पक्ष में नहीं हैं।

पवन सिंह पर लगाए थे गंभीर आरोप

पवन सिंह ने अपनी पहली पत्नी के निधन के बाद साल 2018 में ज्योति सिंह से दूसरी शादी की थी। हालांकि कुछ समय बाद ही दोनों के रिश्ते में तनाव बढ़ने लगा। ज्योति ने पवन सिंह पर घरेलू हिंसा के आरोप लगाए थे। उन्होंने यह भी दावा किया था कि पवन सिंह ने उनकी इच्छा के खिलाफ उनका अबॉर्शन कराया। हालांकि एक्टर ने इन सभी आरोपों को हमेशा गलत बताया है।

तलाक का मामला कहां तक पहुंचा?

ज्योति सिंह, पवन सिंह की दूसरी पत्नी हैं। अप्रैल 2022 में उन्होंने तलाक की अर्जी दाखिल की थी। इसके बाद पवन सिंह ने भी आरा फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की। 25 मार्च को कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुलह की कोशिश के लिए बुलाया था। उस दिन पवन सिंह कोर्ट पहुंचे, लेकिन ज्योति सिंह पेश नहीं हुईं।

'न्यायालय जो भी फैसला देगा, मुझे मंजूर होगा'

कोर्ट में पवन सिंह ने जज से कहा, 'न्यायालय जो भी फैसला देगा, मुझे मंजूर होगा।' उन्होंने यह भी कहा कि वह वन-टाइम सेटलमेंट के लिए तैयार हैं, ताकि यह विवाद जल्द खत्म हो सके। उन्होंने कोर्ट में कहा, 'ज्योति सिंह की वजह से मेरा करियर भी प्रभावित हो रहा है, मैं अपना काम भी नहीं कर पा रहा हूं। इसी वजह से मैं अब इस रिश्ते से बाहर निकलकर नई जिंदगी शुरू करना चाहता हूं। मैं ज्योति सिंह से तलाक चाहता हूं।'

'मुझे लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है'

इसके बाद उन्होंने कहा, 'शादी के बाद से ही मुझे लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। ज्योति ने न सिर्फ मुझे परेशान किया, बल्कि मेरे परिवार को भी क्रूर तरीके से तोड़ने की कोशिश की है। इस रिश्ते का असर मेरे करियर पर भी पड़ रहा है। मैं ठीक से अपना काम भी नहीं कर पा रहा हूं। अब साथ रहने का कोई चांस नहीं है।'

पहली पत्नी ने 2015 में की थी आत्महत्या

पवन सिंह की पहली पत्नी नीलम सिंह ने साल 2015 में आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद उनका नाम भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के साथ भी जोड़ा गया। हालांकि बाद में उन्होंने 7 मार्च 2018 को उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी रामबाबू सिंह की बेटी ज्योति सिंह से शादी की। दोनों की शादी बलिया के एक शंकर होटल में धूमधाम से हुई थी।

खुशबू सुंदर ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार चयन की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

बोलीं- 'दूसरों की तरह मुझे भी संदेह है'

फिल्म 'रायन' के बेस्ट तमिल फिल्म का अवॉर्ड जीतने पर विवाद छिड़ा है। तमाम लोग आलोचना कर रहे हैं। इस बीच अभिनेत्री-राजनेता खुशबू सुंदर ने सवाल उठाया है कि नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की जूरी कैसे बनती है? और फिल्मों को कैसे परखा जाता है? उनके इस बयान ने इस बड़ी बहस को और हवा दे दी है कि क्या अलग-अलग भाषाओं की क्षेत्रीय फिल्मों को बराबर अहमियत मिलती है?

खुशबू ने एक इंटरव्यू में कहा कि अवॉर्ड्स को लेकर जो शक हैं, वे सिर्फ उनके नहीं हैं। उन्होंने पूछा, 'दूसरों की तरह मुझे भी शक है। नेशनल अवॉर्ड्स किस आधार पर दिए जा रहे हैं? सिलेक्शन कमिटी या जूरी किस आधार पर बनाई जाती है'? अभिनेत्री ने साफ किया कि उनकी चिंता अवॉर्ड देने की प्रक्रिया को लेकर थी, न कि किसी खास फिल्ममेकर या फिल्म के बारे में। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या छोटी क्षेत्रीय इंडस्ट्रीज की बेहतरीन फिल्मों को भी बड़ी इंडस्ट्री की फिल्मों जितना ही महत्व दिया जाता है?

उन्होंने कहा, 'अगर वे एक फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार दे रहे हैं, तो हो सकता है कि एक उड़िया फिल्म भी उससे बेहतर हो। इसके बजाय उड़िया फिल्म क्यों नहीं जीती? जब एक गुजराती फिल्म शानदार है, तो उसे संपूर्ण मनोरंजन पुरस्कार क्यों नहीं दिया जाता है? यह हमेशा हिंदी फिल्मों को ही क्यों दिया जाता है, क्षेत्रीय फिल्मों को क्यों नहीं'?

जूरी के विषय में क्या बोलीं खुशबू?

खुशबू ने यह भी माना कि उन्हें इस पर भी हैरानी है कि क्या जूरी कुछ फिल्मों की लोकप्रियता या उनके बारे में लोगों की आम राय से प्रभावित हो सकती है। हालांकि, उन्होंने जूरी सदस्यों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी का आरोप नहीं लगाया। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी मुझे लगता है कि जूरी सदस्य किसी वेव या आम सोच में बह जाते हैं कि साल की सबसे बड़ी फिल्म कौन सी थी? लेकिन मुझे नहीं लगता कि सलेक्शन कमिटी के मामले में कोई अस्पष्टता या संदेह की गुंजाइश है'।

'रायन' की जीत पर अलग-अलग राय

खुशबू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब 'रायन' के राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर लोगों की अलग-अलग राय है। धनुष निर्देशित फिल्म को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म अनाउंस किया गया था। दर्शकों के एक वर्ग का तर्क था कि 'मियाझागन', 'अमरन' और 'महाराजा' जैसी फिल्में इस सम्मान के लिए अधिक मजबूत दावेदार थीं। वहीं, कुछ लोगों ने फैसले का स्वागत किया। तमिल फिल्म इंडस्ट्री के लोगों का भी समर्थन मिला। म्यूजिक कंपोजर डी. इम्मान ने इस सम्मान का समर्थन करते हुए इसे तमिल लोगों की जीत बताया और दर्शकों से इसकी कामयाबी का जश्न मनाने की अपील की।

उषा नाडकर्णी को असली मां नहीं मानता बेटा

80 की उम्र में रहती हैं अकेली

दिग्गज अभिनेत्री उषा नाडकर्णी ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगभग सात दशक बिताए हैं। उन्होंने हिंदी, मराठी सिनेमा और टेलीविजन में यादगार अभिनय के लिए बहुत प्यार पाया है। वह सबसे ज्यादा 'पवित्र रिश्ता' में अपने किरदार के लिए मशहूर हैं। दर्शक उन्हें स्क्रीन पर एक दमदार अभिनेत्री के तौर पर जानते हैं, मगर उनकी निजी जिंदगी मुश्किलों और हिम्मत से भरी रही है।

चुनौती भरी रही जिंदगी

हिंसक माहौल में बड़े होने से लेकर अपने बेटे से दूर रहकर एक्टिंग करियर को संभालने तक, उषा ने उन चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की है जिन्होंने उनकी जिंदगी को आकार दिया। 80 साल की उम्र में भी, वह मुंबई में अकेले रहती हैं और काम करती रहती हैं।

अकेले रहती हैं अभिनेत्री

राजश्री मराठी के साथ बातचीत में उषा ने बताया कि वह 1987 से अकेले रह रही हैं। उनका बेटा अब विदेश में रहता है। उनके सभी भाई-बहनों के गुजर जाने के बाद, उन्होंने अकेलेपन को अपनाना सीख लिया है।

अब डर नहीं लगता

उन्होंने कहा, 'मुझे इसकी आदत हो गई है। मैं 1987 से अकेले रह रही हूं। मुझे बिल्कुल भी डर नहीं लगता। जब मैं पहली बार अपनी बिल्डिंग में रहने आई थी, तब मुझे डर लगता था। मैं गार्ड से कहती थी कि वह मुझे मेरे दरवाजे तक छोड़े क्योंकि मुझे डर लगता था कि कोई पीछे से मुझ पर हमला कर देगा। मगर अब मुझे डर नहीं लगता।'

मौत से नहीं डरतीं अभिनेत्री

दिग्गज एक्ट्रेस ने यह भी माना कि वह कभी-कभी मौत के बारे में सोचती हैं, खासकर इसलिए क्योंकि वह अकेले रहती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कभी डर नहीं लगा। उन्होंने कहा 'लोग यह नहीं बता सकते कि उनकी मौत कैसे होगी। कुछ लोग सोते हुए गुजर जाते हैं, कुछ लोग अस्पताल में मरते हैं। मुझे जरा भी डर नहीं लगता। अगर मैं सोते हुए मर जाती हूं, तो मेरे पड़ोसी दरवाजा खटखटाएंगे और सोचेंगे, 'बुढ़िया ने दरवाजा नहीं खोला है'।'

नानी के यहां पला बेटा

उषा ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और बताया कि वह कई साल पहले अपने पति से अलग हो गई थीं। अलग होने के बावजूद, उन्होंने कहा कि उनके मन में अपने पति या उनके परिवार के लिए कोई कड़वाहट नहीं है।

इस कपल का एक बेटा है, जो अब विदेश में रहता है। हालांकि, बचपन में वह उषा की मां के साथ रहता था, जिन्होंने उसकी देखभाल की, जबकि एक्ट्रेस काम में व्यस्त रहती थीं।

बेटा नानी को मानता है मां

अपनी जिंदगी के उस दौर को याद करते हुए, उन्होंने एक दिल तोड़ने वाली बात भी बताई जो उनका बेटा अक्सर कहता है। उन्होंने कहा 'मेरा बेटा आज भी मुझसे कहता है कि मैंने उसे सिर्फ जन्म दिया है। उसकी असली मां तो मेरी मां ही थीं।'

हिंसक हो जाते थे पिता

स्क्रीन पर सफलता पाने से बहुत पहले, उषा का बचपन बहुत मुश्किलों भरा था। उनके पिता, जो एयर फोर्स में अफसर थे, बहुत हिंसक स्वभाव के थे और उनके गुस्से की वजह से परिवार हमेशा डर के साये में रहता था।

'एक बार, किसी वजह से मेरे भाई की पिटाई हो रही थी और मैंने अपने पिता को रोकने की कोशिश की। तब उन्होंने मुझ पर हमला किया। इससे मेरे हाथ में चोट लग गई। अगले ही दिन मेरा नाटक था। मैं चोट के साथ ही नाटक करने गई थी।'

मां ने नहीं दिया साथ

उषा को बचपन से ही एक्टिंग का शौक था, लेकिन उस सपने को पूरा करना आसान नहीं था। पिता के सख्त स्वभाव से डरते हुए, उन्होंने सबसे पहले अपनी मां को इस बारे में बताया, उम्मीद थी कि वे साथ देंगी। मगर इसके उलट, उनकी मां ने इस विचार का कड़ा विरोध किया और उन्हें घर से भी निकाल दिया। ऊषा के अनुसार, उनका सामान सड़क पर फेंक दिया गया था, जिसकी वजह से उन्हें लगभग एक हफ्ते तक एक दोस्त के साथ रहना पड़ा। आखिरकार उनके पिता उन्हें घर वापस ले आए।

अपने मन की सुनें

वर्षों बाद, सोनी टीवी के शो 'तुम हो नाः घर की सुपरस्टार' में शामिल होने पर, इस अनुभवी एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी के उस दौर और अपने सपनों को पूरा करने के बारे में बात की।

उन्होंने कहा 'मैं बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थी। मेरी मां को यह मंजूर नहीं था। वह एक टीचर थीं और अपनी जगह वह सही थीं। हम मिडिल-क्लास परिवार से थे। हमारे पड़ोसी बहुत दखल देने वाले और हर बात पर राय रखने वाले थे। मैं कहती हूं, 'भाड़ में जाएं ऐसे लोग। आपको वही करना चाहिए जो आप करना चाहते हैं।' मैंने पहली बार चौथी क्लास में एक्टिंग की थी; अब मैं 80 साल की हूं और अभी भी एक्टिंग कर रही हूं।'

हिम्मत और लगन से बना करियर

कई दशकों में, ऊषा नाडकर्णी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सबसे सम्मानित नामों में से एक बन गई हैं। मनोरंजन इंडस्ट्री में उनका करियर लगभग 70 साल का रहा है।

आर. माधवन को मानते हैं आरएसएस का

एक्टर ने 'धुरंधर' का किया बचाव, दिया करारा जवाब

एक्टर आर. माधवन ने हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर मिलने वाली राजनीतिक आलोचनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर कई लोग उन्हें 'संघी' कहकर बुलाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध या उनके प्रति झुकाव है। उनका कहना है कि जो भी सरकार अच्छा काम करती है, वह उसकी सराहना करने में यकीन रखते हैं, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी क्यों न हो।

हाल के वर्षों में 'रॉकेट्रीः द नम्बी इफेक्ट' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों को लेकर कुछ लोगों ने उन पर सरकार सपोर्टर सोच दिखाने के आरोप लगाए थे। अब अपनी आने वाली बायोपिक के प्रमोशन के दौरान माधवन ने इन सभी बातों पर खुलकर रिएक्ट किया है।

'मुझे अपने देश से प्यार करना सिखाया गया है'

भारतीय आविष्कारक जी.डी. नायडू पर बनी अपनी नई तमिल फिल्म 'G. D. N' के प्रमोशन के दौरान 'गलाट्टा प्लस' से बातचीत में माधवन ने कहा कि अब वह समझ चुके हैं कि रचनात्मक आलोचना और सोशल मीडिया ट्रोलिंग में बड़ा अंतर होता है।

मैंने कभी किसी पार्टी या उसके नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। अगर किसी ने कुछ अच्छा किया है तो मैंने उन्हें सपोर्ट किया है। जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो मुझे लगता है कि उनका सपोर्ट करना मेरा कर्तव्य है। मैं कॉमेंट्स पढ़ता हूं, लेकिन इससे मेरे फैसले लेने पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर कोई मुझे इस बारे में बुरा महसूस करा रहा है तो मैं उनकी सोच पर सवाल उठाना चाहता हूं

'मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है'

माधवन ने कहा, 'धुरंधर फिल्म की कहानी पाकिस्तान में घटित होती है। जो कुछ भी होता है, अच्छा या बुरा, वह दिखाता है कि उसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह किस तरह का दुष्प्रचार है? मेरी समझ से परे है। जब नम्बी की आलोचना करने की बात आती है तो अगर मैं उनके वास्तविक व्यक्तित्व से डरता हूं, तो मैं कहानी में ईमानदारी कैसे बरत सकता हूं? अगर वह मंदिर जा रहे हैं, तो मैं उसे दिखाऊंगा। अगर जी.डी. नायडू नास्तिक हैं, तो मुझे किरदार के प्रति ईमानदार रहना होगा। मैं उन्हें प्रार्थना करते हुए नहीं दिखाऊंगा। मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है और मेरी निजी राय यह है कि मैं भारत की सभी अच्छी बातों को उजागर करना चाहता हूं। यह कोई अपराध नहीं हो सकता।'

निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार की फिल्म जीडीएन में नजर आएंगे

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार की फिल्म जीडीएन में नजर आएंगे। यह फिल्म प्रसिद्ध भारतीय आविष्कारक जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है।

'लॉक अप 2' की विनर श्रेया कालरा क्या करती हैं और कितनी है नेटवर्थ

पॉपुलर रियलिटी शो 'लॉक अप 2' का ग्रैंड फिनाले हो चुका है और इस सीजन की ट्रॉफी श्रेया कालरा ने अपने नाम कर ली है. उन्होंने फाइनल में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की. ट्रॉफी के साथ श्रेया को एक करोड़ रुपये की प्राइज मनी भी मिली. शो जीतने के बाद अब हर कोई उनके बारे में जानना चाहता है. आइए, जानते हैं कि श्रेया कालरा कौन हैं, क्या करती हैं और उनकी नेटवर्थ कितनी है.

कौन हैं श्रेया कालरा?

श्रेया कालरा एक डिजिटल कंटेंट क्रिएटर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और पॉडकास्टर हैं. उनका जन्म 12 जून 1996 को मध्य प्रदेश के इंदौर में एक पहाड़ी परिवार में हुआ था. उनके पिता का नाम किशोर कालरा और मां का नाम राजकुमारी कालरा है. श्रेया की शुरुआती पढ़ाई इंदौर में ही हुई. उन्होंने एमबीए की डिग्री हासिल की है, लेकिन शुरू से ही उनका सपना एंटरटेनमेंट और ग्लैमर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने का था. इसी जुनून के चलते उन्होंने कंटेंट क्रिएशन की दुनिया में कदम रखा और आज सोशल मीडिया का जाना-माना चेहरा बन चुकी हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें 2.3 मिलियन (23 लाख) से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं.

'रोडीज रिवॉल्यूशन' में नजर आ चुकी हैं श्रेया कालरा

श्रेया कालरा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2018 में टिकटॉक पर डांस और लिप-सिंक वीडियो बनाकर की थी. टिकटॉक बैन होने के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर कंटेंट बनाना शुरू किया, जहां उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग बन गई.

श्रेया कालरा को टीवी पर पहली बड़ी पहचान एमटीवी के रियलिटी शो 'रोडीज रिवॉल्यूशन' से मिली थी. वो इस शो में निखिल चिनापा की टीम का हिस्सा थीं. ऑडिशन के दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस, डांस और बेबाक अंदाज से रणविजय सिंहा समेत सभी जजों को इंप्रेस किया था. उन्होंने म्यूजिक वीडियो 'जरिया तू' में भी काम किया है.

'लॉक अप 2' में दिखा बेबाक अंदाज

'रोडीज' के बाद 'लॉक अप 2' में भी उनका बेबाक अंदाज देखने को मिला. शो में उन्हें 'बदतमीज' का टैग दिया गया, लेकिन श्रेया ने इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बनाया. उन्होंने पूरे सीजन में शिल्पा शिंदे, शिवांगी जोशी और राम कपूर जैसे मजबूत कंटेस्टेंट्स को कड़ी टक्कर दी और आखिरकार ट्रॉफी अपने नाम कर ली.

कितनी अमीर हैं श्रेया कालरा?

श्रेया कालरा की कुल नेटवर्थ 1.5 करोड़ रुपये से 3 करोड़ रुपये के बीच है. उनकी कमाई सोशल मीडिया, ब्रांड प्रमोशन, यूट्यूब, कंटेंट क्रिएशन और रियलिटी शोज से होती है. 'लॉक अप 2' जीतने के बाद उन्हें 1 करोड़ रुपये की प्राइज मनी भी मिली है.

ऋषभ जायसवाल को डेट कर रहीं श्रेया कालरा

श्रेया कालरा की पर्सनल लाइफ भी अक्सर सुर्खियों में रहती है. 'रोडीज रिवॉल्यूशन' के दौरान उनकी मुलाकात कंटेस्टेंट और टीवी एक्टर ऋषभ जायसवाल से हुई थी.

दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और पिछले कई सालों से दोनों रिलेशनशिप में हैं. श्रेया और ऋषभ मुंबई में साथ रहते हैं. श्रेया अक्सर सोशल मीडिया पर ऋषभ के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. 'लॉक अप 2' के दौरान भी ऋषभ ने हर कदम पर उनका सपोर्ट किया और फैंस से उन्हें वोट करने की अपील की.

थलपति विजय सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका
ईडी ऑफिसर घूसखोरी केस में रोक नहीं हटेगी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संकेत दिया कि तमिलनाडु के ईडी ऑफिसर रिश्वत कांड की जांच वह राज्य सरकार की एजेंसी से लेकर किसी सेंट्रल एजेंसी को सौंप सकता है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने यह भी साफ कर दिया है कि जांच पर लगी रोक अभी वह नहीं हटा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि राज्य सरकार का ईडी ऑफिसर पर जिस तरह का आरोप है, उसपर विश्वास कौन करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी अंकित तिवारी से जुड़े घूसखोरी मामले की जांच को वह सीबीआई जैसी किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी को सौंप सकता है। लाइवलॉ की रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के डायरेक्टोरेट ऑफ विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन की जांच पर सर्वोच्च अदालत जो रोक लगा रखी है, वह अभी लगी रहेगी। अदालत ने जांच से रोक हटाने की तमिलनाडु की सरकार की मांग ठुकरा दी है।

तमिलनाडु सरकार की जांच पर कब लगी रोक

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ईडी की ओर से 2024 में दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रहा है ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका देकर मांग की है कि ईडी अधिकारी अंकित तिवारी के खिलाफ रिश्वत केस की जांच तमिलनाडु की एजेंसी से लेकर सीबीआई को सौंप दी जाए। जनवरी, 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की एफआईआर पर आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। तब तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुवाई वाली डीएमके की सरकार थी।

तमिलनाडु ने जांच पर रोक हटाने की मांग की

गुरुवार को तमिलनाडु की थलपति सी जोसेफ विजय की टीवीके सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट गुरु कृष्णा कुमार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राज्य सरकार ने एक आवेदन किया है, जिसमें जांच पर लगी रोक हटाने की मांग की गई है। कुमार ने कहा, 'ईडी ऑफिसर के खिलाफ आगे की कार्रवाई रोक दी गई थी। हमने रोक हटाने की मांग की है।'

ईडी अफसर को 'रंगे हाथों' पकड़ने की दलील

तमिलनाडु के एडिशनल एडवोकेट जनरल पीसी सेन भी अपनी सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए और बेंच के सामने दलील दी कि ईडी के अधिकारी को 'रंगे हाथों' पकड़ा गया था, इसलिए जांच जरूरी था।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि इस मामले की जांच इसके बदले किसी अन्य सेंट्रल एजेंसी को सौंपी जा सकती है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'या हम इसकी जांच किसी सेंट्रल एजेंसी को सौंप दें।'

सीजेआई सूर्यकांत बोले- जांच पर रोक नहीं हटेगी

लेकिन, सीजेआई की बेंच ने साफ कर दिया कि अदालत को इस मामले में पहले दी गई अंतरिम राहत को हटाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- हम रोक नहीं हटाने जा रहे। हम मुख्य केस पर ही फैसला करेंगे।

'ईडी के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रही सरकार'

सीजेआई सूर्यकांत के मुताबिक, 'सरकार ईडी के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रही है। सवाल है कि आरोपों पर कौन विश्वास करेगा। अगर आरोप सही हैं, तो किसी सेंट्रल एजेंसी को जांच करने दें। ईडी नहीं, कोई और।'

क्या 'दृश्यम 3' से इतिहास रच पाएंगे अजय देवगन?

अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' और 'दे दे प्यार दे 2' बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी. हालांकि एक्टर की इस साल आई 'धमाल 4' ने उन्हें सफलता का स्वाद फिर से चखा दिया. 'धमाल 4' की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस काफी शानदार रही है. वहीं अब एक्टर अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' के तीसरे पार्ट से धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं.

अजय की ये क्राइम थ्रिलर उनकी अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन सकती है. वहीं अगर ये फिल्म 300 करोड़ क्लब में एंट्री करती है तो ये अजय एक बड़ा रिकॉर्ड बना देंगे.

'दृश्यम' के तीसरे पार्ट को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट

बता दें कि ओरिजनल 'दृश्यम' की शुरुआत मोहनलाल ने साल 2013 में की थी. वहीं इसके ऑफिशियल हिंदी रीमेक में अजय देवगन ने गर्दा उड़ा दिया था. इस फ्रेंचाइजी के दोनों पार्ट में अजय ने विजय सलगांवकर का किरदार निभाया जो खूब पॉपुलर हुआ. दिलचस्प बात ये है कि 'दृश्यम' के हिंदी रीमेक को न सिर्फ क्रिटिक्स की तारीफ मिली थी, बल्कि फ्रेंचाइजी ने बॉक्स-ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी भी हासिल की थी. ऐसे में 'दृश्यम' के हिंदी रिमेक के तीसरे पार्ट को लेकर पहले ही लोगों में काफी एक्साइटमेंट है.

'दृश्यम 3' कर सकती है 300 करोड़ क्लब में एंट्री

बता दें कि दृश्यम 2' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 241 करोड़ रुपये (नेट) की शानदार कमाई की थी. फिल्म के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड और पॉपुलैरिटी को देखते हुए, बॉक्स ऑफिस के जानकारों का अनुमान है कि 'दृश्यम 3' कम से कम 300 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई करेगी. बॉलीवुड की आम 'सीक्वल' फिल्मों के उलट, 'दृश्यम 3' से उम्मीद है कि यह न केवल शानदार ओपनिंग करेगी, बल्कि लंबे समय तक बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी भी रहेगी.

'दृश्यम 3' बना सकती है तगड़े रिकॉर्ड

भारतीय सिनेमा में कई पॉपुलर फिल्म फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट आए हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये की नेट कमाई नहीं की है. ऐसे में अजय देवगन की 'दृश्यम 3' 300 करोड़ रुपये का क्लब जॉइन करने वाली पहली भारतीय थ्रीक्वेल बनकर इतिहास रच सकती है . अगर ऐसा होता है तो यह अजय देवगन के लिए एक बड़ी अचीवमेंट होगी.

'दृश्यम 3' के बारे में

बता दें कि 'दृश्यम 3' सिनेमाघरों में 2 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के नेशनल हॉलीडे के दिन दस्तक देगी. इस फिल्म को अभिषेक पाठक ने डायरेक्ट किया है और कुमार मंगत पाठक ने इसे प्रोड्यूस किया है. स्टार कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में एक बार फिर तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता अपनी भूमिका दोहराते दिखेंगे. जबकि जयदीप अहलावत और प्रकाश राज की फिल्म में नई एंट्री हुई है.

'गोलमाल 5' की रिलीज डेट आई सामने, प्रभास की 'फौजी' से होगा क्लैश?

अजय देवगन की इन दिनों 'धमाल 4' थिएटर में लगी है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इसी बीच उनकी अपकमिंग फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर खबरें सामने आ रही है. पहले 4 दिसंबर को अजय की ही फिल्म 'रेंजर' रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब रेंजर की जगह फिल्म 'गोलमाल 5' के आने की खबरें हैं.

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के मुताबिक, 'गोलमाल 5' दिसंबर महीने में रिलीज हो सकती है. अगर फिल्म 4 दिसंबर को रिलीज हुई तो इसका क्लैश प्रभास की फिल्म 'फौजी' के साथ होगा. 'फौजी' 3 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी. एक तरफ 'गोलमाल 5' कॉमेडी से भरपूर होगी. वहीं 'फौजी' एक्शन से भरपूर होगी. 'फौजी' को हनु राघवपुडी ने डायरेक्ट किया है. ये एक पीरियड एक्शन ड्रामा है. प्रभास और अजय-अक्षय की फिल्म का क्लैश काफी खास है. क्योंकि दोनों ही फिल्मों की अपनी ऑडियंस है. एक तरफ गोलमाल 5 में अक्षय-अजय जैसे स्टार्स, रोहित शेट्टी का डायरेक्शन और सक्सेसफुल गोलमाल फ्रेंचाइजी का पांचवां पार्ट. वहीं फौजी में प्रभास का स्टारडम ही काफी है. दोनों ही फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने की खबरें हैं.

'गोलमाल 5' की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है. फिल्म में इस बार अक्षय कुमार भी नजर आएंगे. फिल्म का फर्स्ट लुक वीडियो सामने आ चुका है.

इसमें अक्षय कुमार को बाल्ड लुक में देखा गया. वहीं वो अजय देवगन को किस करते भी दिखे. फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार के अलावा श्रेयस तलपड़े, अरशद वारसी, कुणाल खेमू, तुषार कपूर जैसे स्टार्स नजर आएंगे. फिल्म में अक्षय और अजय की जोड़ी को देखने के लिए फैंस एक्साइटेड हैं. फिल्म के पहले 4 पार्ट आ चुके हैं.

वाराणसी से महेश बाबू का एक्शन वीडियो वायरल, फैंस में बढ़ी हलचल

महेश बाबू के जन्मदिन (8 अगस्त) से ठीक पहले फिल्म का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे वाराणसी घाट पर शूट हुए एक बड़े एक्शन सीन का हिस्सा बताया जा रहा है।

एक्शन सीन करते दिखे महेश बाबू

फिल्म के अनाउंसमेंट के बाद से ही 'वाराणसी' बार-बार लीक का शिकार होती रही है। पहले सेट की तस्वीरें, अनाउंसमेंट वीडियो के कुछ हिस्से और पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक भी ऑनलाइन सामने आ चुका है। अब यह नया वीडियो सामने आने के बाद फैंस के बीच और भी एक्साइटमेंट बढ़ गई है। वायरल हो रहे इस वीडियो में महेश बाबू खून से लथपथ नजर आ रहे हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म के किसी बड़े एक्शन सीन का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस वीडियो की सच्चाई पर कोई बयान नहीं दिया है।

पहले भी लीक हो चुके हैं सीन

इससे पहले भी फिल्म के 'उग्रभट्टी गुफा' वाले सीन से जुड़ा एक लीक सामने आया था, जिसे पोस्टर्स और अनाउंसमेंट वीडियो में थोड़ी झलक के तौर पर दिखाया गया था। उस सीन में बड़े-बड़े पत्थर, नक्काशीदार खंभे और ब्लू-स्क्रीन सेटअप नजर आया था, जिससे साफ था कि इसमें भारी वीएफएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। अनाउंसमेंट वीडियो में 'छिन्नमस्ता देवी' की एक झलक भी दिखाई गई थी, जिससे यह गुफा वाला सीन फिल्म का सबसे खास हिस्सा माना जा रहा है। लगातार हो रहे इन लीक्स की वजह से 'वाराणसी' इन दिनों काफी चर्चा में है। यह फिल्म अभी प्रोडक्शन में है और अब तक इसकी कई तस्वीरें और वीडियो आधिकारिक रिलीज से पहले ही सामने आ चुके हैं।

'वाराणसी' के बारे में

राजामौली ने हाल ही में फिल्म के बारे में बताया था कि 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी। इसमें टाइम-ट्रैवल का एंगल भी होगा और कहानी फिर से वाराणसी में आकर खत्म होगी।

फिल्म की करीब 80% शूटिंग पूरी हो चुकी है और बड़े एक्शन सीन भी शूट हो गए हैं। बाकी शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम साथ-साथ चल रहा है। इस फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। यह राजामौली और महेश बाबू की पहली फिल्म है। फिल्म के कुछ खास सीन IMAX कैमरों से शूट किए जा रहे हैं, ताकि इसका स्केल और भी बड़ा दिखे।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में मिली कामयाबी से पहले के सफर पर बोले पंकज त्रिपाठी

एक्टर पंकज त्रिपाठी ने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से मिली कामयाबी से पहले के संघर्ष के दिनों को याद करते हुए अपने करियर के उस दौर की तुलना खेत में बीज बोने और फसल के पकने का इंतजार करने से की है।

बाहर से नहीं लिया मोटिवेशन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले एक्टर पंकज त्रिपाठी ने एएनआई से बातचीत में कहा 'मुझे नहीं पता था कि किसी इंसान को खुद को मोटिवेट करते रहना चाहिए या मोटिवेटेड रहने के लिए अलग से कोशिश करनी चाहिए। सच कहूं तो, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि जिंदगी जीने के लिए मुझे मोटिवेशन की जरूरत है।'

तैयारी करने में लगाया समय

इस एक्टर ने फिल्म 'रन' (2004) से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' (2012) में सुल्तान कुरैशी के रोल से उन्हें बड़ी पहचान मिली। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन वर्षों में कामयाबी की चिंता करने के बजाय तैयारी करने में समय बिताया।

उन्होंने कहा, 'मैं अपने काम में व्यस्त था। मुझे एक्टिंग का मौका नहीं मिल रहा था। इसलिए मैं अपने बाकी काम की तैयारी कर रहा था। मैं अपनी कला सीख रहा था। मैं आज भी इसे सीख रहा हूं।'

बीज बोने की प्रक्रिया में समय लगा

यह बताते हुए कि कैसे उनके ग्रामीण बैकग्राउंड ने उनके नजरिए को आकार दिया, त्रिपाठी ने अपने एक्टिंग के सफर की तुलना खेती की प्रक्रिया से की।

उन्होंने कहा, 'असल में, मैं एक गांव में पला-बढ़ा हूं। मैं उसी दुनिया से आता हूं। मैं एक किसान परिवार से हूं। मैं खुद को तैयार कर रहा था। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे मैं कोई बीज बोऊं, उसे सही हालात में रखूं और 15 दिन बाद उसके अंकुरित होने का इंतजार करूं। वो साल बीज बोने की प्रक्रिया जैसे थे। यह लंबे समय तक चला। लोग चार महीने में फल की उम्मीद करते हैं और पौधे हर साल फल देते हैं। मगर मेरी बीज बोने की प्रक्रिया में थोड़ा ज्यादा समय लगा।'

सही रास्ते पर थे अभिनेता

त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें प्रक्रिया पर भरोसा था और उन्होंने तुरंत नतीजे पाने की कोशिश करने के बजाय अनुशासन बनाने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा 'तब भी, मैं अपनी जिंदगी के आगे बढ़ने के तरीके से खुश था। मैं रोज दौड़ता था, ध्यान करता था, किताबें पढ़ता था और एक्टिंग के बारे में सोचता था। मुझे पता था कि मैं सही रास्ते पर हूं।'

पंकज त्रिपाठी का वर्क फ्रंट

पंकज त्रिपाठी फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' में कालीन भैया का अपना मशहूर किरदार भी दोबारा निभाएंगे। यह फिल्म 4 सितंबर, 2026 को रिलीज होने वाली है।

'सीरियल किसर' के टैग से परेशान हो गए थे इमरान हाशमी, विलेन बनकर मचाया तहलका?

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता इमरान हाशमी को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए 2 दशक से ज्यादा का वक्त हो चुका है. अपने करियर में उन्होंने कई शानदार फिल्में दी हैं. बॉलीवुड के अलावा साउथ सिनेमा और ओटीटी पर भी वो अपना जलवा बिखेर चुके हैं. हालांकि करियर की शुरुआत से लेकर कई सालों तक उनकी इमेज 'सीरियल किसर' की रही. हालांकि बाद में वो इस इमेज को तोड़ने में कामयाब रहे और फिर विलेन बनकर भी दर्शकों का दिल जीत लिया

'फुटपाथ' से किया था डेब्यू

इमरान हाशमी का शुरू से ही फिल्मी घराने से संबंध रहा है. अभिनेता का जन्म 24 मार्च 1979 को मुंबई में हुआ था. आलिया भट्ट, पूजा भट्ट और मोहित सूरी जैसे सेलेब्स उनके कजिन हैं. इमरान साल 2001 में फिल्म 'ये जिंदगी का सफर' से डेब्यू करने वाले थे, लेकिन उन्हें इस फिल्म से बाहर कर दिया गया था. इसके बाद एक्टर ने साल 2003 में फिल्म 'फुटपाथ' से डेब्यू किया था. इस क्राइम एक्शन फिल्म का डायरेक्शन विक्रम भट्ट ने किया था.

'मर्डर' से बने 'सीरियल किसर'

पहली फिल्म से इमरान को कोई खास पहचान नहीं मिली थी. हालांकि शुरुआती दौर में ही वो फिल्म 'मर्डर' से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो गए थे. 2004 की ये फिल्म सफल रही थी. इसमें उन्होंने मल्लिका शेरावत के साथ काम किया था. दोनों के बीच जबरदस्त इंटीमेट सीन फिल्माए गए थे और उनकी केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही थी. इस फिल्म के बाद इमरान को सीरियल किसर का टैग मिल गया था.

'जन्नत' ने बना दिया स्टार

मर्डर के बाद इमरान ने फैंस का ध्यान 'आशिक बनाया आपने', 'गैंगस्टर','आवारापन' और 'जहर' जैसी फिल्मों से खींचा. इसी बीच आई फिल्म 'जन्नत' ने उनकी लोकप्रियता में चार चांद लगा दिए थे. साल 2008 की ये फिल्म सुपरहिट निकली थी और इमरान ने बतौर स्टार इंडस्ट्री में खुद को स्थापित कर लिया था. इस मूवी को न सिर्फ भारत में बल्कि पाकिस्तान में भी काफी पसंद किया गया था.

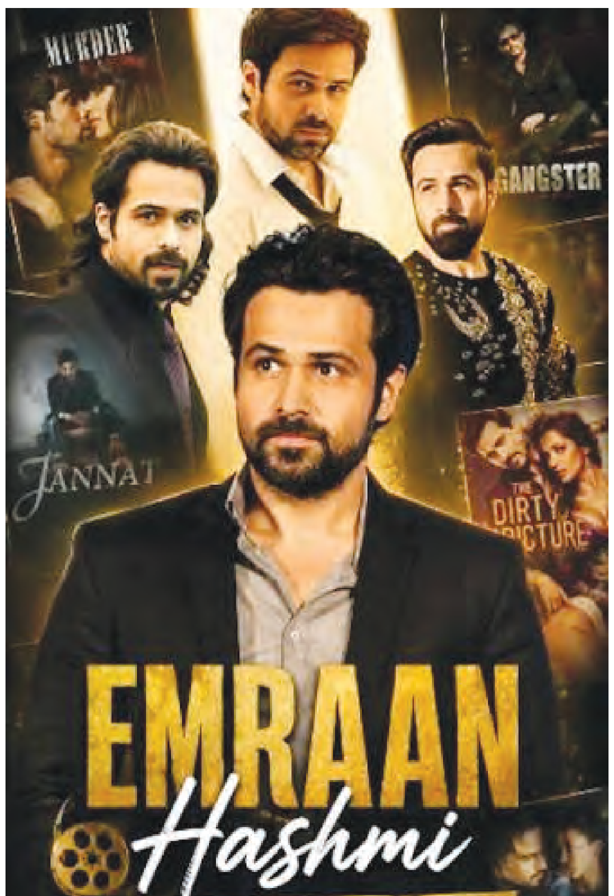

'सीरियल किसर' इमेज से हो गए थे परेशान

शुरुआत में सफलता की चकाचौंध में इमरान हाशमी को 'सीरियल किसर' का टैग काफी अच्छा लगता था, हालांकि हालात और वक्त बदलने के बाद वो इस टैग से परेशान होने लगे थे. क्योंकि फैंस के मन में भी उनकी सिर्फ ये ही इमेज रह गई थी. वो उन्हें किसी दूसरे अंदाज में नहीं देखना चाहते थे. साल 2025 में अपनी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन के दौरान रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में इमरान हाशमी ने सीरियल किसर टैग को लेकर कहा था, 'मैं चाहता था कि लोग मुझे गंभीरता से लें. एक वक्त पर मैं इससे थोड़ा परेशान रहता था. इसका यूज मार्केटिंग के लिए और फिर फिल्मों में बेवजह की चीजों को एड करने के लिए भी हुआ.' उन्होंने आगे ये भी बताया कि वो काफी कोशिश करते थे इस इमेज से दूर होने की, लेकिन फैंस उन्हें कोई दूसरी चीज करते हुए देखना ही नहीं चाहते थे.

विलेन बनकर तोड़ी 'सीरियल किसर' इमेज

आखिरकार वो वक्त भी आया जब इमरान हाशमी ने अपनी सीरियल किसर की इमेज तोड़ी और विलेन के रूप में फैंस का दिल जीत लिया. सलमान खान और कैटरीना कैफ की साल 2023 की फिल्म 'टाइगर 3' में उन्होंने आतिश रहमान नाम के विलेन की दमदार भूमिका निभाई थी. उन्होंने इसके जरिए ये साबित किया कि वो सिर्फ सीरियल किसर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वो एक मल्टीटैलेंटेड अभिनेता हैं.

साउथ में भी विलेन बनकर किया कमाल

इमरान हाशमी ने अपना विलेन अवतार हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि साउथ सिनेमा में भी दिखाया है. इमरान ने साउथ सिनेमा में अपना डेब्यू पवन कल्याण की फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' से किया था. ये एक्शन रोमांटिक फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी. इसमें इमरान ने एक खतरनाक गैंगस्टर ओमी भाऊ की भूमिका निभाई.

ओटीटी पर भी बिखेरा जलवा

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक में बड़े पर्दे पर छा चुके इमरान हाशमी ओटीटी पर भी काम कर चुके हैं. उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू साल 2019 में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'बार्ड ऑफ ब्लड' से किया था. इसके बाद वो साल 2024 में 'शोटाइम' और 'तस्करी' (2026) को लेकर भी चर्चा में रहे. वहीं 2025 में इमरान की कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'हक' भी ओटीटी पर ही रिलीज हुई थी.

अब 'आवारापन 2' से छाने को तैयार हैं एक्टर

इमरान अब अपनी फिल्म 'आवारापन 2' से छाने को तैयार हैं. आवारापन साल 2007 में आई थी और बाद में कल्ट फिल्म साबित हुई थी. अब इसका सीक्वल 14 अगस्त को रिलीज हो रहा है. इसे लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ है. फिल्म में वो अपने पुराने शिवम पंडित के किरदार में ही दिखाई देंगे. फिल्म का हिस्सा दिशा पाटनी और शबाना आजमी जैसी एक्ट्रेसेस भी हैं.

झारखंड में आग से बचाव और तेज होगा

अग्निशमन विभाग को मिले 58 अत्याधुनिक फायर टेंडर, सीएम ने दिखाई हरी झंडी

फायर ब्रिगेड की नई तकनीकों को देखते सीएम हेमंत सोरेन

रांची, 6 अगस्त (एजेंसियां)। आग लगने की स्थिति में अब झारखंड के कई इलाकों में दमकल को घटनास्थल तक पहुंचने में कम समय लगेगा। मिस्ट टेक्नोलॉजी से लैस 58 नए मिनी फायर टेंडर गुरुवार को राज्य अग्निशमन विभाग के बेड़े में शामिल किए गए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इन्हें हरी झंडी दिखाकर राज्य के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया।

सरकार का कहना है कि नए वाहनों के शामिल होने से आगजनी की घटनाओं पर तेजी से काबू पाने और दुर्गम क्षेत्रों तक राहत पहुंचाने में मदद मिलेगी। नए फायर टेंडर मिस्ट टेक्नोलॉजी से लैस हैं। इनका आकार पारंपरिक दमकल वाहनों की तुलना में छोटा है, जिससे ये शहरों की संकरी गलियों, घनी आबादी वाले इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह तकनीक कम पानी में भी आग पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाने में सक्षम है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बदलते समय के साथ अग्निशमन सेवाओं को भी आधुनिक बनाना जरूरी है। गैस सिलेंडर विस्फोट, शॉर्ट सर्किट और बहुमंजिला इमारतों में आग लगने जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों और तकनीक से लैस अग्निशमन व्यवस्था समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय अपनी जान जोखिम में डालने वाले अग्निशमन कर्मियों को बेहतर उपकरण और सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

अग्निशमन विभाग एवं होमगार्ड के महानिदेशक एमएस भाटिया ने कहा कि विभाग के आधुनिकीकरण की यह शुरुआत है। आने वाले समय में ऊंची इमारतों में राहत एवं बचाव कार्य के लिए हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म, फोम टेंडर और आर्टिकुलेटिंग टावर जैसे अत्याधुनिक उपकरण भी बेड़े में शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अग्निशमन कर्मियों के प्रशिक्षण, सुरक्षा उपकरणों और आम लोगों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। समारोह में गृह, पुलिस और प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आवारा कुत्तों का आतंक: स्कूल से लौट रही 10 वर्षीय छात्रा पर झुंड ने किया हमला, गंभीर घायल

बाराबंकी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर स्कूल से घर लौट रही 10 वर्षीय छात्रा पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्ची के पैर को बुरी तरह नोच डाला, जबकि गिरने से उसके चेहरे पर भी चोट आई। गंभीर रूप से घायल छात्रा को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ भारी नाराजगी है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के सत्यप्रेमी नगर, राजकमल टॉकीज के पास रहने वाले मोहम्मद काशिफ़ ने बताया कि उनकी बेटी अनाविया (10) शहर के सेंट एंथोनी स्कूल में कक्षा पांच की छात्रा है।

बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद उनके 75 वर्षीय पिता ऑटो से अनाविया और उसके छोटे भाई मोहम्मद हुसैन को घर लेकर लौट रहे थे।

सीजीपीएससी घोटाला : हाईकोर्ट बोला- पेपर लीक हत्या से बड़ा अपराध

पूर्व सेक्रेटरी की जमानत याचिका खारिज गड़बड़ी के आरोप में जेल में हैं रिटायर्ड आईएएस

बिलासपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) परीक्षा 2021 के चर्चित घोटाले और पेपर लीक मामले में जेल में बंद आयोग के पूर्व सचिव और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी जीवन किशोर ध्रुव की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है।

जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक कर लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना हत्या से भी बड़ा अपराध है। हत्या से सिर्फ एक परिवार प्रभावित होता है, लेकिन ऐसे मामलों से पूरे समाज और युवाओं का भरोसा टूटता है।

मामले में सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर अपने रिश्तेदारों और पसंदीदा उम्मीदवारों को गलत तरीके से फायदा पहुंचाने का आरोप है।

सीबीआई की जांच में सामने आया कि जीवन किशोर ध्रुव ने 6 अक्टूबर 2020 को सीजीपीएससी

का सचिव का पद संभाला था। उनके दस्तखत से ही 2021 की परीक्षा का विज्ञापन जारी किया गया था।

आरोप है कि पूर्व सचिव ने अपने पद का गलत इस्तेमाल करते हुए मुख्य परीक्षा के गोपनीय प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही हासिल कर लिए और उन्हें अपने बेटे सुमित ध्रुव को दे दिया।

इसी के आधार पर सुमित ध्रुव का चयन डिप्टी कलेक्टर के पद पर हुआ। जांच के दौरान सीबीआई ने पूर्व सचिव के भिलाई स्थित घर पर छापा मारकर कई अहम दस्तावेज जब्त किए।

जांच और तलाशी के दौरान मुख्य परीक्षा के पेपर-7 (सामान्य अध्ययन) के 47 में से 42 प्रश्नों के उत्तर और पेपर-2 (निबंध) की उत्तर-पुस्तिकाएं मिलीं।

इसके अलावा सुमित ध्रुव ने परीक्षा से पहले जिन चार विषयों क्रिप्टोकरेंसी, रूस-यूक्रेन युद्ध, दंतेवाड़ा जिले का विकास और छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम पर निबंध की तैयारी की थी, वही चारों विषय मुख्य परीक्षा में पूछे गए।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कहा कि उन्हें सिर्फ सचिव पद पर रहने की वजह से झूठा फंसाया गया है और उनका नाम मूल एफआईआर में भी नहीं था। उन्होंने अपने बेटों के परीक्षा में शामिल होने की जानकारी आयोग को पहले ही दे दी थी और खुद को गोपनीय कामों से अलग कर लिया था। यह भी कहा गया कि वे 18 सितंबर 2025 से हिरासत में हैं और सीबीआई आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है।

वहीं, सीबीआई ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी एक उच्च संवैधानिक पद पर तैनात लोक सेवक था, जिसकी जिम्मेदारी परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखना थी। सीबीआई के अनुसार, आरोपी के घर से मिले सबूत और गवाहों के बयान साफ तौर पर आपराधिक साजिश की पुष्टि करते हैं।

यह मामला सीजीपीएससी 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि आयोग की परीक्षाओं और इंटरव्यू में पारदर्शिता को दरकिनार कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख वाले परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित किया गया।

सुप्रीम कोर्ट में हों ज्यादा महिला क्वीर जज

राज्यसभा में पहली स्पीच में मेनका गुरुस्वामी ने दिखाया फायरब्रांड अंदाज

कोलकाता/नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल चुनावों में बीजेपी के हाथों शिकस्त और फिर बगावत ने टीएमसी को काफी कमजोर कर दिया है लेकिन बुधवार को टीएमसी से राज्यसभा गई मेनका गुरुस्वामी ने पहली पॉवरफुल स्पीच से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मेनका गुरुस्वामी ने पहले भाषण में सरकार को सलाह दी कि सुप्रीम कोर्ट में और ज़्यादा महिला और क्वीर जजों को नियुक्त करें। मेनका गुरुस्वामी का अंदाज ऐसा था जिस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने आपत्ति की।

मेनका गुरुस्वामी ने तर्क दिया कि 4 और जज नियुक्त करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। महिलाओं, अनुसूचित, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और गे लोगों का कम प्रतिनिधित्व न्यायपालिका के लिए असली चुनौती बना हुआ है।

मेनका गुरुस्वामी की पहली स्पीच की खूब तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया में उनकी भाषण की क्लिप वायरल हो चुकरी है।

भारत की पहली खुलकर क्वीर सांसद (एमपी) और सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने बुधवार को राज्यसभा में अपने पहले भाषण में कहा कि न्यायपालिका की समस्याएं और जज नियुक्त करने से हल नहीं होंगी। समस्याएं केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, धार्मिक अल्पसंख्यकों या गे लोगों को न्यायपालिका में नियुक्त न करने में हैं। सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल, 2026 पर चर्चा के दौरान गुरुस्वामी ने कहा कि यह चार और जज लाने के बारे में नहीं है। आप मुद्दों को तब हल करते हैं जब आप संविधान के अनुसार काम करते हैं।

यह बिल जिसे सोमवार को लोकसभा ने पास कर दिया था लेकिन राज्यसभा की मंजूरी का इंतजार है, भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से

बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव करता है। खास बात यह है कि यह पहली बार था जब देश की पहली खुलकर क्वीर सांसद गुरुस्वामी संसद में बोलीं। सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट के तौर पर बिताए समय का जिक्र करते हुए और यह बताते हुए कि वह कुछ अनुभव के साथ बोल रही हैं, गुरुस्वामी ने राज्यसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक अध्यादेश (ऑर्डिनेंस) लाने और सुप्रीम कोर्ट में चार और जज बढ़ाने से न्यायपालिका की समस्याएं हल नहीं होंगी।

मेनका गुरुस्वामी सुप्रीम कोर्ट की सीनियर वकील हैं। वह उन वकीलों में शामिल हैं जिन्होंने उस ऐतिहासिक संवैधानिक मामले में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व किया था, जिसके कारण 2018 में आईपीसी की धारा 377 को आंशिक रूप से रद्द करके भारत में समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया था। गुरुस्वामी ने बताया कि देश भर के हाई कोर्ट में जजों के स्वीकृत पदों में से 30 प्रतिशत से ज्यादा पद अभी भी खाली हैं। उन्होंने कहा कि अभी हाई कोर्ट के कुल जजों में से 14 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर न्यायपालिका में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से भी कम है। गुरुस्वामी ने बताया कि पिछले आठ साल (2018 से 2026) में केंद्र सरकार ने केवल 3 प्रतिशत एससी जज और 2 प्रतिशत एसटी जज नियुक्त किए। उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आने वाले जजों के मामले में यह आंकड़ा 12 प्रतिशत था।

आईजीआईएमएस में स्वास्थ्य मंत्री को भीड़ ने घेरा सुरक्षाकर्मियों ने निकाला

रोते-रोते परिजन बोले- लापरवाही से मां बेड पर मर गई दलाली होती है, दवा नहीं मिलती है

पटना, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के स्थास्थ्य मंत्री निशांत कुमार गुरुवार को पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) पहुंचे। यहां भीड़ ने स्वास्थ्य मंत्री को घेर लिया। लोग खराब व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते नजर आए।

एक मरीज ने कहा, 'सर, यहां व्यवस्था बहुत खराब है। पेशेंट को लगता है कि लाइन में लग-लगकर ही वो मर जाएगा, इलाज तो बाद में होगा।' दूसरे मरीज ने कहा, यहां दलाली होती है। आयुष्मान कार्ड से इलाज कहकर बाहर से दवाई मंगा रहे हैं। मेडिकल काउंटर वाले कह रहे कि दवाई है, लेकिन हमें बाहर से दवाई लेने के लिए कहा जा रहा है।' स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार संस्थान में 5 नई सुविधाओं का उद्घाटन करने पहुंचे। इसी दौरान लोगों ने उन्हें घेर लिया।

जेपीएससी के मुद्दे पर जारी आंदोलन को सोनम वांगचुक का समर्थन

बोले- छात्रों की मांगें जल्द पूरी करे हेमंत सरकार

रांची, 6 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जुड़े मुद्दों को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपना समर्थन दोहराया है। सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विशेष संदेश साझा किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से छात्रों की मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की है।

सोनम वांगचुक ने बताया कि हाल ही में उन्होंने आंदोलनकारी छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से बात की थी।

देवेंद्र बिना अन्न और जल के अनशन पर थे, जो उनके स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक या आत्महत्या के समान था। सोनम वांगचुक ने स्पष्ट किया कि उन्होंने सिर्फ देवेंद्र जी से जल और नमक ग्रहण करने का आग्रह किया था, ताकि उनका स्वास्थ्य बचा रहे।

सोनम वांगचुक ने बताया कि अभी देवेंद्र नाथ महतो अनशन समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सत्याग्रह के तरीके को अपनाते हुए देवेंद्र नाथ महतो अब केवल जल और नमक लेकर अपना अनशन जारी रखे हुए हैं।

छात्रों और जनता का समर्थन

उन्होंने इस आंदोलन से जुड़े सभी छात्र संगठनों को अपना समर्थन देते हुए कहा कि जिस तरह से राज्य की जनता भी छात्रों का खुलकर साथ दे रही है, वो काफी संतोषजनक हैं।

सोनम वांगचुकने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सीधा आग्रह करते हुए कहा कि सरकार को छात्रों की आवाज तुरंत सुननी चाहिए और इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कदम छात्रों, देश और खुद सरकार तीनों के हित में होगा।

केरल में नाबालिग लड़की के साथ सालों तक दरिंदगी

पत्तनमथिट्टा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के पत्तनमथिट्टा जिले में शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। जिले में एक नाबालिग लड़की के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि लड़की के पिता सहित पांच अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत सात अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। यह कार्रवाई तब की गई, जब 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली पीड़िता ने अपनी आपबीती अपनी सहपाठियों को बताई। इसके बाद बाल कल्याण समिति ने हस्तक्षेप किया। एक अधिकारी ने बताया कि मलयालापुझा थाने में छह एफआईआर और पेरुनाड थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। क्योंकि घटनाएं अलग-अलग समय पर हुई थीं। पीड़िता से कथित यौन उत्पीड़न तब से हो रहा था, जब वह पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी। पुलिस ने बताया कि जिन दो लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनमें वह मकान मालिक भी शामिल है, जिसके किराए के घर में पीड़िता वर्तमान में रहती है। दूसरा आरोपी उसी इमारत में रहने वाला एक व्यक्ति है। अधिकारियों ने बताया कि जांच के सिलसिले में एक अन्य व्यक्ति से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, वर्तमान में विदेश में रह रहे पीड़िता के पिता को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है।

गिरिडीह जनसंपर्क कार्यालय में चोरी का खुलासा

दो आरोपी गिरफ्तार, एक और की संलिप्तता आई सामने, इनवर्टर, बैटरी व एलईडी टीवी बरामद

गिरिडीह, 6 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस ने जिला जनसंपर्क कार्यालय में हुई चोरी का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी निशानदेही पर चोरी हुआ इनवर्टर, दो बैटरियां और एक एलईडी टीवी बरामद किया गया है। डीएसपी नीरज कुमार सिंह ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

डीएसपी नीरज सिंह ने बताया कि 27 जुलाई को जिला जनसंपर्क कार्यालय के अनुसेवक सह प्रभारी इंक्वायरी लिपिक राजेश पासवान ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि कार्यालय से एक माइक्रोटेक इनवर्टर, दो एसएफ सोनिक बैटरियां और एक एलईडी टीवी चोरी हो गए थे। इस शिकायत के आधार पर नगर थाना में कांड संख्या 158/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। एसपी डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर नगर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। जांच के दौरान न्यू चुड़ी मोहल्ला निवासी महताब अंसारी उर्फ बल्लू और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिमरियाटांड़ बुढ़ियाबाद निवासी मो. वारिस को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर चोरी हुआ माइक्रोटेक इनवर्टर, दो एसएफ सोनिक बैटरियां और एक सैमसंग एलईडी टीवी बरामद कर लिया गया। डीएसपी ने यह भी बताया कि इस मामले में एक और आरोपी की संलिप्तता सामने आई है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास का सत्यापन किया जा रहा है और अन्य मामलों में उनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

कल से बिहार के सरकारी स्कूलों में हाफ डे

शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर शिक्षा मंत्री ने तय कर दिया डेडलाइन

पटना, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सरकारी स्कूलों में अब बस हाफ डे यानी शनिवार को आधा दिन पढ़ाई होगी। शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों को आठ अगस्त यानी इसी शनिवार से स्कूल को हाफ डे करने का आदेश जारी कर दिया गया है। ये व्यवस्था इसी शनिवार से बिहार के सभी सरकारी स्कूलों में लागू कर दी जाएगी। नए नियम के अनुसार स्कूलों की कक्षा आधा दिन तक चलेगी। उसके बाद टिफिन ब्रेक होगा और बच्चों की छुट्टी कर दी जाएगी।

इससे पूर्व भी बिहार में शनिवार को हाफ डे की व्यवस्था लागू थी। बाद में इसे बंद कर दिया गया था। अब दोबारा शुरू किया गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व में ऐलान किया था।

मिथिलेश तिवारी, शिक्षा मंत्री | मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

उसके बाद शिक्षा विभाग ने इस पर अपनी सहमति दे दी। जिसके बाद आधिकारिक रूप से आदेश जारी कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि सीएम सम्राट चौधरी के फैसले के बाद विभाग ने सभी प्रक्रिया पूरी कर ली है।

इस मौके पर मंत्री मिथिलेश तिवारी ने ट्रांसफर की भी बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार के स्कूलों से करीब 1 लाख 6 हजार शिक्षक ऐसा हैं। जिनकी संख्या जरूरत से ज्यादा है। ऐसे शिक्षकों से पहले चरण में पसंद के मुताबिक तबादले के लिए आवेदन मांगे गए थे। इस प्रक्रिया में 73 हजार 151 शिक्षकों के ट्रांसफर आवेदन जमा किए गए हैं। उन्होंने कहा है कि 31 अक्टूबर तक किसी भी हाल में ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

पंचायत सेवक 10 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

पहले भी लगे हैं भ्रष्टाचार के आरोप, पलामू एसीबी ने मनिका प्रखंड कार्यालय से पकड़ा

लातेहार, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार को लातेहार जिले के मनिका प्रखंड के पंचायत सेवक नागेश्वर रजक को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई मनिका प्रखंड कार्यालय में हुई, जिसके बाद उन्हें पलामू ले जाया गया। इस गिरफ्तारी से प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया।

एसीबी के अनुसार, नागेश्वर रजक ने एक लाभुक से सरकारी योजना का भुगतान कराने के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। लाभुक ने बताया कि पंचायत सेवक ने भुगतान के लिए रिश्वत देना अनिवार्य बताया था। लगातार रिश्वत की मांग से परेशान होकर लाभुक ने पलामू एसीबी से

शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पहले पूरे मामले का सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने पर टीम ने जाल बिछाया और गुरुवार को मनिका प्रखंड कार्यालय में ही नागेश्वर रजक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी टीम ने मौके पर रासायनिक परीक्षण भी कराया, जिसमें उनके हाथों पर नोटों के रसायन की पुष्टि हुई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, नागेश्वर रजक पर पहले भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। लातेहार प्रखंड में तैनाती के दौरान उन पर विभिन्न योजनाओं के लाभुकों से अवैध वसूली के आरोप लगे थे।

लड़कियां बोलीं- हॉस्टल वार्डन मालिश करवाती हैं

'कितना खाते हो' कहकर प्रताड़ित करती हैं, कोरबा में हाईवे जाम, जीपीएम में विरोध, हटाने की मांग

कोरबा/गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 6 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्कूली छात्राओं ने कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। सभी लड़कियां कस्तूरबा गांधी गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करती हैं। हॉस्टल वार्डन को हटाने की मांग को लेकर उन्होंने प्रदर्शन किया। मामला बांगो थाना क्षेत्र का है।

छात्राओं ने आरोप लगाया कि अधीक्षिका शारदा नेताम उनसे जबरन हाथ-पैर की मालिश कराती है। देर रात पूजा करती है। घंटी की आवाज से उन्हें परेशानी होती है। इसके साथ ही खराब और कच्चा खाना देने का आरोप लगाया। इन आरोपों की जांच के बाद शिक्षा अधिकारी ने कार्रवाई करते हुए वार्डन को पद से हटा दिया। वहीं, दूसरा मामला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले का है, जहां सेमरदर्री कन्या छात्रावास में पढ़ने वाली बच्चियों ने वार्डन पर आरोप लगाया कि 'इतना ज्यादा खाना क्यों खाती हो' कहकर प्रताड़ित करती है और पेरेंट्स को फोन पर 'अपनी बेटी को यहां से ले जाइए', कहकर डराती है। दोनों ही मामलों में अधीक्षिका को हटाने की मांग की गई है।

कोरबा के बांगो थाना क्षेत्र के पोंडी उपरोड़ा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में गुरुवार (6 अगस्त) को छात्राओं ने अधीक्षिका शारदा नेताम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

बीएड छात्रा को लिव-इन पार्टनर ने मार-डाला

रायपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में बीएड छात्रा की उसके लिव-इन पार्टनर ने मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी युवती को मेकाहारा (अंबेडकर अस्पताल) लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत की जानकारी मिलते ही आरोपी मौके से फरार हो गया।

घरवालों ने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान भारती नेताम और आरोपी की पहचान सावंत बघेल के रूप में हुई है। मामला मुजगहन थाना के बोरियाकला स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है।

वहीं खमतराई थाना क्षेत्र के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के तालाब में मिली युवती की लाश की गुत्थी भी पुलिस ने सुलझा ली है। मृतका की पहचान टिकरापारा निवासी नंदनी जैन के रूप में हुई है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि युवती की हत्या उसके प्रेमी करण तांडी ने की थी। युवक को शक था कि नंदनी का किसी दूसरे युवक से अफेयर है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और उसने नंदनी की हत्या कर दी। शव तालाब में फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मुजगहन पुलिस के अनुसार, कांकेर जिले के ग्राम कोकपुर की रहने वाली भारती नेताम रायपुर के विकास महाविद्यालय में बीएड की पढ़ाई कर रही थी। वह पिछले 6-7 महीने से कोंडागांव के सावंत बघेल के साथ बोरियाकला में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। सावंत डीएलएड का छात्र है।

भारती की बहन ने पुलिस को बताया कि सावंत अक्सर भारती पर शक करता था और उसके साथ मारपीट भी करता था। 4 अगस्त की रात भारती ने फोन कर अपनी बहन को बताया था कि सावंत ने उसके साथ मारपीट की है और वह वापस अपने गांव कोकपुर आना चाहती है। बहन ने उसकी मदद के लिए किराए और अन्य खर्च के लिए 3 हजार रुपए ऑनलाइन भेजे थे। लेकिन भारती गांव लौट पाती, उससे पहले ही आरोपी ने उसे मौत के घाट उतार दिया। 5 अगस्त को जब परिजन मेकाहारा पहुंचे तो उन्होंने भारती का शव स्ट्रेचर पर पड़ा देखा। परिजनों के मुताबिक, उसके बाई आंख के पास, कनपटी पर चोट और खरोंच के निशान थे। वहीं गर्दन के पीछे और ठोड़ी पर भी चोट के निशान दिखाई दे रहे थे।

परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

बीजेपी जॉइन करने के बाद संसद में पहली बार पुराने अंदाज में दिखे राघव चड्ढा

डॉक्टरों और पैथोलॉजी लैब के बीच कट मनी का उठाया मामला

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी का दामन छोड़कर बीजेपी में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा गुरुवार को संसद में पुराने अंदाज में बोलते नजर आए। उन्होंने सदन में डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटर के बीच सांठगांठ का मसला उठाया और कहा कि डॉक्टर जानबूझकर मरीजों को किसी खास डायग्नोस्टिक सेंटर भेजते हैं ताकि उन्हें कमीशन मिल सके जिसे रेफरल कमीशन कहा जाता है।

रेफरल इंसेंटिव और कट मनी अरेंजमेंट का जिक्र

राघव चड्ढा ने राज्यसभा में रेफरल इंसेंटिव और कट मनी अरेंजमेंट का जिक्र करते हुए बताया कि कुछ डॉक्टर्स और कुछ डायग्नोस्टिक सेंटर के बीच इस तरह की सांठगांठ चल रही है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटर के बीच यह एक अनौपचारिक व्यवस्था बन चुकी है। यह व्यवस्था इलाज करने के लिए नहीं है बल्कि रेफर करने के लिए सिर्फ डॉक्टर की जेब में 3,000 डाला जाता है। सेट कमीशन रेट है, खास एजेंट है, एक पैरेलल इंसेंटिव इकोनॉमी चल रही है।

क्या होता है डॉक्टर का रेफरल कमीशन?

राज्यसभा सांसद ने कहा, 'सोफिस्टिकेटेड भाषा में इसे 'डॉक्टर का रेफरल कमीशन' और डायग्नोस्टिक सेंटर के खातों में इसे 'मार्केटिंग एक्सपेंस' के तौर पर लिखा जाता है। यह कमीशन आम तौर पर एक परसेंटेज ऑफ द प्रोसीजर कॉस्ट पर चार्ज की जाती है और कहीं-कहीं तो डायग्नोस्टिक सेंटर डॉक्टर को विदेश दौरे पर भी भेजते हैं।'

एमसीआई रेफरल कमीशन कर चुका है बैनः राघव चड्ढा

राघव चड्ढा ने बताया कि 2002 में मेडिकल कॉउंसिल ऑफ इंडिया के कोड ऑफ एथिक्स रेगुलेशन 6.4 ने इस प्रैक्टिस को बैन करते हुए कहा कि यह फीस स्प्लिटिंग है, इसे हम बैन करते हैं। 2023 में नेशनल मेडिकल कमीशन ने 'रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर रेगुलेशन 2023' में इसे स्पेसिफिकली बैन किया 'रेफरल कमीशन' कहते हुए और 1 से 3 महीने की सस्पेंशन तक लगा दी। और ग्रॉस वायलेशन में इस पर चीटिंग, कॉन्स्पिरेशन और कंज्यूमर प्रोटेक्शन की धाराएं भी लग सकती हैं।'

राघव चड्ढा ने डॉक्टरों के कमीशन का समझाया पूरा गणित

सांसद ने कहा कि यह जो पैसे का बोझ है, कट मनी का बर्डन, यह डायग्नोस्टिक सेंटर नहीं उठाता। यह मरीज के खाते में जाता है। उसके बिल में बेक-इन करके लगा दिया जाता है। 'इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स' बताती है कि इससे मेडिकल बिल जो है ट्रीटमेंट का बिल, वह 15 से 20% पेशेंट का कभी-कभार बढ़ जाता है। सांसद ने कहा कि इन्फ्लेटेड बिल भी प्रॉब्लम नहीं है, प्रॉब्लम यह है कि अनावश्यक मेडिकल टेस्ट और ओवर-रेफरल्स की एक प्रैक्टिस कहीं न कहीं शुरू हो रही है। यह मांग जो है यह डॉक्टर्स के खिलाफ नहीं है, यह सिर्फ एक कट मनी रेफरल सिस्टम के खिलाफ है। हमारे देश के डॉक्टर्स को हम भगवान का दूसरा रूप मानते हैं। जब कोई जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहा होता है तो डॉक्टर उसकी उम्मीद की आखिरी किरण होती है। और ज्यादातर डॉक्टर्स, पूरी ईमानदारी से, लगन से, निष्ठा से मरीज की सेवा करते हैं। लेकिन कुछ डॉक्टर्स, इस रेफरल सिस्टम में फंस रहे हैं।'राघव चड्ढा ने डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटर के बीच इस रिश्ते पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है और खासतौर पर यह टियर-2, टियर-3 शहरों में देखा जाता है कि यह रेफरल कमीशन जो है, डॉक्टर्स और डायग्नोस्टिक सेंटर के बीच में, यह एक इनफॉर्मल इकोनॉमी बनता जा रहा है। इसे रोकना चाहिए।

पति से प्रॉपर्टी खरीदकर बचा लिया 6.92 करोड़ का टैक्स

आयकर विभाग हारा केस, आईटीएटी का बड़ा फैसला

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई की एक महिला ने शेयर बेचकर करीब 8.31 करोड़ रुपये का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन कमाया। टैक्स बचाने के लिए उन्होंने इस रकम का बड़ा हिस्सा अपने पति की प्रॉपर्टी खरीदने में लगा दिया और इनकम टैक्स एक्ट की धारा 54एफ के तहत करीब 6.92 करोड़ रुपये की टैक्स छूट का दावा किया।

इनकम टैक्स विभाग ने इस लेनदेन को टैक्स बचाने की कोशिश बताते हुए छूट देने से इनकार कर दिया। मामला मुंबई आईटीएटी पहुंचा, जहां ट्रिब्यूनल ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाया। जुहू की रहने वाली मोटवानी ने वित्त वर्ष 2020-21 में कुछ अनलिस्टेड शेयर बेचे थे। इससे उन्हें करीब 8.31 करोड़ रुपये का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन हुआ। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सांताक्रूज वेस्ट स्थित जुहू तारा रोड की एक रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी खरीदने के लिए करीब 7.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया। खास बात यह थी कि यह प्रॉपर्टी किसी बाहरी व्यक्ति की नहीं, बल्कि उनके पति की थी। प्रॉपर्टी उनके पति की सोल प्रोपराइटरशिप फर्म एचपी ट्रेडिंग के नाम से थी।महिला ने इस खरीद के आधार पर करीब 6.92 करोड़ रुपये की धारा 54एफ की टैक्स छूट का दावा किया। उनका कहना था कि यह प्रॉपर्टी उनके भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए खरीदी गई है और आगे चलकर इसे किराये पर दिया जा सकता है। वह इस घर में खुद रहने वाली नहीं थीं। इनकम टैक्स विभाग को पति-पत्नी के बीच हुआ यह लेनदेन सामान्य नहीं लगा। विभाग का मानना था कि दोनों ने मिलकर टैक्स बचाने के लिए यह व्यवस्था की थी। महिला के पति को प्रॉपर्टी बेचने से करीब 4.85 करोड़ रुपये का शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन हुआ था। उनके पास करीब 3.56 करोड़ रुपये का बिजनेस लॉस भी था, जिसे उन्होंने कैपिटल गेन के एक हिस्से के खिलाफ सेट-ऑफ किया। विभाग के अनुसार, इस लेनदेन से दोनों को टैक्स का फायदा मिला। पत्नी ने 54एफ के तहत बड़ी टैक्स छूट का दावा किया, जबकि पति ने अपने बिजनेस लॉस को कैपिटल गेन के खिलाफ एडजस्ट किया।इसी आधार पर असेसिंग ऑफिसर ने इस लेनदेन को कलरेबल डिवाइस यानी टैक्स बचाने की योजना माना और 30 दिसंबर 2022 को करीब 6.92 करोड़ रुपये की 54एफ छूट खारिज कर दी। बाद में सीआईटी(ए) ने भी विभाग के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद महिला ने मुंबई आईटीएटी का रुख किया।

अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप ने असम बाढ़ पीड़ितों के लिए दी करोड़ों की सहायता

गुवाहाटी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। असम में आई विनाशकारी बाढ़ को देखते हुए उद्योग जगत भी सहायता में आगे आया है। अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता ग्रुप वेदांता ग्रुप ने असम के बाढ़ राहत एवं सहायता कोष में 7 करोड़ रुपये के योगदान किया है। इसकी सूचना खुद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दी है।

मुख्यमंत्री ने की सराहना

सरमा ने राज्य में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों के राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और वेदांता ग्रुप की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा, श्री @अनिल अग्रवाल_वेद जी लंबे समय से असम की विकास यात्रा के प्रबल समर्थक रहे हैं और वेदांता समूह ने हमारे राज्य में महत्वपूर्ण निवेश किए हैं। असम इस भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है, ऐसे समय में वेदांता ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए 7 करोड़ का योगदान देकर एक

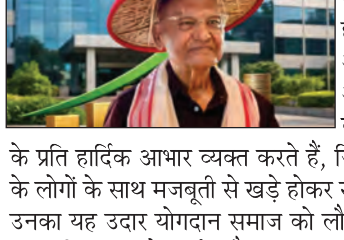

बार फिर आगे बढ़कर सहयोग किया है। हम श्री अनिल अग्रवाल और वेदांता समूह के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़े होकर सहयोग दिया। उनका यह उदार योगदान समाज को लौटाने में उनके अटूट विश्वास को दर्शाता है।

कहां होगा उपयोग

हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस राशि का उपयोग तत्काल राहत कार्यों जैसे बाढ़ पीड़ितों के भोजन, उनके आश्रय, पीने का पानी और स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने में होगा। इसके साथ ही बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास में भी इस राशि का इस्तेमाल होगा।

मुकेश अंबानी ने जितना जिंदगीभर कमाया

एलन मस्क ने उससे ज्यादा एक दिन में गंवाया

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में बुधवार को भारी गिरावट देखने को मिली। उनकी कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में बुधवार को 13.61% गिरावट आई जबकि टेस्ला का शेयर भी 1.77% लुढ़क गया। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इससे मस्क की नेटवर्थ में 89.6 अरब डॉलर की गिरावट आई। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 85.7 अरब डॉलर से ज्यादा है। इसके साथ ही मस्क की नेटवर्थ 687 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ 68.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। बुधवार को दुनिया के 10 टॉप रईसों में से 8 की नेटवर्थ में गिरावट आई। मस्क के बाद सबसे ज्यादा नुकसान लैरी पेज को हुआ। गूगल के कोफाउंडर की नेटवर्थ 11.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 309 अरब डॉलर रह गई। उनके जोड़ीदार सर्गेई ब्रिन को 10.5 अरब डॉलर की चपत लगी। वह 288 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर खिसक गए।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में?

ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 292 अरब डॉलर की तेजी के साथ अब तीसरे नंबर पर

आ गए हैं। इस साल 99.3 अरब डॉलर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाले माइकल डेल 239 अरब डॉलर के साथ पांचवें नंबर पर हैं। मार्क जकरबर्ग ($210 अरब) इस लिस्ट में छठे, लैरी एलिसन ($197 अरब) सातवें, जेंसन हुआंग ($182 अरब) आठवें, स्टीव बालमर ($171 अरब) नौवें और बर्नार्ड आरनॉल्ट ($163 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी का हाल

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में बुधवार को 27.2 लाख डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ 28.1 अरब डॉलर बढ़ी है। अंबानी की नेटवर्थ में बुधवार को 51.4 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 22 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

सोने की कीमत 2,735 बढ़कर 1.48 लाख हुई

6 दिन में 5,501 दाम बढ़ चुके; चांदी आज 931 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 6 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,735 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 931 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 5,501 और चांदी 7,198 रुपए महंगी हो चुकी है।

सोने-चांदी के दाम में तेजी के प्रमुख दो कारण

अमेरिकी डॉलर का कमजोर होनाः डॉलर के कमजोर पड़ने से डॉलर में कीमत वाली सोना-चांदी विदेशी खरीदारों के लिए सस्ती हो जाती है, जिससे मांग बढ़ती है। इससे भी सोने-चांदी को सपोर्ट मिल रहा है। ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आए सोना-चांदीः 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई पहुंच गए थे। तक से इनकी कीमत काफी नीचे आ चुके हैं, ऐसे में निवेशक इसमें खरीदारी कर रहे हैं।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 15 हजार रुपए महंगा हुआ है।

31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

यूएस से फिर आई 'टैरिफ सुनामी', 100% टैक्स बिल दे रहा ये संकेत

भारत-चीन को रूसी तेल खरीदने की चुकानी होगी कीमत?

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप एक ऐसे नेता बनकर उभरे हैं, जिन्हें पढ़ या समझ पाना आसान नहीं है। हर पल उनके बयान बदलते रहते हैं, उनके एक्शन बदलते रहते हैं। एक साल पहले 5 अगस्त 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस से कच्चे तेल खरीदने पर भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। इस अतिरिक्त टैरिफ के बाद भारत पर कुल टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया था। लेकिन एक साल में बहुत कुछ बदला। टैरिफ कम हुआ। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार दिया। और इस समय भारत में बने लगभग 70% एक्सपोर्ट जिनमें टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग का सामान और केमिकल शामिल हैं पर 10% का बेसलाइन 'सेक्शन 301' टैरिफ लगाता है। स्टील, एल्यूमीनियम और ऑटो जैसे खास रणनीतिक सेक्टर पर 25% से 50% तक का अलग और ज्यादा शुल्क लगता है। इन बदलाव के बीच अब अमेरिका भारत पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है। इस संबंध में अमेरिका में एक नया बिल लाया गया है, जो कानून बनने पर ट्रंप को रूस से ज्यादा तेल खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का अधिकार देगा। इससे उन देशों पर नुकसान हो सकता है, जो रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करते हैं। इसमें चीन और भारत दोनों शामिल हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या भारत को ट्रंप की धमकियों और 100% वाले टैरिफ बिल के बावजूद रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखना चाहिए या नहीं? आइए इसे डिकोड करने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका का वो बिल जो देगा 100% टैरिफ लगाने की छूट

अमेरिका में जो नया बिल पेश हुआ है उसका नाम- 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026' है। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति उन देशों पर 100% तक टैरिफ लगा सकेंगे, जो रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस खरीदते हैं। अमेरिकी के इस नए बिल के मुताबिक हर 180 दिन में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि रूस से सबसे ज्यादा ऊर्जा खरीदने वाले पांच देशों की समीक्षा करेगा। इसके बाद राष्ट्रपति तय करेंगे कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाए और किन्हें छूट मिले।

रूस से भारत समेत ये देश खरीदते हैं सबसे ज्यादा तेल

रूस से सबसे ज्यादा ऊर्जा खरीदने वाले देशों में भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान है। हालांकि, अगर कोई देश अपनी कुल ऊर्जा जरूरत का 15% से कम हिस्सा रूस से खरीदता है और रूस पर निर्भरता कम करने की कोशिश करता है, तो उसे टैरिफ से छूट मिल सकती है।

क्या भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा?

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यूरोप ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया था। इसके बाद रूस ने भारत को रियायती कीमतों पर तेल बेचना शुरू किया। आज स्थिति यह है कि भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 50-55% तक पहुंच चुकी है। जुलाई में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर रहा।विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी तेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा और रिफाइनरी उद्योग के लिए बेहद अहम बन चुका है। इसकी संभावना फिलहाल बहुत कम है कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। केप्लर के विशेषज्ञ सुमित रितोलिया के अनुसार, रूसी तेल भारत के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है।

सेंसेक्स 374 अंक चढ़कर 78,955 पर बंद

निफ्टी मामूली बढ़त के साथ 24,636 पर पहुंचा

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 6 अगस्त को तेजी रही। सेंसेक्स 374 अंक चढ़कर 78,955 पर बंद हुआ। निफ्टी में 11 अंकों की बढ़त रही, ये 24,636 पर आ गया है। आज के कारोबार में बैंकिंग शेयरों में खरीदारी और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही। घरेलू शेयर बाजार ने गुरुवार को सकारात्मक शुरुआत की। कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज समेत कुछ बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 201.43 अंक चढ़कर 78,782.43 पर पहुंच गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 16.35 अंक बढ़कर 24,641 पर कारोबार करता दिखा।

विशेषज्ञों के अनुसार, सोमवार से शेयर बाजार में उन कंपनियों के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन लागू किया गया है, जिनके शेयरों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस का कारोबार होता है। यह नई व्यवस्था शेयरों के क्लोजिंग प्राइस को अधिक पारदर्शी और मजबूत तरीके से तय करने के लिए शुरू की गई है।वहीं, विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे कमजोर होकर 95.15 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों पर निवेशकों की नजर बनी हुई है, जिससे दिनभर बाजार की दिशा तय हो सकती है।

सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार के दौरान जिन कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही, उनमें शामिल हैं- टाइटन रिलायंस इंडस्ट्रीज, इटरनल भारत इलेक्ट्रॉनिक्स भारतीय स्टेट बैंक एशियन पेंट्स वहीं पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली।अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.13 प्रतिशत गिरकर 79.35 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रही थी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए सकारात्मक माना जाता है, क्योंकि इससे महंगाई और आयात बिल पर दबाव कम हो सकता है। बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार चौथी बार रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया। केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख भी 'न्यूट्रल' बनाए रखा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	वृष	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
कर्क---	04-26 बजे
सिंह---	06-42 बजे
कन्या--	08-48 बजे
तुला----	10-54 बजे
वृश्चिक--	13-04 बजे
धनु----	15-18 बजे
मकर--	17-24 बजे
कुंभ---	19-14 बजे
मीन---	20-52 बजे
मेष----	22-28 बजे
वृष-----	00-14 बजे
मिथुन--	02-14 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त. 18 -48
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष शुक्रवार 07 August 2026
तिथि - नवमीं 16-37 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - कृत्तिका 18-42 तक उप रोहिणी
योग - वृध्दि 12-10 तक उप ध्रुव
करण - गर 16-37 तक उप वणिज

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-46 से 12-22 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
चंचल	05 -56 - 07-34	शुभ
लाभ	07-34 - 09-10	शुभ
अमृत	09-10 - 10-46	शुभ
काल	19-46 - 12-22	अशुभ
शुभ	12-22 - 13-58	शुभ
रोग	13-58 - 15-34	अशुभ
उत्पात	15-34 - 17-10	अशुभ
चंचल	17-10 - 18-48	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-48 - 20-10	अशुभ
काल	20-10 - 21-34	अशुभ
लाभ	21-34 - 22-58	शुभ
उत्पात	22-58 - 00-22	अशुभ
शुभ	00-22 - 01-46	शुभ
अमृत	01-46 - 03-10	शुभ
चंचल	03-10 - 04-34	शुभ
रोग	05-34 - 05-56	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आप भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है ।आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ ।अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी ।आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से ख़ुशी होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी ।सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

अनिल अंबानी को बड़ा झटका, जेपी एसोसिएट्स की तरह दिवालिया होकर बिकेगी कंपनी; एनसीएलटी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। एक समय भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति रहे अनिल अंबानी पर आए दिन एक नई मुसीबत आ जाती है। उनकी कई कंपनियों के खिलाफ फ्रॉड केस चल रहे हैं। कुछ कंपनियां दिवालिया होकर बिक चुकी हैं, तो कुछ कि बिकने की कगार पर हैं। अब एक ऐसी ही खबर आई है, जो अनिल अंबानी के लिए किसी झटके से कम नहीं।

रिलायंस इन्फ्रा की सहायक कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की एनसीएलटी ने मंजूरी दे दी है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई पीठ ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, केएम टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया शुरू करने की याचिका स्वीकार कर ली है।यानी अब इस कंपनी का हाल जेपी एसोसिएट्स जैसा ही होगा। खरीदार अपना रेजोल्यूशन प्लान देंगे। जो प्लान लेंडर्स को पसंद आएगा, उसे कंपनी बेच दी जाएगी। जेपी एसोसिएट्स के केस में गौतम अदाणी को जीत मिली थी। अनिल अंबानी की केएम टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी एनसीएलटी ने एसबीआई की अपील के बाद दी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों (बीएसई और एनएसई) को दी गई आधिकारिक सूचना के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक ने बकाया ऋण न चुकाने के कारण केएम टोल रोड के खिलाफ दिवालिया कानून की धारा 7 के तहत याचिका दायर की थी। एनसीएलटी ने 22 जुलाई, 2026 को अपने आदेश में इस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसकी जानकारी कंपनी को 5 अगस्त, 2026 को प्राप्त हुई।

यूनिवर्सिटी में हंगामा: छात्रसंघ चुनाव को लेकर एबीवीपी ने सरकार को दी उग्र आंदोलन की चेतावनी, 36 कार्यकर्ता हिरासत में

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन तेजी पकड़ रहे हैं। इसी मांग को लेकर राजस्थान यूनिवर्सिटी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान कई छात्र यूनिवर्सिटी के गेट पर चढ़ गए। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान सरकार के द्वारा मांग नहीं मानने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 36 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है।

प्रदर्शन के दौरान राजस्थान यूनिवर्सिटी में काफी हंगामा हुआ। प्रदर्शनकारियों के गेट पर चढ़ने के बाद काफी अफरा-तफरी वाला माहौल रहा। इसके बाद प्रदर्शन आगे बढ़ाते हुए कार्यकर्ता जेएलएन मार्ग की तरफ निकलने लगे। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने हस्तक्षेप किया और कार्रवाई करते हुए 36 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

एबीवीपी का कहना है कि अगर सरकार ने जल्द छात्रसंघ चुनाव बहाल नहीं किए तो संगठन बीजेपी सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन करेगी। संगठन ने जयपुर से प्रदेशभर में आंदोलन चलाने का ऐलान किया है। परिषद का कहना है कि अब छात्रसंघ चुनाव की मांग को और जोर-शोर से उठाया जाएगा और इसे पूरे प्रदेश में अलग-अलग जगहों तक पहुंचाया जाएगा।

वहीं, छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर उदयपुर में चल रहे प्रदर्शन के बीच मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का माहौल अचानक गरमा गया। दोपहर करीब 12 बजे एबीवीपी और एनएसयूआई के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। पहले आर्ट्स कॉलेज के मुख्य गेट को बंद कराने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। इसके बाद कुलपति कार्यालय पहुंचने पर झंडा हटाने की बात को लेकर फिर विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया और मामला शांत कराया।

राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार आंदोलन हो रहे हैं। इससे पहले एनएसयूआई भी चुनाव बहाली की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुकी है। वहीं, निर्दलीय छात्र नेता भी अलग-अलग स्तर पर आंदोलन कर रहे हैं। छात्र नेता शुभम रेवाड़ का आमरण अनशन भी इसी मुद्दे को लेकर प्रदेशभर में चर्चा में चल रहा था। एबीवीपी के प्रदर्शन के बाद आरएलपी के कार्यकर्ता भी सड़कों पर उतर आए हैं। गौरतलब है कि पिछले तीन साल से राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगी हुई है। वहीं छात्रों का कहना है कि छात्रसंघ चुनाव उनका अधिकार है और अपनी इसी मांग को लेकर प्रदेशभर में छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं।

10-11 जातियों का ही राजनीति में दबदबा

सीएम भजनलाल को सौंपी ओबीसी आयोग की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रिपोर्ट सौंप दी, जिसमें खुलासा हुआ है कि ओबीसी की 10-11 जातियों में जातिवार एक हजार से अधिक लोगों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल पाया। सूत्रों के अनुसार ओबीसी व अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) को आरक्षण का अलग-अलग प्रावधान नहीं है। 309 नगरीय निकायों में से 60 के अध्यक्ष पद ओबीसी के लिए आरक्षित किए जाएंगे। लगभग इसी अनुपात में पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण रहेगा। यह रिपोर्ट कैबिनेट की बैठक में रखी जाएगी। इस बार लॉटरी पर्ची के बजाय कम्प्यूटर से निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री आवास पर आयोग अध्यक्ष पूर्व जिला न्यायाधीश मदन लाल भाटी ने सदस्य राजीव सक्सेना, मोहन मोरवाल, गोपाल कृष्ण और पवन मंडाविया के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री मदन दिलावर, झाबर सिंह खर्रा और जोगाराम पटेल भी मौजूद रहे। इस रिपोर्ट के आधार नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण दिया जाएगा। अब राजस्थान सरकार आयोग की सिफारिशों का अध्ययन कर आगे की प्रक्रिया अपनाएगी।

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट दो भाग में है और दोनों को मिलाकर करीब 900 पन्नों में जानकारी दी गई। इसमें से पहले भाग में जनाधार, फील्ड सर्वे, पिछले दो पंचायत-निकाय चुनाव से संबंधित डेटा, केंद्र व राज्य की ओबीसी से संबंधित योजनाएं, सर्वे में सामने आया ओबीसी का जातिवार राजनीतिक प्रतिनिधित्व का विवरण है। करीब 74.85 लाख परिवारों का सर्वे किया गया, जिसके तहत 19 प्रश्न पूछे गए। इनमें परिवार में राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलने से संबंधित प्रश्न भी शामिल था।

इसके अनुसार जाट जाति की प्रदेश में सबसे अधिक आबादी है और राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी सबसे अधिक इसी जाति का रहा। दूसरे भाग में पंचायत-निकायों के लिए वार्ड और पदवार ओबीसी का प्रतिनिधित्व सुझाया गया है। जानकारी में आया है कि पिछले दो चुनावों में आरक्षण के कारण ओबीसी को कुल के 10 से 14 प्रतिशत पदों पर प्रतिनिधित्व मिला, लेकिन सामान्य पदों पर जीत के कारण पंचायतों में यह प्रतिशत 46 व शहरी निकायों में 38 प्रतिशत पहुंच गया। सूत्रों के अनुसार आयोग ने आरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों में किस प्रकार के बदलाव की सिफारिश नहीं की है। आरक्षण की सही तस्वीर लॉटरी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामने आएगी। मुख्यमंत्री को आयोग की ओर से गोल्डन कलर के कवर में लपेटकर रिपोर्ट दी गई, वहीं आयोग प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को तीन रंग वाला गुलदस्ता भेंट किया।

कमर्शियल एरिया में चल रहे कोचिंग संस्थानों पर सुप्रीम कोर्ट ने जेडीए को लगाई फटकार, तीन हफ्ते में मांगा जवाब

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में कमर्शियल एरिया में चल रहे कोचिंग संस्थानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान जयपुर विकास प्राधिकरण से जवाब मांगा। कोर्ट ने कहा कि जब कोचिंग संस्थानों को शिफ्ट करने के लिए अलग भवन पहले से बने हुए हैं, तो वे अब भी कमर्शियल इलाकों में क्यों चल रहे हैं। कोर्ट ने जेडीए से कहा है कि वह तीन हफ्ते के अंदर बताए कि इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई है और आगे समस्या दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बताया कि सरकार ने कोचिंग संस्थानों को स्थानांतरित करने के लिए विशेष बहुमंजिला भवन बनवाए हैं। इसके बावजूद कई कोचिंग संस्थान अब भी कमर्शियल इलाकों में चल रहे हैं। इतना ही नहीं, जिन भवनों का उपयोग कोचिंग शिफ्टिंग के लिए होना था, उनका आवंटन दूसरी संस्थाओं को किया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई। लेकिन साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि ऐसे आवंटन मान्य नहीं होंगे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का जो भी अंतिम फैसला आएगा, वही मान्य होगा। तब तक किसी को भी इन भवनों पर स्थायी हक नहीं मिलेगा।

सुनवाई के दौरान जयपुर के मास्टरप्लान से संबंधित मुद्दे भी उठे। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि कई जगहों पर जिस जमीन का इस्तेमाल एक खास काम के लिए होना था, वहां दूसरे काम किए जा रहे हैं। वहीं लोगों ने जो जमीन जेडीए को सौंपी थी, उसका भी सही तरीके से इस्तेमाल नहीं हो रहा। कई जगहों पर अतिक्रमण की शिकायतें भी सामने आई हैं। कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीर बताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति चिंताजनक है।

जर्जर स्कूल भवनों को शीघ्र ध्वस्त करने के निर्देश

10 दिन में 100 फीसदी सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य

उदयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी विद्यालयों की सुरक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने सख्त कदम उठाया है। प्रदेश के सभी राजकीय विद्यालय भवनों का 100 प्रतिशत सुरक्षा ऑडिट आगामी 10 दिन में पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों (सीडीईओ) एवं समग्र शिक्षा के जिला परियोजना समन्वयकों को स्पष्ट कहा है कि सुरक्षा ऑडिट में ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। तय समय में ऑडिट पूरा कर उसकी रिपोर्ट राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद को भेजनी होगी। इसकी प्रति प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय को भी देनी होगी।

शिक्षा विभाग ने यह कार्रवाई राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित जनहित याचिका में दिए गए निर्देशों की पालना में की है। विभाग ने कहा कि बिना सुरक्षा प्रमाण-पत्र (सेफ्टी सर्टिफिकेट) वाले किसी भी राजकीय विद्यालय भवन का उपयोग नहीं किया जाएगा। ऐसे में जिन स्कूल भवनों का अब तक सुरक्षा ऑडिट नहीं हुआ है, उन्हें प्राथमिकता से पीडब्ल्यूडी के जरिये जांच करवाकर सुरक्षा प्रमाण-पत्र जारी कराना होगा।

निर्देशों में केवल नियमित विद्यालय भवन ही नहीं, बल्कि वे भवन भी शामिल हैं जहां असुरक्षित घोषित स्कूलों को अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया है। इनमें अन्य सरकारी विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र अथवा सार्वजनिक भवन शामिल हैं।

निदेशालय ने कई जिलों से मिली शिकायतों का भी उल्लेख किया है, जिनमें अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, कनिष्ठ अभियंता एवं सहायक अभियंताओं की ओर से सुरक्षा ऑडिट कार्य में सहयोग नहीं देने की बात सामने आई है। ऐसे कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव राज्य स्तर पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने साफ किया कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो जिम्मेदारों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग ने उन विद्यालय भवनों पर भी ध्यान देने को कहा है, जिन्हें पूर्व में सर्वे या पुनः सर्वे के बाद पूरी तरह जर्जर घोषित किया जा चुका है। ऐसे भवनों को खाली कराकर शीघ्र ध्वस्त करने करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना, जनहानि या अप्रिय घटना से बचा जा सके। इसके लिए अभियंताओं के सहयोग से तत्काल प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है।

आदेश में संभागीय संयुक्त निदेशकों, जिला शिक्षा अधिकारियों, समग्र शिक्षा के अधिकारियों और अभियंताओं को सुरक्षा ऑडिट की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा समयबद्ध रिपोर्ट राज्य मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया कि अभियान की प्रगति पर नजर रखी जाएगी और प्रत्येक जिले की जवाबदेही तय होगी।

भीषण आग में 2 दर्जन से अधिक वाहन जलकर राख; धमाकों से इलाके में दहशत

जोधपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में प्रतापनगर बस स्टैंड के निकट कमला नेहरू नगर स्थित एक कार सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा सर्विस सेंटर आग के गोले में तब्दील हो गया। आग की चपेट में आने से वहां खड़े दर्जनों वाहन जलकर राख हो गए। हादसे के वक्त सर्विस सेंटर में करीब 80 से ज्यादा गाड़ियां थी।

आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंची। कई घटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आग से बड़े नुकसान की आशंका जताई जा रही है। शहर में प्रतापनगर बस स्टैंड के निकट कमला नेहरू नगर स्थित एक कार सर्विस सेंटर में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। आग इतनी विकराल थी कि देर रात तक पूरा सर्विस सेंटर आग का गोला बना रहा। इस दौरान सर्विस सेंटर से लगातार धमाकों की आवाजें आती रहीं, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग की चपेट में आने से दो दर्जन से अधिक कारें जलकर राख हो गईं। सर्विस सेंटर पर वाहनों की डेंटिंग-पेंटिंग का कार्य होता है और उस समय भी बड़ी संख्या में वाहन सर्विस के लिए खड़े थे। इनमें कई वाहन पेट्रोल और सीएनजी से संचालित थे। आग फैलते ही इन वाहनों में एक के बाद एक धमाके होने लगे, जिससे आग और भी विकराल होती चली गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीमों को एक दर्जन से अधिक चक्कर लगाने पड़े। दमकलकर्मी देर रात तक आग बुझाने में जुटे रहे।

सहकारिता विभाग में वीडियो कॉल से खुली अफसरों की पोल

घर पर मिला निरीक्षक सस्पेंड

जोधपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशन के पास स्थित राजीव गांधी सहकार भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों के समय पर दफ्तर नहीं मिलने की लगातार शिकायतों के बाद सहकारिता विभाग ने निगरानी का नया तरीका अपनाया है। सहकारिता विभाग के सचिव व रजिस्ट्रार समित शर्मा अब अधिकारियों को रैंडम वीडियो कॉल कर उनकी वास्तविक लोकेशन और ड्यूटी की स्थिति जांच रहे हैं। इस कार्यवाही में अब तक तीन निरीक्षकों की जांच की गई, जिसमें एक को निलंबित कर दिया गया, जबकि दो को दूसरे शहरों में ग्रामीण शिविरों में भेज दिया गया। पिछले दिनों क्रय-विक्रय सहकारी समिति, मथानिया में पदस्थापित निरीक्षक उम्मेद सिंह हुड्डा को वीडियो कॉल किया गया। वे मथानिया के बजाय जोधपुर स्थित अपने घर पर मिले। इसके बाद उन्हें निलंबित कर मुख्यालय जैसलमेर कर दिया गया।

चर्चित हत्याकांड में 11 साल बाद फैसला

40 आरोपी बरी, पीड़ित परिवार का सवाल- फिर किसने की 6 लोगों की हत्या?

नागौर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। नागौर जिले के डांगावास कस्बे में 6 लोगों की हत्या के 11 साल 2 महीने और 22 दिन पुराने मामले में मेड़ता के अनुसूचित जाति-जनजाति विशिष्ट न्यायालय ने फैसला सुनाया। इस मामले की जांच सीबीआइ ने कर 40 आरोपियों को जेल भिजवाया था। न्यायाधीश आशीष बिजराणियां ने सभी आरोपियों को विधि सम्मत साक्ष्य के अभाव में बरी करने का फैसला सुनाया। कोर्ट में फैसला सुनाए जाने दौरान दोनों पक्षों के काफी लोग कोर्ट परिसर में मौजूद रहे। इस दौरान अहतियातन पुलिस जाब्ता तैनात रहा। दूसरी ओर पीड़ित पक्ष ने न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए हाइकोर्ट में पिटीशन दायर करने की बात कही।

न्यायालय ने संदेह का लाभ देते सभी 40 अभियुक्तों को दोषमुक्त किया। न्यायालय ने अपील अवधि तक धारा 437-ए सीआरपीसी के प्रावधानों की पालना के लिए प्रत्येक अभियुक्त से 50 हजार रुपए का व्यक्तिगत बंधपत्र और 50 हजार रुपए का प्रतिभूति पत्र लेने के आदेश दिए हैं। न्यायालय ने इस प्रकरण मामले से जुड़े आर्टिकल संख्या 1 से 75 तक सभी सामग्री को सुरक्षित रखने के निर्देश दि हैं। विवादित जमीन के खातेदारी संबंधी अधिकारों को लेकर न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संबंधित पक्षकारों के सिविल एवं राजस्व अधिकार सक्षम न्यायालय में पूरी तरह खुले और अप्रभावित रहेंगे। इसके साथ ही पीड़ित पक्ष एवं मृतकों के आश्रितों को धारा 357-ए के तहत राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना के अनुसार उचित मुआवजा निर्धारित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समक्ष आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

न्यायाधीश आशीष बिजारनियां ने फैसले में कहा कि यद्यपि अभियुक्त दोषमुक्त हो रहे है, तथापि यह तथ्य निर्विवाद रूप से सिद्ध है कि 14 मई 2015 की घटना में पांच व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। अनेक व्यक्ति गंभीर रूप से आहत हुए। दोषमुक्ति का यह अर्थ नहीं कि अपराध घटित ही नहीं हुआ। इसका अर्थ मात्र यह है कि उसे कारित करने वाले व्यक्ति विधिसम्मत साक्ष्य द्वारा अभिनिश्चित नहीं हो सके। ऐसी स्थिति में पीड़ितगण एवं मृतकगण के आश्रितगण, धारा 357-कदंड प्रक्रिया संहिता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) नियम 1955 के नियम 12 (4) एवं अनुसूची तथा राजस्थान पीड़ित प्रतिकार स्कीम के उपबंधों के अंतर्गत राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम के अधीन समुचित प्रतिकर अवधारित किए जाने के लिए प्रकरण संस्तुति सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्दिष्ट किया जाता है।

जेल जाने से पहले फूलों से स्वागत, एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले नरेश मीणा ने टोंक में किया सरेंडर

टोंक, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले में गुरूवार को एसडीएम थप्पड़कांड और समरावता मामले को लेकर नरेश मीणा ने नगरफोर्ट पुलिस थाने में सरेंडर कर दिया है। उन्हें अब टोंक कोर्ट पेश किया जा रहा है। इससे पहले वह जयपुर से समर्थकों के काफिले के साथ टोंक के लिए रवाना हुए। इस दौरान टोंक से नगरफोर्ट तक के रास्ते में कई स्थानों पर समर्थकों की भीड़ जुटी और उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान समर्थकों ने नारेबाजी भी की। इधर, सरेंडर को देखते हुए नगरफोर्ट सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस का व्यापक बंदोबस्त किया गया। इससे पहले जयपुर से टोंक पहुंचने के दौरान कई स्थानों पर समर्थकों ने नरेश मीणा का जोरदार स्वागत किया। उन्हें फूल-मालाएं पहनाई गई। इसके बा समर्थकों का बड़ा काफिला नगरफोर्ट की ओर बढ़ा। पूरे रास्ते समर्थक उनके समर्थन में नारे लगाते रहे। नगरफोर्ट के निकट बारिश शुरू होने के बावजूद समर्थकों का जोश कम नहीं हुआ और बड़ी संख्या में लोग उनके साथ मौजूद रहे। इस दौरान नरेश तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ के नारे गूंजते रहे। बाद में नरेश ने नगरफोर्ट पुलिस थाने पहुंचकर थाना प्रभारी के समक्ष सरेंडर किया। इसके बाद पुलिस ने लेकर टोंक रवाना हो गई। बता दें कि नरेश मीणा को इस मामले में हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिली थी।

विदेश में नौकरी का झांसा, फिर साइबर स्कैम सेंटर में बंधक बनाकर कराते थे ठगी, 3 और आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के स्टेट साइबर क्राइम थाना ने अंतरराष्ट्रीय साइबर स्लेवरी, मानव तस्करी और साइबर ठगी से जुड़े संगठित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है।

पुलिस के अनुसार यह गिरोह भारतीय युवाओं को विदेश में मोटी तनख्वाह वाली नौकरी का झांसा देकर कंबोडिया, म्यांमार सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भेजता था। वहां उन्हें कथित तौर पर साइबर स्कैम सेंटरों में बंधक बनाकर ऑनलाइन ठगी करने के लिए मजबूर किया जाता था।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चल रहे साइबर अपराध विरोधी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से प्राप्त सूचनाओं, तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा किया जा रहा है। पुलिस ने आरिफ काठात उर्फ दीपू, कानू सिंह उर्फ पायथन और फिरोज काठात उर्फ माफिया को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि फिरोज कंबोडिया में महिला बनकर सोशल मीडिया पर भारतीय नागरिकों से दोस्ती करता था और उन्हें फर्जी क्रिप्टो निवेश योजनाओं में फंसाता था। वहीं कानू सिंह पहले होटल में नौकरी के बहाने कंबोडिया पहुंचा और बाद में कमीशन के लालच में चार अन्य भारतीय युवाओं को भी साइबर स्कैम कंपाउंड तक पहुंचाया। आरिफ पर आरोप है कि वह फर्जी फेसबुक और व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाकर लोगों को नकली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश के नाम पर ठगता था और प्रोसेसिंग फीस के जरिए लाखों रुपये वसूलता था।

रणथंभौर के कोर एरिया में बिना अनुमति उड़ा निजी ड्रोन, वन विभाग ने जुर्माना लगाकर हटवाए वीडियो

सवाई माधोपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के संवेदनशील कोर क्षेत्र स्थित अमरेश्वर महादेव मंदिर में निजी ड्रोन उड़ाने का मामला सामने आया है। सावन माह के दौरान मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में संरक्षित वन क्षेत्र में बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने की घटना ने सुरक्षा और नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक आईआरएस अधिकारी अपने साथियों के साथ अमरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने निजी ड्रोन से रणथंभौर टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र का एरियल वीडियो रिकॉर्ड किया। बताया जा रहा है कि इसके लिए वन विभाग या संबंधित प्राधिकरण से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। मौके पर मौजूद कई श्रद्धालुओं ने भी ड्रोन को उड़ते हुए देखा। सूत्रों के अनुसार ड्रोन से रिकॉर्ड किया गया वीडियो 2 अगस्त को सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। करीब 17 घंटे बाद वन विभाग के कर्मचारियों को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद अधिकारियों ने संबंधित व्यक्ति से संपर्क किया और 3 अगस्त की सुबह सोशल मीडिया से वीडियो और फोटो हटवा दिए। मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने संबंधित व्यक्ति पर 1100 रुपये का जुर्माना लगाया और ड्रोन से रिकॉर्ड किए गए फोटो एवं वीडियो हटाने की कार्रवाई की। हालांकि स्थानीय लोगों के बीच इस कार्रवाई को लेकर चर्चा है। उनका कहना है कि यदि यही कृत्य किसी आम व्यक्ति ने किया होता तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाती।

घेराबंदी के बाद डोडाचूरा तस्करों ने की फायरिंग

जवाबी कार्रवाई में 1 तस्कर ढेर, दूसरा गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के पुर थाना क्षेत्र में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और मादक पदार्थ तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार तस्करों ने पहले पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में आत्मरक्षा के तहत की गई कार्रवाई में एक आरोपी की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान गणपत पुत्र आलाराम (35) निवासी भोपालगढ़, जिला जोधपुर के रूप में हुई है। घायल अवस्था में उसे महात्मा गांधी चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं दूसरा आरोपी महेंद्र गोदारा पुलिस हिरासत में है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि तस्कर एक कार में डोडा-चूरा की खेप लेकर भीलवाड़ा की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने पुर बाईपास पर नाकाबंदी कर संदिग्ध कार को रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय उसकी गति बढ़ा दी और मौके से भागने लगा। इसके बाद पुलिस ने कार का पीछा शुरू किया।

सुप्रीम कोर्ट से बंद पड़ी खदान का सौदा कर 51 लाख की ठगी, जयपुर में बाप-बेटा और बेटी गिरफ्तार

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में सांगानेर और प्रतापनगर थाना पुलिस ने माइनिंग लीज के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर परिवार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश से वर्ष 2017 में बंद हो चुकी माइनिंग खान को वैध बताकर दो अलग-अलग लोगों को बेचने और 51 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में पिता, बेटे और बेटी को चित्तौड़गढ़ जिले से गिरफ्तार किया है। डीसीपी (ईस्ट) रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रामचंद्र बसेर (71), राजेंद्र कुमार (44) और चंदी कुमारी भंडारी (58) बड़ी सादड़ी चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। वर्ष 2017 में चित्तौड़गढ़ के सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य के इको-सेंसिटिव जोन में आने वाली माइनिंग खानों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बंद कर दिया गया था। भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 17 अप्रैल 2017 को इसकी अधिसूचना जारी की थी। संबंधित माइनिंग लीज आरोपी चंदा कुमारी के नाम पर थी, जो उसी समय निरस्त हो चुकी थी।

46 पुलिस टीमों ने 255 स्थानों पर दी दबिश

एरिया डोमिनेशन अभियान में 80 अपराधी गिरफ्तार

सिरोही, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सिरोही जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 80 अपराधियों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान 46 पुलिस टीमों ने जिलेभर में 255 स्थानों पर एक साथ दबिश दी।

पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोर सिंह चौहान के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान लूट, डकैती और संपत्ति संबंधी मामलों के चालानशुदा आरोपियों व हिस्ट्रीशीटरों का घर-घर जाकर सत्यापन किया गया।

अभियान में 6 स्थायी वारंटी, उद्घोषित अपराधी और गिरफ्तारी वारंट में वांछित 46 आरोपी, सामान्य प्रकरणों में वांछित 7 आरोपी तथा धारा 170 बीएनएसएस के तहत 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा आर्म्स एक्ट के तहत भी एक कार्रवाई की गई।

इधर, बरलूट थाना पुलिस ने एक वर्ष पहले जामोतरा गांव के मंदिर में हुई नकबजनी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी कैलाशदान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गधावा मोहल्ला, पिंडवाड़ा निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र हरिश्चंद्र सोनी को गिरफ्तार किया।

महेश बैंक ने 15% डिविडेंड और 29.75 करोड़ का प्रॉफ़िट घोषित किया

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑप. अर्बन बैंक ने 29.75 करोड़ का प्रॉफ़िट (टैक्स से पहले) और 23.29 करोड़ का प्रॉफ़िट (टैक्स के बाद) दर्ज किया है। साथ ही, बैंक ने 2025-26 फाइनेंशियल ईयर के लिए अपने शेयरहोल्डर्स को 15% डिविडेंड देने की घोषणा की है। बता दें कि महेश बैंक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे 4 राज्यों में 45 ब्रांच के नेटवर्क के साथ काम करने वाला एक मल्टी-स्टेट शेड्यूल्ड बैंक है,

आज हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित हेड ऑफिस में बैंक की 50वीं सालाना आम बैठक में चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पालोड ने भरोसा जताने के लिए शेयरहोल्डर्स और ग्राहकों का आभार व्यक्त किया। श्री पालोड ने उम्मीद जताई कि बैंक के कारोबार में होने वाली संभावित बढ़ोतरी के साथ, बैंक आने वाले सालों में भी शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड और स्टाफ सदस्यों को एक्स-ग्रेशिया (अनुग्रह राशि) देना जारी रखेगा।

बैंक की अपनी पूंजी 475.18 करोड़ से बढ़कर 488.66 करोड़ हो गई, और रिज़र्व व सरप्लस भी 444.73 करोड़ से बढ़कर 458.51 करोड़ हो गया है। प्रति शेयर बुक वैल्यू 312.13 से बढ़कर 324.17 हो गई और प्रति शेयर

कमाई 15.38 रही। बैंक का ग्रॉस एनपीए 38.68 करोड़ से घटकर 33.45 करोड़ हो गया, जो कुल लोन एसेट्स का 3.25% है, और नेट एनपीए ज़ीरो बना हुआ है।

चेयरमैन श्री पालोड ने कहा कि बैंक ने 2026-27 फाइनेंशियल ईयर के लिए 37.13% की ग्रोथ रेट के साथ कुल 4100 करोड़ का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 2500 करोड़ की जमा राशि (डिपॉज़िट) और 1600 करोड़ का एडवांस (लोन) शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि बैंक अपनी स्थापना की गोल्डन जुबली मनाने से पहले अपने ब्रांच नेटवर्क को मौजूदा 45 से बढ़ाकर 50 करना चाहता है। उन्होंने यह भी बताया कि टेक्नोलॉजी के मामले में, बैंक ने इस साल सिक्योरिटी ऑपरेशन्स सेंटर और सिक्योरिटी इन्फॉर्मेशन एंड इवेंट मैनेजमेंट , डोमेन बेस्ड मैसेज ऑथेंटिकेशन और दूसरे सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक ने सीबीएस के नए वर्शन के लिए वेंडर तय कर लिए हैं।

सीए मुरली मनोहर पालोद (चेयरमैन), गोविंद नारायण राठी (वाइस-चेयरमैन), डायरेक्टर अमित लड्डा (गग्गू), सीए अलका ज़ंवर, दीपक कुमार बंग, देवेंद्र झावर, कैलाश मंत्री, श्रीमती कविता तोशनीवाल, मुकुंदलाल बहेती, पवन कुमार लोहिया और रूपेश सोनी; प्रोफेशनल डायरेक्टर सीए वरुण राठी और सुमेष कुमार बंग; और बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट के सदस्य (जिनकी अगुवाई चेयरमैन सीए रामदेव भूताड़ा कर रहे थे) – सीए बजरंगलाल झावर, कन्हैयालाल राठी, नरसिंहलाल धूत और इंजीनियर प्रवीण कुमार बहेती; साथ ही बैंक के पूर्व डायरेक्टर और शेयरहोल्डर भी मीटिंग में शामिल हुए।

एमडी और सीईओ हनुमंदास राठी ने मीटिंग में मौजूद सदस्यों द्वारा फाइनेंशियल स्टेटमेंट से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। बैंक के वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने शेयरहोल्डर्स; चेयरमैन मुरली मनोहर पालोद बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स, प्रोफेशनल डायरेक्टर्स, बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट; पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग और पुरुषोत्तम मानधना; पूर्व वाइस-चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी, श्याम सुंदर मुंदडा, रामपाल अटल और श्रीमती पुष्पा बूब; स्टैच्यूटरी ऑडिटर, एमडी और सीईओ और सभी एग्जीक्यूटिव और स्टाफ़ का उनके भरपूर समर्थन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर गोपालपुरम प्राथमिक विद्यालय के लिए 25 लाख रुपये मंजूर

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने खम्मम जिले के तिरुमलायपालेम मंडल स्थित गोपालपुरम सरकारी प्राथमिक विद्यालय में नए कक्षों के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देश पर यह राशि तत्काल स्वीकृत की गई। गोपालपुरम विद्यालय की जर्जर इमारत और कक्षाओं की खराब स्थिति पर प्रकाशित एक समाचार का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर दिवाकर को तत्काल विद्यालय का निरीक्षण करने और आवश्यक सुविधाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव एन. श्रीधर ने विद्यालय की शिक्षिका निम्मतोटा इंदिरा से दूरभाष पर बातचीत कर विद्यालय की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर दिवाकर ने गुरुवार को विद्यालय का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने विद्यालय के विकास के लिए सक्रिय पहल करने पर शिक्षिका निम्मतोटा इंदिरा की सराहना की तथा उन्हें बताया कि विद्यालय में नए कक्षों के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये स्वीकृत कर दिए गए हैं। इसके तुरंत बाद सरकार ने इस राशि को जारी भी कर दिया।

'अग्नि-4' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

✻ नेस्तानाबूत कर देगी दुश्मन का ठिकाना

चांदीपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने अपनी मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड की निगरानी में किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल से जुड़े सभी ऑपरेशनल और तकनीकी मानकों की सफल पुष्टि हुई।

विश्वसनीयता पर खरी उतरी अग्नि-4

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह मिसाइल परीक्षण पूरी तरह सफल रहा। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित उड़ान मार्ग का पालन करते हुए सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। इस परीक्षण से अग्नि-4 की परिचालन विश्वसनीयता और भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को एक बार फिर मजबूती मिली। गौरतलब है कि अग्नि-4 भारत की स्वदेशी विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। यह देश की विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाती है। ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया यह परीक्षण भारत के सामरिक मिसाइल कार्यक्रम की निरंतर प्रगति का संकेत है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित उपयोगकर्ता परीक्षणों से मिसाइल प्रणाली की युद्धक तैयारी और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।

इससे पहले भारत ने अपनी सामरिक क्षमता को और मजबूत करते हुए शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का सफल परीक्षण किया था। 22 मई को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से वह परीक्षण किया गया था। परीक्षण के दौरान मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह भी परीक्षण सामरिक बल कमान की निगरानी में संपन्न हुआ था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 'अग्नि-1' भारत की स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह मिसाइल कम दूरी तक सटीक मार करने में सक्षम है और देश की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य और उड़ान मानकों को पूरी तरह हासिल किया।

वहीं अग्नि-4 मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। वहीं बीते महीने जुलाई में भारत ने लंबी दूरी की मिसाइल 'कुश' का पहला सफल परीक्षण किया था। यह मिसाइल सिस्टम लंबी दूरी तक हवाई खतरों को बेअसर करने की क्षमता रखता है। इस परीक्षण के साथ ही भारत ने अपनी वायु रक्षा क्षमता को एक नई ऊंचाई प्रदान की है।

नाराज कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष होरट्टी 14 अगस्त को पद से इस्तीफा देंगे

बेंगलुरु, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि वे 14 अगस्त को आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा सौंपेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने नए मंत्रियों की सूची जारी करते हुए वरिष्ठ नेता सलीम अहमद का नाम इस पद के लिए घोषित किया है। इस कदम से विवाद खड़ा हो गया है।

भाजपा ने आलोचना करते हुए कहा है कि अध्यक्ष पद पर रहते हुए उम्मीदवार का नाम घोषित करना परंपरा के विरुद्ध है। पार्टी का कहना है कि अध्यक्ष पद संवैधानिक रूप से पवित्र है और इसे पार्टी की राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। इस बीच, केपीसीसी अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने गुरुवार को कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और विचार-विमर्श किया। बसवरज होरट्टी ने बताया कि कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होने वाला है। सत्र का पहला दिन दिवंगत गणमान्य व्यक्तियों के लिए शोक सभाओं के लिए समर्पित होगा। होरट्टी ने कहा कि वे सत्र के दूसरे दिन, उपाध्यक्ष पद के चुनाव के तुरंत बाद, 14 अगस्त को अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देंगे।

संगीत संध्या आयोजित

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लोकप्रिय गायक किशोर कुमार के 97वें जन्म दिवस के उपलक्ष में सुर संगीत म्यूजिकल एंड कल्चरल इवेंट्स (आयोजक, श्याम किशोर शिंदे) की ओर से एक संगीत संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल बलदवा, विशेष अतिथियों के रूप में श्रुतिकांत भारती, डॉ. अशोक कुमार (आईएएस. आर) राहुल सिंघल एवं श्रीमती पदमा टंकसाली उपस्थित रहीं। संचालक श्याम किशोर शिंदे व उनके कलाकार साथी, मानस दासगुप्ता , बापि दा, बिट्टू दत्ता , संजू, शम्पा दत्ता, रीना राज, निशिता, सुनीता साव, आशीष सिंघम विश्वजीत सेनगुप्ता, शशिकांत कयाती,क्लेमेंट सामुएल, (ऑडियो वीडियो का प्रबंधन चंटी और बालू) ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया।

एफसीआरए संशोधन बिल : 12 अगस्त को संसद में बहस

> पुराने नियमों में बदलाव नहीं

हमने FCRA बिल पर अपनी चिंताएं गृह मंत्री के सामने रखी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह कानून पिछली तारीख से लागू नहीं होगा और 12 अगस्त को संसद में चर्चा होगी।

लालदुहोमा, सीएम मिजोरम

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। संसद में बहुचर्चित विदेशी अंशदान विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2026 पर आगामी 12 अगस्त को विस्तार से चर्चा होगी। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद यह अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री ने एक बड़ा आश्वासन दिया है। नया कानून पिछली तारीख यानी भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं होगा। इस फैसले से देश के तमाम सामाजिक, जनकल्याणकारी और धार्मिक संगठनों को बहुत बड़ी राहत मिली है।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस मुलाकात की पूरी जानकारी दी। वह मिजोरम के प्रमुख चर्च नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ गृह मंत्री से मिलने पहुंचे थे। प्रतिनिधिमंडल ने नए बिल के सख्त प्रावधानों को लेकर अपनी चिंताएं जताई थीं। गृह मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को बहुत ध्यान से सुना। अमित शाह ने कहा कि विधेयक पर 12 अगस्त को सदन में बहस होगी और इसे पारित कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने भरोसा दिया कि किसी भी संगठन पर पुराने मामलों को लेकर कार्रवाई नहीं होगी। यह कानून केवल आगे की तारीखों से लागू होगा। 12 अगस्त को संसद में चर्चा: गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि इस बिल पर 12 अगस्त को संसद में बहस होगी। यह विधेयक 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। पिछली तारीख से लागू नहीं: नया कानून भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं किया जाएगा। इससे वर्षों से चल रहे पुराने सेवा संस्थानों की संपत्तियां पूरी तरह सुरक्षित रहेंगी। नामित प्राधिकरण का गठन: विदेशी धन और उससे बनी संपत्तियों की देखरेख व प्रबंधन के लिए एक नया 'नामित प्राधिकरण' बनाया जाएगा।

संपत्ति का अस्थायी नियंत्रण: धारा 14, 14A और 14B के तहत लाइसेंस रद्द होने, सरेंडर करने या समाप्त होने पर संपत्ति अस्थायी रूप से सरकार के अधीन चली जाएगी। स्थायी हस्तांतरण का नियम: यदि कोई संस्थान तय समय में नया प्रमाण पत्र नहीं लेता या नवीनीकरण नहीं कराता, तो उसकी संपत्ति हमेशा के लिए सरकार के प्राधिकरण में निहित हो जाएगी। विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में बदलाव के लिए यह विधेयक 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य विदेशी फंडिंग पाने वाली गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओस) पर सरकारी निगरानी को ज्यादा मजबूत बनाना है। विधेयक के नियमों के अनुसार, अगर किसी संस्था का लाइसेंस समाप्त होता है, तो उसकी संपत्ति सरकार के पास चली जाएगी। धारा 14 के तहत लाइसेंस रद्द होने, धारा 14A के तहत सरेंडर करने या धारा 14B के तहत लाइसेंस समाप्त होने पर संपत्ति पर सरकार का कब्जा हो जाएगा। सामाजिक संगठनों को डर था कि अगर यह नियम पुरानी तारीखों से लागू हुआ, तो वर्षों से बने स्कूल, अस्पताल और अनाथालय बंद हो जाएंगे। इससे जनसेवा का काम बुरी तरह प्रभावित हो सकता था।

'गलत बातें फैला रहे राहुल-खरगे'

रविशंकर प्रसाद बोले-अमित शाह बहस के लिए तैयार, फिर भी भाग रहा विपक्ष

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों नेता गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ झूठी बातें फैला रहे हैं। विपक्ष जानबूझकर संसद में हंगामा कर रहा है। वह मुद्दों पर बहस करने से बच रहा है। संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए रविशंकर प्रसाद ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री संसद में रोज आते हैं। सदन चलने पर वह विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं।

गृह मंत्री शाह तैयार, फिर भी क्यों भाग रहा विपक्ष?

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बताया कि गृह मंत्री अपने दफ्तर में सुबह 10 बजे से शाम सात बजे तक बैठते हैं। वह हर वक्त सदन में मौजूद रहते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी और खरगे रोज नया नाटक करते हैं। वे पोस्टर लेकर आते हैं और गृह मंत्री को बुलाने की मांग करते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि विपक्षी नेता पहले संसद को चलने दें। बहस की शुरुआत होने पर गृह मंत्री खुद सामने आएंगे। वह विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब देंगे।

झारखंड परीक्षा धांधली पर राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल

पूर्व मंत्री ने विपक्ष पर संसद को ठप करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल काम नहीं होने देते। फिर भी सरकार पर चर्चा से भागने का आरोप लगाते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और पूरी एनडीए सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। विपक्षी दल देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। रविशंकर प्रसाद ने झारखंड में हुई परीक्षाओं में गड़बड़ी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार ने एक कालीसूची में दर्ज कंपनी को परीक्षा का काम दिया। यह कंपनी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पहले से प्रतिबंधित है। उन्होंने पूछा कि राहुल गांधी इस मामले पर चुप क्यों हैं। युवाओं के मुद्दे पर राजनीति करने वाले नेताओं का यह दोहरा चरित्र है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी ...

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के हर वर्ग तक सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। समाज, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिकों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी ताकि हर बच्चे तक अच्छी शिक्षा पहुंच सके।

'रोजगार का मतलब सिर्फ नौकरी नहीं'

रोजगार के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि नौकरी ही रोजगार का एकमात्र विकल्प नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर भी बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए अवसर पैदा करना और दूसरों को रोजगार देना भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बताते चलें कि मोहन भागवत का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में विभिन्न मुद्दों पर युवाओं के प्रदर्शन, शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार को लेकर लगातार बहस चल रही है। उन्होंने अपने संबोधन में लोकतांत्रिक संवाद, सांविधानिक प्रक्रिया, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उद्यमिता को भविष्य के भारत की मजबूती के लिए जरूरी बताया।

शुभेंदु सरकार ने ...

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण से क्या बात हुई?

अधिकारी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनकी सरकार ने नए उद्यम स्थापित करने के लिए भूमि अधिग्रहण नीति शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी में उनसे हुई एक बैठक के दौरान इस बात किया कि केंद्र राज्य के चाय और कपड़ा क्षेत्रों को विकसित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने नादिया और पुरबा बर्धमान जिलों के कपड़ा केंद्रों का व्यापक दौरा किया और उनकी समृद्ध विविधता को नोट किया। उन्होंने कहा, 'वह 24 से 28 अगस्त के बीच फिर से बंगाल का दौरा करेंगी।

'114 वर्ग किलोमीटर ...

उन्होंने चंडीगढ़ में इतने ज्यादा सीनियर अधिकारियों को बनाए रखने के पीछे का कारण भी पूछा और यह भी जानना चाहा कि क्या केंद्र प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और वित्तीय समझदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा और उसे तर्कसंगत बनाने का कोई प्रस्ताव रखता है। जहां चंडीगढ़ से चार-पांच गुना बड़े इलाके वाले मोहाली और पंचकूला जिलों को एक-एक डिप्टी कमिश्नर और सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) संभालते हैं, वहीं 14÷14 वर्ग किलोमीटर के चंडीगढ़ शहर में मंजूर संख्या से भी ज्यादा 12 आईएएस और नौ आईपीएस अफसर तैनात हैं।

मनीष तिवारी, कांग्रेस सांसद

केंद्रीय मंत्री ने दी थी अधिकारियों की संख्या की जानकारी

एक सवाल का जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री (एमओएस) नित्यानंद राय ने सदन को बताया कि चंडीगढ़ में आईएएस के 11 और आईपीएस के सात पद मंज़र हैं। हालांकि, अभी इस केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में 12 आईएएस अधिकारी और नौ आईपीएस अधिकारी तैनात हैं। इनमें से तीन आईएएस अधिकारी और एक आईपीएस अधिकारी पंजाब कैडर के हैं, जबकि दो आईएएस अधिकारी और एक आईपीएस अधिकारी हरियाणा कैडर के हैं और डेपुटेशन पर चंडीगढ़ में काम कर रहे हैं। चंडीगढ़ में जरूरत से ज्यादा प्रशासन है, लेकिन सेवाएं कम हैं। यह असल में अफसरों को खपाने की एक जगह बन गई है।

इतने बड़े प्रशासनिक ढांचे की जरूरत क्यों

मनीष तिवारी ने पूछा कि क्या इतने बड़े प्रशासनिक ढांचे की जरूरत है? इस सवाल पर केंद्र ने कहा कि सरकारी कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए जरूरी अधिकारियों की संख्या केंद्र शासित प्रदेश की जरूरतों के आधार पर तय की जाती है और यह एक बदलती रहने वाली प्रक्रिया है। वहीं, 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि ये आंकड़े उस बात को दिखाते हैं जिसे उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश की 'सभी समस्याओं की जड़' बताया था।

मनीष तिवारी ने कहा, 'यहां जरूरत से ज्यादा प्रशासन है, लेकिन सेवाएं कम हैं। यह असल में अफसरों को खपाने की एक जगह बन गई है। जहां चंडीगढ़ से चार-पांच गुना बड़े इलाके वाले मोहाली और पंचकूला जिलों को एक-एक डिप्टी कमिश्नर और सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) संभालते हैं, वहीं 14÷14 वर्ग किलोमीटर के चंडीगढ़ शहर में मंजूर संख्या से भी ज्यादा 12 IAS और नौ आईपीएस अफसर तैनात हैं।'

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं.101 से 104_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी 26, दि.04-08-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट द्वारा दि.28-08-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.101_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजनः 7वीं बटालियन/आरपीएसएफ/एमएलवाय पर बाउण्डरी वाल का निर्माण कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.**2,52,61,043.00, अग्रधन रु.5,05,200.00

क्रम सं.2, निविदा सं.102_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजनः 7/बीएन/एमएलवाय पर 50 बिस्तरों युक्त क्षमता सहित नई आरपीएसएफ एसओज बैरक का प्रस्तावित निर्माण। अनुमानित मूल्य रु.3,05,12,010.00, अग्रधन रु.6,10,300.00

क्रम सं.3, निविदा सं.103_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजनः एससी- कैरेज वर्कशाप, लालागुडा एम&इ स्टोर्स, स्क्रैप डिपो, एसटीसी/एससी& ल्यूब आयल फिल्टर प्लान्ट/एस पर वार्षिक मरम्मत/सभी सर्विस बिल्डिंग्स का रखरखाव। **अनुमानित मूल्य रु.**2,29,75,021.00,अग्रधन रु.4,59,500.00

क्रम सं.4, निविदा सं.104_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, **कार्य विवरणः** एमबीएनआर-डीएचएनइ सेक्शनः सुरक्षा बाड या सेफ्टी फेन्सिंग/बाउण्डरी वाल का प्रावधान सहित ट्रैक स्पीड प्रति घंटा 130 किमी से अधिक, किमी115 लंबाई के लिए एनएचआई एन्टि-क्रैश बैरियर/डब्ल्यू बीम का इस्तेमाल करते हुए तत्संबंधित कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.**44,89,82,339.00, अग्रधन रु.89,79,700.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद

निविदा सूचना

निविदा सं.23-पीए-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, 25-आरइवी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी&26-टीआरएएफ-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी संबध्द।

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/एम/एचवायबी द्वारा निम्न निविदाओं हेतु तत्संबंधित दि.01-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स या प्रस्ताव अमान्य हैं तथा इस प्रकार के किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः निविदा सं.23-पीए-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजन- एससी-एमयुई & एससी-डीएचएनइः 1) अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत एमएक्सटी पर दोनों पीएफ नं.1&2 पर 48एम लम्बाई और वायकेए पर पीएफ नं.1 पर 32एम लंबाई व पीएफ नं.2 पर 48 एम लंबाई & युआर स्टेशन पर पीएफ नं.1 तथा पीएफ नं.2 पर प्रत्येक 64एम लंबाई के लिए अतिरिक्त सीओपीज का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। 2) अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत एमइडी पर पीएफ नं.1 पर 32एम लम्बाई और पीएफ नं.2 पर 48 एम लंबाई के लिए अतिरिक्त सीओपीज का प्रावधान- बिजली व्यवस्थाएं। 3) गति शक्ति- मलकपेट पर प्लेटफार्म की प्रस्तावित रेजिंग या उंचा उठाना-बिजली व्यवस्थाएं। 4) गति शक्ति- हुप्पुगुडा पर प्लेटफार्म की प्रस्तावित रेजिंग या उंचा उठाना-बिजली व्यवस्थाएं। 5) गति शक्ति- याकुतपुरा पर प्लेटफार्म नं.2 की प्रस्तावित रेजिंग या उंचा उठाना-बिजली व्यवस्थाएं। 6) डिवीटीपल्ली रेलवे स्टेशन का उन्नयन-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.1,17,00,110,00, अग्रधन रु.2,34,000.00, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 महिने, **बंद करने की तिथिः** 01-09-2026

क्रम सं.2, कार्य विवरणः निविदा सं.25-आरइवी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजन-तत्संबंधित डिवीजन पर सबमर्सिबुल्स पम्प्स की लिफ्टिंग & लोवरिंग सहित पम्पिन्ग इन्स्टाल्लेशन की मरम्मतों पर ध्यान देना। **अनुमानित मूल्य रु.**1,33,73,997,00, अग्रधन रु.2,67,500.00, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 महिने, बंद करने की तिथिः 01-09-2026

क्रम सं.3, कार्य विवरणः निविदा सं.26-टीआरएएफ-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजन-न्यू क्रासिंग स्टेशनः दो लूप लाइनो सहित महबूबनगर-मान्यमकोंडा स्टेशनों (13.95 किमी) के बीच न्यू क्रासिंग स्टेशन का प्रस्तावित कार्य-बिजली व्यवस्थाएं।
अनुमानित मूल्य रु.1,,77,85,205.00, अग्रधन रु.3,55,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 01-09-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, हैदराबाद

निविदा सूचना सं-.08-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2026-27, दि.03-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा तत्संबंधित निविदा सं.08-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2026-27, बंद करने की तिथि 25-08-2026 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि व समय ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स या प्रस्ताव अमान्य हैं तथा इस प्रकार के किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों या कान्ट्रैक्टर्स को यह अनुमति दी जाती है कि, वे, इस निविदा की निविदा दस्तावेज मूल्य तथा अग्रधन का भुगतान, आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध केवल आनलाइन पेमेन्ट जैसे, नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि माध्यम से ही करें। मैन्युएल पेमेन्ट्स जैसे डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रीसीप्ट्स, एफडीआर आदि अमान्य हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.08-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2026-27, दि.03-08-2026- कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद पर स्ट्रिप, मरम्मत & कोच डोर्स की फिटमेन्ट तथा बैटरी बाक्सेज की क्लीनींग व मरम्मत। अनुमानित मूल्य रु.1,64,72,198.06 पैसे (रु.एक करोड, चौंसठ लाख बहत्तर हजार एकसौ अट्ठान्नवे व छह पैसे मात्र), अग्रधन रु.3,29,500.00 (रु.तीन लाख उन्तीस हजार व पांच सौ मात्र), **कार्य पूरा करने की अवधिः** 24 महिने, **बंद करने की तिथिः** 25-08-2026 के 11.00 बजे

1-वेबसाइट विवरण www.ireps.gov.in

2- निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्ते/ज्यादा जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र के लिए कृपया वेबसाइटः https:www.ireps.gov.in/ पर जाएं।

चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.एन-एसजी-36-2026-27-ईआय-एम-30, दि.04-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीई/एनइडी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दि.-एन-एसजी-36-2026-27-इआय-एम-30, दि.04-08-2026 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन में चार वर्ष की अवधि के लिए 02 स्टेशनों (पूर्णा & छुडवा) पर मेधा मेक के ईआई सिस्टम्स का वार्षिक रखरखाव ठेका। अनुमानित परियोजना मूल्य रु.74,85,891.00, बोली सुरक्षा रु.1,49,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 48 महिने, बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि)-27-08-2026 के 15.00 बजे, **बोली खोलने की तिथिः-27-08-2026 के 15.00** बजे के बाद, प्रस्ताव या आफर की वैधताः **बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य।**

समस्त बोली प्रक्रिया या बिड्डिंग, इण्डियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर होगी। इस निविदा के लिए मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

-वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, नांदेड

ई-निविदा सूचना सं.एन-एसजी-36-2026-27-बीएलटी-26, दि.04-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीई/एनइडी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दि.-एन-एसजी-36-2026-27-बीएलटी-26, दि.04-08-2026 कार्य विवरणः नांदेड स्टेशन (रोड1, रोड2 और रोड 3) पर बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक 03 नंबर्स का प्रावधान तथा अदिलाबाद स्टेशन पर बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक व क्वीक वाटरिंग सिस्टम का प्रावधान।
अनुमानित परियोजना मूल्य रु.1,31,12.038.00, बोली सुरक्षा रु.2,62,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि)-27-08-2026 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथिः-27-08-2026 के 15.00 बजे के बाद, प्रस्ताव या आफर की वैधताः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, **निविदा पुस्तिका मूल्य रु.शून्य।**

समस्त बोली प्रक्रिया या बिड्डिंग, इण्डियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर होगी। इस निविदा के लिए मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, नांदेड

ई-निविदा सूचना सं.एन-एसजी-36-2026-27-टावर-19, दि.03-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीई/एनइडी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दि.-एन-एसजी-36-2026-27-टावर-19, दि.03-08-2026 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन पर ट्रिपोड टावर्स टाइप एवं एसोसिएटेड एस्सेसोरिज सहित बहुत पुराने मौजूदा रूफटाप 25डब्ल्यू वीएचएफ मास्ट का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन। अनुमानित परियोजना मूल्य रु.48,01,171.00, बोली सुरक्षा रु.96,000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि)-27-08-2026 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथिः-27-08-2026 के 15.00 बजे के बाद, प्रस्ताव या आफर की वैधताः **बोली बंद** करने की तिथि से लेकर 60 दिन, **निविदा पुस्तिका मूल्य रु.शून्य।**

समस्त बोली प्रक्रिया या बिड्डिंग, इण्डियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर होगी। इस निविदा के लिए मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, नांदेड

A620

अतिरिक्त निविदा शर्तो/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

खिलाड़ियों को अब 5.20 मिनट में फिटनेस-टेस्ट पास करना होगा

बीसीसीआई ने 40 सेकेंड समय घटाया, इंजरी और गिरती फिटनेस को लेकर फैसला

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। बीसीसीआई ने ब्रोंको टेस्ट का बेस टाइम 6 मिनट से घटाकर 5 मिनट 15 सेकंड से 5 मिनट 20 सेकेंड कर दिया है। अब खिलाड़ियों को 1200 मीटर की दौड़ इस तय समय के भीतर पूरी करनी होगी।

साथ ही 2 किलोमीटर दौड़ (2के टेस्ट) के लिए 9 से 10 मिनट की समय सीमा तय की गई है। पहले क्रिकेटरों की फिटनेस के लिए यो-यो टेस्ट होता था, लेकिन अब उसकी जगह ब्रोंको टेस्ट को प्राथमिक फिटनेस टेस्ट बना दिया गया है।

बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खिलाड़ियों में लगातार बढ़ती इंजरी और गिरते फिटनेस स्टैंडर्ड को देखते हुए यह बदलाव किया है। बीसीसीआई ने टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के बीच बेहतर तालमेल के लिए नए बेस पैरामीटर्स (न्यूनतम मापदंड) भी तय किए हैं।

बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक पिछले एक साल में फिटनेस टेस्ट के मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को पास कराने के लिए अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य दिए गए। टीम मैनेजमेंट की मांग पर सीओई स्टाफ ने हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद क्लियरेंस दे दी थी।

इंग्लैंड दौरे के दौरान हर्षित राणा को वापस भेजा गया था। तब दावा किया गया था कि उनका वजन तय सीमा से ज्यादा है। टीम मैनेजमेंट के अनुसार उनका वजन 97 किलो था। अब सीओई ने उनका वजन 96 किलो से कम रखने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल उनका वजन 94 किलो है और अगले हफ्ते तक उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है।

खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने और इंग्लैंड के अनुकूल मौसम में भी मांसपेशियों में खिंचाव यानी क्रैम्प्स की शिकायतों के बाद बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया और टीम मैनेजमेंट ने टीम के फिजियो कमलेश जैन से जवाब-तलब किया है।

उन्हें साफ कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी के कद या स्टार स्टेटस की परवाह किए बिना फिटनेस में कमी दिखे तो उसकी तुरंत जानकारी दें। मैनेजमेंट का मानना है कि कई खिलाड़ियों की मैदान पर मोबिलिटी घटी है और लंबे समय तक बल्लेबाजी के दौरान सीनियर बल्लेबाजों को दौड़कर रन लेने में परेशानी हो रही है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट के बीच तालमेल की कमी भी सामने आई है। बुमराह को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मैच तक फिट करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन सीओई ऐसा नहीं कर सका।

वहीं सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को नए फिटनेस पैरामीटर्स की जानकारी भी देर से मिली। मोहम्मद सिराज जब श्रीलंका दौरे से पहले सीओई पहुंचे तो अचानक ब्रोंको और 2K टेस्ट कराए जाने से हैरान रह गए। अब गैर-टेस्ट खिलाड़ियों को भी इन्हीं नए मानकों के अनुसार तैयारी करने के लिए कहा गया है।

2023 वनडे वर्ल्ड कप, 2024 टी20 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत का इंजरी मैनेजमेंट काफी प्रभावी रहा था। उस समय खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना फिटनेस बनाए रखने पर जोर दिया जाता था। यो-यो टेस्ट भी छह महीने में एक बार या इंजरी से वापसी के समय ही कराया जाता था।

अब CoE में खिलाड़ियों से बार-बार यो-यो, ब्रोंको और 2K टेस्ट कराए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इंजरी प्रिवेंशन पर फोकस करने के बजाय जरूरत से ज्यादा वर्कलोड देने से खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से थक सकते हैं, जिससे चोट का खतरा भी बढ़ सकता है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर20 चैंपियनशिप में भारतीय फाइनल में

जेवलिन में आशीष यादव और धरणीधरन, डिस्कस में अमानत कंबोज ने जगह बनाई

यूजीन, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के यूजीन में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर20 चैंपियनशिप के पहले दिन भारत के तीन खिलाड़ियों ने अपने-अपने इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। पुरुषों के जेवलिन थ्रो में आशीष यादव और टी धरणीधरन ने क्वालिफाई किया, जबकि महिलाओं के डिस्कस थ्रो में अमानत कंबोज ने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया।

19 साल के आशीष यादव ने पुरुषों के जेवलिन थ्रो के ग्रुप-ए क्वालिफिकेशन में 69.87 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, ओवरऑल रैंकिंग में वे साउथ अफ्रीका के जन-हेन्ड्रिक हेमंस (76.02 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

आशीष का करियर और सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 74.49 मीटर है। इस इवेंट में ऑटोमेटिक क्वालिफिकेशन मार्क 72.50 मीटर था, जिसे केवल हेमंस ही पार कर सके। भारत के दूसरे जेवलिन थ्रोअर टी धरणीधरन ने 68.07 मीटर के थ्रो के साथ ग्रुप-बी में पांचवां स्थान हासिल किया। ओवरऑल वे 12वें और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। जेवलिन थ्रो का फाइनल शुक्रवार को होगा। इस इवेंट का अंडर20 विश्व रिकॉर्ड भारत के नीरज चोपड़ा के नाम है। उन्होंने 2016 में 86.48 मीटर का थ्रो किया था। महिलाओं के डिस्कस थ्रो में अमानत कंबोज ने ग्रुप-ए में 52.58 मीटर का थ्रो किया, जो इस सीजन का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वे ग्रुप में छठे और ओवरऑल 12वें स्थान पर रहीं। इसके साथ ही उन्होंने अंतिम क्वालीफाइंग स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई।

चीन की सू यिशिन 58.06 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं। इस इवेंट का ऑटोमेटिक क्वालीफिकेशन मार्क 55 मीटर था।

पुरुषों की 800 मीटर रेस में मोगाली वेंकटराम ने हीट-5 में 1 मिनट 52.81 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में पहुंच गए। वहीं, उन्नि आनंद हीट-1 में 1 मिनट 52.37 सेकंड का समय निकालने के बावजूद सातवें और ओवरऑल 30वें स्थान पर रहकर बाहर हो गए। युगांडा के शफेक मुरुंगी 1 मिनट 46.64 सेकंड के समय के साथ पहले दौर में सबसे तेज रहे। पीयूष राज, तहुरा खातून, सैयद सबीर और थिया अरुमुगम की भारतीय टीम 3 मिनट 22.85 सेकंड के समय के साथ अपनी हीट में चौथे स्थान पर रही। ओवरऑल भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही और पहले दौर से ही बाहर हो गई।

अमेरिका 3 मिनट 18.26 सेकंड के समय के साथ सबसे तेज रहा। 2022 के पिछले संस्करण में भारत ने इसी स्पर्धा में 3 मिनट 17.76 सेकंड के एशियाई रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता था।

श्रीलंका टेस्ट से पहले वार्म-अप मैच खेलेगी टीम इंडिया

श्रीलंका इलेवन से होगी भिड़ंत, 15 अगस्त से शुरू होगी सीरीज

कोलंबो, 6 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका दौरे पर गई भारतीय टीम शुक्रवार से कोलंबो में तीन दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। मुकाबला नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर श्रीलंका इलेवन के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का सबसे बड़ा फोकस स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तकनीक को और मजबूत करना रहेगा।

हाल के महीनों में भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्पिन के सामने संघर्ष करना पड़ा था। श्रीलंका की परिस्थितियां भी स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती हैं और मेजबान टीम के पास घरेलू हालात का फायदा उठाने वाले अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं। ऐसे में पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए खुद को परखने और कमजोरियों पर काम करने का अच्छा मौका होगा।

कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल समेत टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने कोलंबो रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू सेंटर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ विशेष अभ्यास किया था। हालांकि, श्रीलंका इलेवन की टीम का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है।

भारत ने श्रीलंका में पिछली टेस्ट सीरीज 2017 में खेली थी। पिछले आठ सालों में भारतीय टीम में बड़े बदलाव हुए हैं। मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में केवल केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

चोट के कारण जसप्रीत बुमराह इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं। उनकी गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर होगी। उनके साथ प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मानव सुथार और सारांश जैन गेंदबाजी विभाग में नजर आएंगे।

सिराज और कुलदीप यादव को छोड़ दें तो गेंदबाजी आक्रमण अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। हालांकि, गुरनूर बराड़ और सारांश जैन ने पिछले महीने गॉल में इंडिया-ए की ओर से श्रीलंका-ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। दोनों गेंदबाज अब सीनियर टीम के साथ भी अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम की तैयारियों पर मौसम का असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार से कोलंबो में रुक-रुककर बारिश होने की संभावना है। यदि बारिश होती है तो वार्म-अप मैच का खेल प्रभावित हो सकता है, जिससे टीम इंडिया की टेस्ट सीरीज से पहले की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है।

एशियाई टीम में शामिल पहलवान दीपांशु डोप में फंसे

नाडा ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय कुश्ती टीम के अभियान को झटका लगा है। लखनऊ में एशियाई खेलों का ट्रायल जीतकर 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन टीम में जगह बनाने वाले पहलवान दीपांशु डोप में फंस गए हैं। उन पर नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

खास बात यह है कि दीपांशु दूसरी बार डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले वह गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में डोप के मामले में फंसे थे।

डोप में फंसने के बाद दीपांशु को राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है।

वह हंगरी में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भी खेलने जा रहे थे। उनका वीजा भी लग गया था। उसी समय उनके डोप सैंपल की रिपोर्ट आई।

उन्होंने उस दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध लगा था। वर्ष 2025 में प्रतिबंध खत्म करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए एशियाई खेलों के लिए चयनित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी।

दीपांशु को एशियाई खेलों में 130 किलो भार वर्ग का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। दूसरी बार डोप में फंसने के कारण उन पर अब स्थायी प्रतिबंध लग सकता है। नाडा ने उन्हें आरोप पत्र भेज दिया है।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह 130 किलो भार वर्ग में सोतक को शामिल कर लिया है।

सोतक ने ट्रायल में दीपांश से 5-1 से हारकर टीम में जगह बनाई थी। गुजरात राष्ट्रीय खेलों के दौरान दीपांशु के सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरॉयड पाया गया था। उनका आउट ऑफ कॉम्पिटिशन सैंपल लिया गया, जिसमें वह स्टेरॉयड स्टैनोजोलोल के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं।

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

गंगनेउंग, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की 17 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का शानदार फॉर्म जारी है। पिछले हफ्ते ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली तन्वी ने अब कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आसान में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने हमवतन श्रेयांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया।

दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले की शुरुआत में श्रेयांशी ने बढ़त बनाई, लेकिन तन्वी ने जल्द ही वापसी करते हुए मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। दमदार मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने पहला गेम 21-16 से जीत लिया।

दूसरे गेम में श्रेयांशी ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने मिड-गेम ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली और आखिर तक दबदबा बनाए रखते हुए 21-17 से गेम जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाई और श्रेयांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। वर्ल्ड रैंकिंग में 30वें नंबर की तन्वी ने तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। अब क्वार्टर फाइनल में तन्वी का सामना भारत की रक्षिता श्री रामराज और जापान की मनामी सुइजु के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप : सिंधु का मैच सोफिया से

आयुष वर्ल्ड चैंपियन से भिड़ेंगे; 17 अगस्त से नई दिल्ली में टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने नई दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप का ड्रॉ जारी किया। चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी।

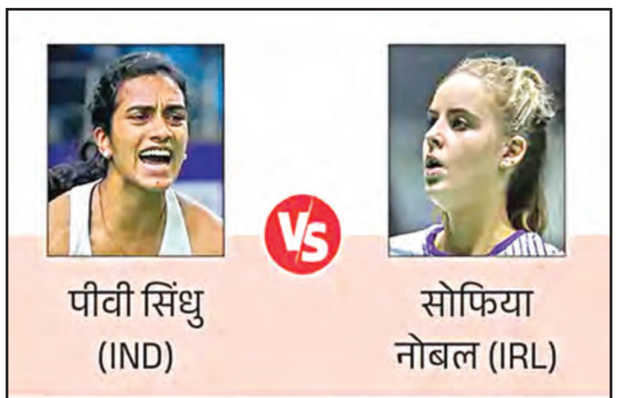

पहले दौर में भारत के आयुष शेट्टी का मुकाबला वर्ल्ड चैंपियन और टॉप सीड चीन के शी यू क्वी से होगा। पीवी सिंधु पहले मैच में आयरलैंड की सोफिया नोबल से खेलेंगी। सात्विक-चिराग को जोड़ी को बाई मिला है।

पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ियों का ड्रॉ है। तीनों युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां हिस्सा लेंगी।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की सोफिया नोबल के खिलाफ करेंगी। हालांकि, आगे का सफर उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

सिंधु को राउंड ऑफ 16 में चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी और क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी का सामना करना पड़ सकता है। सिंधु का ड्रॉ ओलंपिक चैंपियन एन से यंग वाले हाफ में है।

उन्नति हुड्डा अपने वर्ल्ड चैंपियनशिप डेब्यू में म्यांमार की थेट हतार थुजार से भिड़ेंगी। अगर उन्नति तीसरे राउंड से आगे बढ़ती हैं, तो क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला जापान की अकाने यामागुची से हो सकता है।

मेंस सिंगल्स में 14वीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन पहले राउंड में ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से खेलेंगे। अगर लक्ष्य क्वार्टर फाइनल तक पहुंचते हैं, तो तीसरे राउंड में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त कुनलावुत विटिडसर्न से हो सकता है।

क्वार्टर फाइनल में उनकी टक्कर फ्रांस के एलेक्स लानियर या क्रिस्टो पोपोव से हो सकती है। वहीं, आयुष शेट्टी को पहले राउंड में सबसे कठिन ड्रॉ मिला है।

आयुष का मुकाबला राउंड ऑफ 64 में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यूकी से होगा। इस सीजन में यह दोनों के बीच तीसरी भिड़ंत होगी, जिसमें शी यूकी का पलड़ा 3-0 से भारी है।

तीनों युगल स्पर्धाओं की सभी 16 वरीय जोड़ियों को पहले दौर में बाय मिला है। इनमें भारत के साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी शामिल हैं। भारतीय कोच टैन किम हर ने सात्विक की कंधे की चोट को सबसे बड़ी चिंता बताया।

टैन ने कहा, 'अगर सात्विक और चिराग मानसिक रूप से मजबूत रहते हैं, तो वे खिताब के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं।'

भारत के हेड कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि भारतीय टीम कई इवेंट्स में मजबूत स्थिति में है। टीम का लक्ष्य कम से कम कुछ इवेंट में पोडियम फिनिश करना है।

35 साल के गेंदबाज डैनियल वॉरेल ने एक के बाद एक ओवर फेंके मेडन

वनडे डेब्यू पर चौंकाया

लंदन, 6 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड में चल रहे वनडे कप में 5 अगस्त को सरे और केंट के बीच मुकाबला खेला गया। मुकाबले में सरे की ओर से 35 साल के गेंदबाज डैनियल वॉरेल ने डेब्यू किया। वॉरेल ने अपने डेब्यू पर ही जो किया वो कमाल रहा। केंट के खिलाफ नई गेंद से उन्होंने लगातार मेडन डालते हुए चौंका दिया। डैनियल वॉरेल को इससे पहले 43 लिस्ट ए मैचों यानी 50 ओवर के मुकाबले खेलने का अनुभव रहा है। मगर सरे के लिए ये उनका पहला मैच था। वॉरेल ने जादुई स्पेल से केंट पर सरे की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरे और केंट के बीच मुकाबला 50-50 ओवर का ना होकर 49-49 ओवर का खेला गया। इस मुकाबले में सरे की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और 48.3 ओवर में 286 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सरे की ओर से उसके दोनों ओपनर-रियान पटेल और डॉम सिबले- छोड़कर कोई भी बड़ा स्कोर नहीं बना सका। दोनों ओपनर ने अर्धशतक लगाया। रियान पटेल ने 73 रन बनाए और डॉम सिबले ने 53 रन बनाए।

केंट को 49 ओवर में 287 रन का लक्ष्य मिला मगर वो 41.5 ओवर में 191 रन ही बना सके और 95 रन से मुकाबला हार गए। केंट के लिए इतनी बड़ी हार की लकीर खींचने की शुरुआत सरे के डेब्यूटेंट डैनियल वॉरेल ने की। कप्तान के नई गेंद थमाते ही उन्होंने अपना पहला, दूसरा और तीसरा ओवर मेडन डाला। उनके लगातार 3 ओवर मेडन डालने से केंट पर दबाव बना, जिसका फायदा वॉरेल के साथी गेंदबाजों को विकेट लेने में मिला।

हर्षित राणा ने ऐसा क्या कर दिया कि टीम इंडिया की फजीहत हो रही है? बीसीसीआई भी नाराज

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए थे. हर्षित राणा का चोटिल होना बड़ी खबर बना क्योंकि वो फिट होकर टीम इंडिया से जुड़े थे. ये खिलाड़ी घुटने की चोट की वजह से टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गया था जिसके बाद उन्होंने काफी समय बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बिताया. हर्षित राणा फिट होकर लौटे और वो इंग्लैंड में तीसरे टी20 के बाद ही चोट खा बैठे. हर्षित राणा पर अब बड़ा खुलासा हुआ है. बताया जा रहा है कि हर्षित राणा चोटिल हुए ही नहीं थे. बल्कि खराब फिटनेस की वजह से हर्षित राणा को क्रैंप पड़ रहे थे.

हर्षित राणा को गेंदबाजी के दौरान काफी ज्यादा क्रैम्प्स पड़ रहे थे जिसकी वजह से उन्हें बाहर करना पड़ा. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक हर्षित राणा ओवरवेट थे. वो ज्यादा वजन की वजह से अनफिट हुए थे. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने उन्हें 97 किलो का होने के बावजूद फिट घोषित कर दिया जबकि उनका वजन बिल्कुल भी 96 किलो से ज्यादा नहीं होना चाहिए. रिपोर्ट में ये भी दावा किया जा रहा है कि टीम इंडिया मैनेजमेंट चाहता था कि इस खिलाड़ी को टीम में लिया जाए और इसलिए हर्षित को क्लीयरेंस दे दिया गया. बीसीसीआई इस पूरे मामले से काफी निराश और गुस्से में है. उसने अब फीजियो को निर्देश दिया है कि वो किसी की बात ना मानते हुए हर खिलाड़ी के लिए एक ही फिटनेस मानक रखे.

सिर्फ हर्षित राणा नहीं टीम इंडिया में चोटिल खिलाड़ियों की बाढ़ सी आ गई है. नीतीश कुमार रेड्डी चोटिल हैं. जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं. साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर भी चोटिल हैं. हार्दिक पंड्या की चोट कब सही होगी ये कोई नहीं जानता. नए टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल भी इससे काफी निराश हैं. वो तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये तक कह चुके हैं कि लगातार खिलाड़ियों के अनफिट होने की वजह से वो अपनी बेस्ट प्लेइंग इलेवन नहीं उतार पा रहे हैं.

खेल के मैदान पर भयानक हादसा!

लाइव मैच में बिजली गिरने से खिलाड़ी की मौत

खेल डेस्क, 6 अगस्त (एजेंसियां)। खेल को मनोरंजन का एक जरिया माना जाता है. हालांकि, कई बार खेल के मैदान पर कुछ दर्दनाक हादसे सभी को झकझोर देते हैं. कुछ ऐसा ही थाईलैंड में एक लाइव फुटबॉल मैच के दौरान हुआ. a24 साल के थाई फुटबॉलर सोफवान अवाई पर अचानक बिजली गिर गई, जिस वजह से उनकी मौत हो गई है और करीब 12 खिलाड़ी बुरी तरह घायल हो गए. इस हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और हर कोई यह देखकर हैरान है.

गोलोक एफए कप नाम का एक लोकल टूर्नामेंट चल रहा था, जिसमें थाई-मलेशियाई टीमें हिस्सा ले रही थीं. सैमकोल्ट्स और अबू x नोंग सिरिन के बीच मैच खेला गया था. सोफवान अवाई सैमकोल्ट्स टीम के लिए विंगर के तौर पर खेल रहे थे. थाईलैंड में चल रहे इस मैच के दौरान अचानक अवाई पर बिजली गिर गई, जिस वजह से उनकी मौत हो गई.

उन्हें गंभीर चोटें आईं और मेडिकल टीम ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया. मैदान पर बिजली गिरने से अवाई का निधन हो गया, वहीं 12 खिलाड़ी बुरी तरह चोटिल हो गए. इसी का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

अबु धाबी के यशराज को किस्मत ने बनाया क्रिकेटर

6 फीट 5 इंच लंबे लेग स्पिनर छुट्टियां बिताने भारत आए और खेलने लगे

बेंगलुरु, 6 अगस्त (एजेंसियां)। साल 2023 की गर्मियों की बात है। 17 साल के यशराज पुंजा मेडिकल की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन, बेंगलुरु की एक ट्रिप ने उनकी जिंदगी का रुख ही बदल दिया। मेडिकल की किताबों से लेकर राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में लेग स्पिन गेंदबाजी करने तक, 20 वर्षीय यशराज का यह 3 साल का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है।

अबु धाबी में रहने वाले यशराज भारत में पेशेवर क्रिकेट खेलने की कोई योजना नहीं बना रहे थे। गर्मियों की छुट्टियों में वह बेंगलुरु आए और खुद को फिट रखने के लिए कर्नाटक के पूर्व कप्तान कार्तिक जसवंत की एकेडमी से 15 दिनों के लिए जुड़ गए। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी ने कोचों का ध्यान खींचा। एक हफ्ते बाद शहर में राजस्थान रॉयल्स का कैंप था। यशराज ने माता-पिता को मनाया और कैंप में हिस्सा लिया। अपनी सटीकता और टर्न से उन्होंने टीम के स्काउट्स को प्रभावित किया और आईपीएल 2024 से पहले एक नेट बॉलर के रूप में रॉयल्स से जुड़ गए। यशराज ढाई साल तक रॉयल्स के साथ नेट बॉलर रहे। 2026 की नीलामी में रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में अपने खेमे में शामिल कर लिया। 19 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने ईडन गार्डन्स में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में डेब्यू किया।

युजवेंद्र चहल को आदर्श मानने वाले यशराज ने अनिल कुंबले, राशिद खान और रवि बिश्नोई जैसे दिग्गजों से भी टिप्स लिए। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने उन्हें सिखाया कि सपाट पिचों पर हमेशा विकेट के पीछे भागने की बजाय बल्लेबाजों को रन बनाने से रोकना भी एक शानदार आक्रामक रणनीति है। फिलहाल यशराज महाराजा ट्रॉफी में लगी चोट से उबरने के लिए रिहैब में हैं और उनका अगला लक्ष्य कर्नाटक की राज्य टीम में जगह बनाना है। 20 साल के यशराज की सबसे बड़ी ताकत उनकी हाइट (6 फीट 5 इंच) है।

रेलवे यार्डों में भीड़ और ट्रेनों की आवाजाही का विश्लेषण करेगा नया सॉफ्टवेयर

> दक्षिण मध्य रेलवे और आईआईटी बॉम्बे के बीच समझौता

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने रेलवे यार्डों और जंक्शनों की क्षमता तथा भीड़भाड़ का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस पहल का उद्देश्य रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा निगरानी को और मजबूत बनाना तथा परिचालन दक्षता में सुधार करना है। समझौते के तहत आईआईटी बॉम्बे एक अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर विकसित करेगा, जो रेलवे के डेटा लॉगर से प्राप्त बड़ी मात्रा में सिग्नलिंग आंकड़ों का विश्लेषण कर ट्रेनों की आवाजाही, ठहराव, क्रॉसिंग, शंटिंग और अन्य परिचालन गतिविधियों को सरल एवं दृश्य रूप में प्रस्तुत करेगा। इससे रेलवे अधिकारियों को परिचालन संबंधी बाधाओं की पहचान करने, ट्रेनों के विलंब के कारणों का अध्ययन करने तथा ट्रेन संचालन को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। आईआईटी बॉम्बे की टीम पिछले दो वर्षों से रेलवे यार्डों के नक्शों, ट्रेनों की गति, लंबाई, त्वरण क्षमता, इंटरलॉकिंग व्यवस्था, ऐतिहासिक डेटा लॉगर सूचनाओं तथा विभिन्न परिदृश्यों के सिमुलेशन के आधार पर इस परियोजना पर कार्य कर रही है। एमओयू के माध्यम से अब इस सहयोग को औपचारिक रूप दिया गया है। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले चरण में आंकड़ों का सत्यापन, ट्रेनों की आवाजाही का विश्लेषण, दृश्य प्रस्तुतीकरण उपकरण तथा सुरक्षा एवं दक्षता से जुड़े मानकों का विकास किया जाएगा। पायलट परियोजना के सफल परिणामों के बाद इसे बड़े रेलवे स्टेशनों, उन्नत विश्लेषण डैशबोर्ड तथा वास्तविक समय में ट्रेन संचालन के लिए रेलवे की सिग्नलिंग प्रणाली से जोड़ने की योजना है। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे के साथ यह सहयोग भारतीय रेल के समक्ष मौजूद परिचालन चुनौतियों का प्रभावी समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि रेल यातायात लगातार बढ़ रहा है, जबकि घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्थित रेलवे यार्डों के विस्तार की सीमाएं हैं। ऐसे में प्रत्येक निवेश का निर्णय वैज्ञानिक विश्लेषण और सुदृढ़ अभियांत्रिकी के आधार पर होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभिन्न परिस्थितियों का सिमुलेशन कर उनके प्रभाव का पूर्व आकलन करने वाला यह भविष्य उन्मुख उपकरण रेलवे की परिचालन क्षमता बढ़ाने में सहायक होगा। यार्ड के स्वरूप अथवा इंटरलॉकिंग व्यवस्था में छोटे-छोटे बदलाव भी ट्रेनों की आवाजाही पर बड़ा प्रभाव डालते हैं, जिसका पहले से आकलन करना आसान नहीं होता। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दक्षिण मध्य रेलवे और आईआईटी बॉम्बे के बीच हुआ यह समझौता उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और सुरक्षित एवं कुशल रेल संचालन सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

हाईवे पर हादसे में मां-बेटे की मौत

खम्मम, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को जिले में हाल ही में खुले खम्मम-देवरपल्ली ग्रीनफील्ड नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य लोग घायल हो गए।

मृतकों की पहचान जिले के चिंताकानी मंडल के गांधी नगर निवासी पोकाबाथिनी सुजाता (38) और पवन (17) के रूप में हुई है। वे कार से हैदराबाद जा रहे थे, तभी यह घटना हुई। विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज़ रफ़्तार मिनी-ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पवन ने हाल ही में हैदराबाद के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लिया था।

सीएस ने सचिवालय में बोनालू समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सचिवालय कर्मचारी संघ के तत्वावधान में गुरुवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में बोनालू उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

मुख्य सचिव संजय जाजू ने समारोह में भाग लिया और विशेष प्रार्थनाएं कीं। उन्होंने सचिवालय परिसर में स्थित श्री नल्ला पोचम्मा मंदिर में आयोजित विशेष पूजा में हिस्सा लिया और तेलंगाना के लोगों के कल्याण, शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सचिवालय के कर्मचारियों ने श्रद्धापूर्वक देवी को पारंपरिक बोनम अर्पित किया। समारोह में जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिनमें पोतुराजुस का पारंपरिक नृत्य, ढोल-नगाड़ों की शोभायात्राएं और रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकार शामिल थे, जिन्होंने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों और अधिकारियों ने समारोह में भाग लिया और देवी की प्रार्थना की। राज्य की जनता को बोनालू की शुभकामनाएं देते हुए संजय जाजू ने आशा व्यक्त की कि देवी महाकाली का आशीर्वाद तेलंगाना में शांति, समृद्धि, खुशी और निरंतर विकास लाए।

नैनी से कोयले की पहली रेलगाड़ी सिंगरेणी ताप विद्युत संयंत्र तक पहुंची

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी और तेलंगाना के ऊर्जा क्षेत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है, क्योंकि गुरुवार को ओडिशा में स्थित सिंगरेणी की नैनी कोयला खदान से कोयले की पहली रैक जयपुर के मंचरियाल जिले में स्थित सिंगारेनी थर्मल पावर प्लांट (एसटीपीपी) में पहुंची।

59 बीओएक्सएन वैगनों में लगभग 4,000 टन उच्च गुणवत्ता वाले जी-10 ग्रेड के कोयले से लदी यह रेलगाड़ी ओडिशा से तेलंगाना तक 1,131 किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी है। यह तेलंगाना के बाहर स्थित एससीसीएल के स्वामित्व वाली खदान से तेलंगाना तक कोयले का पहला परिवहन है। एसटीपीपी में उद्घाटन रैक के आगमन ने उत्सव का माहौल बना दिया और इसे तेलंगाना की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और उसके विद्युत क्षेत्र के लिए निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया गया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, जो वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं, ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से एससीसीएल प्रबंधन, अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने नैनी से आने वाली पहली कोयला रेलगाड़ी के आगमन को सिंगारेनी के इतिहास में एक ऐतिहासिक अवसर बताया और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए पूर्ण समर्थन देना जारी रखेगी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि एससीसीएल ने पहले ही ताडिचेरला-2 कोयला ब्लॉक हासिल कर लिया है और हाल ही में नीलामी के माध्यम से मनुगुरु डिप-साइड ब्लॉक का अधिग्रहण किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कंपनी भविष्य में और अधिक कोयला ब्लॉक हासिल करेगी।

एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने तेलंगाना और ओडिशा सरकारों, भारतीय रेलवे और उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया, जिनके प्रयासों से ओडिशा से तेलंगाना तक कोयले की पहली रेलगाड़ी का सफल परिवहन संभव हुआ।

बीस दिन के विशेष अभियान में 606 लोगों पर कार्रवाई

> रेलवे ने स्वच्छता बनाए रखने की अपील की

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने तथा यात्रियों में जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 17 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक 20 दिवसीय विशेष कूड़ा फैलाने एवं थूकने के विरुद्ध अभियान चलाया। इस दौरान रेलवे स्टेशनों और चलती ट्रेनों में कूड़ा फैलाने तथा थूकने के 606 मामले पकड़े गए और संबंधित यात्रियों पर रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत जुर्माना लगाया गया। यह विशेष अभियान टिकट जांच कर्मचारियों तथा वाणिज्य विभाग के अधिकारियों द्वारा सिकंदराबाद, हैदराबाद, बेगमपेट, लिंगमपल्ली, चेर्लापल्ली, काज़ीपेट, वारंगल और खम्मम रेलवे स्टेशनों पर चलाया गया। अभियान के दौरान यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया और रेलवे परिसरों को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस सफल अभियान के लिए सिकंदराबाद मंडल के वाणिज्य विभाग की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अभियान यात्रियों में स्वच्छता की आदत विकसित करने और रेलवे परिसरों को साफ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दक्षिण मध्य रेलवे ने सभी रेल यात्रियों से अपील की है कि वे रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, कूड़ा केवल निर्धारित कूड़ेदानों में ही डालें तथा रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुखद बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

मिलावटखोरों की अब खैर नहीं

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को हुई एक आपातकालीन आम बैठक में, हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन ने फैसला किया कि अगर कोई सदस्य खाने-पीने की चीज़ों में मिलावट, पॉलिशिंग, रंग मिलाने या किसी अन्य अनैतिक व्यापारिक गतिविधि में दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ़ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें सदस्यता खत्म करना भी शामिल है। यह आपातकालीन बैठक खाद्य सुरक्षा से जुड़ी हालिया कार्रवाई पर चर्चा करने और सदस्यों के बीच खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम नियमों के पालन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बुलाई गई थी।

एसोसिएशन से जुडे पदाधिकारियों ने कहा कि एसोसिएशन खाने-पीने की चीज़ों में मिलावट, पॉलिशिंग, कच्चे माल में कृत्रिम रंग मिलाने, गलत ब्रांडिंग और अन्य सभी अनैतिक या गैर-कानूनी व्यापारिक गतिविधियों के सख्त खिलाफ़ है। ऐसी गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति का समर्थन या बचाव नहीं किया जाएगा। सदस्यों को सलाह दी गई कि वे सभी लागू खाद्य सुरक्षा कानूनों का सख्ती से पालन करें, गुणवत्ता और स्वच्छता के उच्चतम मानकों को बनाए रखें और अपना व्यापार पारदर्शी और नैतिक तरीके से करें।

मुख्यमंत्री ने जयशंकर को जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को प्रोफेसर के. जयशंकर की जयंती के अवसर पर जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना आंदोलन के विचारक के रूप में प्रोफेसर जयशंकर की महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया और एक अलग तेलंगाना राज्य के उद्देश्य के प्रति उनके आजीवन समर्पण की सराहना की।

रेवंत रेड्डी ने प्रोफेसर जयशंकर को एक महान व्यक्तित्व बताया, जिन्होंने तेलंगाना के विकास के लिए जीवन भर अथक परिश्रम किया।

उन्होंने कहा कि जन सरकार प्रोफेसर जयशंकर के आदर्शों और आकांक्षाओं को पूरा करने और राज्य के लिए उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

20 महीनों में तेलंगाना में खुले 150 वैश्विक क्षमता केंद्र : श्रीधर बाबू

> डेढ़ लाख युवाओं को मिला रोजगार

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला शीधर बाबू ने कहा कि पिछले 20 महीनों में राज्य में स्थापित 150 वैश्विक क्षमता केंद्रों (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर) के माध्यम से लगभग 1.5 लाख लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने गुरुवार को फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में जेएलएल कंपनी के नए वैश्विक क्षमता केंद्र का उद्घाटन करते हुए यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि विश्वभर में निवेश के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करने वाली प्रतिष्ठित कंपनी जेएलएल द्वारा हैदराबाद को अपने वैश्विक क्षमता केंद्र के लिए चुनना तेलंगाना की बढ़ती क्षमता और निवेश-अनुकूल वातावरण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हो रहे बदलावों के बीच नवाचार आधारित वैश्विक क्षमता केंद्र भविष्य के रोजगार के प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन के बढ़ते प्रभाव के बावजूद इन केंद्रों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में वैश्विक क्षमता केंद्रों के तेजी से विस्तार के पीछे उत्कृष्ट आधारभूत संरचना, कुशल मानव संसाधन और उद्योगों के अनुकूल सरकारी नीतियां प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार आउटर रिंग रोड ने हैदराबाद के विकास को गति दी, उसी प्रकार अब रीजनल रिंग रोड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता नगर (एआई सिटी) और भारत फ्यूचर सिटी जैसी परियोजनाएं भविष्य के निवेश की मजबूत आधारशिला तैयार कर रही हैं। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 से 2026 के बीच देशभर में वैश्विक क्षमता केंद्रों के कार्यालय पट्टे (लीजिंग) में हैदराबाद की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही है। वहीं शहर में हुई कुल कार्यालय लीजिंग में इन केंद्रों की 42 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की गई, जो हैदराबाद की अर्थव्यवस्था में इनके बढ़ते महत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा, जैव प्रौद्योगिकी और अर्धचालक उद्योग से जुड़े वैश्विक क्षमता केंद्रों की स्थापना के लिए भी हैदराबाद पहली पसंद बनता जा रहा है। इससे शहर केवल सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र ही नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीकी नवाचारों का वैश्विक केंद्र भी बन रहा है। इस अवसर पर जेएलएल इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी राधा धीर, हैदराबाद के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक संदीप पटनायक, वैश्विक सेवा केंद्र प्रमुख धीरज पोपली, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सलाहकार साई कृष्ण सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा ने रेवंत के एफआईआर में दर्ज होने के दावे का मजाक उड़ाया

> डीसीपी के तबादले पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने वाली मॉर्फ्ड सामग्री के मामले में मेटा इंडिया के प्रमुख अरुण श्रीनिवास और कई सोशल मीडिया अकाउंट संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का श्रेय खुद लिया है। राव ने कहा कि एफआईआर भाजपा नेताओं की शिकायतों के आधार पर दर्ज की गई थीं, न कि कांग्रेस सरकार की किसी पहल के कारण। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का दावा भ्रामक है और सवाल उठाया कि मामले दर्ज होने के तुरंत बाद हैदराबाद साइबर क्राइम डीसीपी वी. अरविंद बाबू का तबादला क्यों किया गया। राव ने कहा कि तबादले से पुलिस का मनोबल गिरा है और कांग्रेस सरकार के "दोहरे मापदंड" उजागर हुए हैं। अगर मुख्यमंत्री एफआईआर दर्ज कराने का श्रेय ले रहे हैं, तो उन्हें यह भी बताना होगा कि मामले दर्ज होने के ठीक एक दिन बाद ही हैदराबाद साइबर क्राइम के डीसीपी वी अरविंद बाबू को उनके पद से हटाकर राज्य पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश क्यों दिया गया? राव ने सवाल उठाया। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को कोई नैतिक अधिकार नहीं है और वे एफआईआर दर्ज कराने का श्रेय लेते हुए उस पुलिस अधिकारी को दंडित नहीं कर सकते जो सिर्फ अपना कर्तव्य निभा रहा था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की मनमानी बर्खास्तगी और बार-बार तबादलों से तेलंगाना प्रशासन का मनोबल और स्वतंत्रता धूमिल हो रही है।

आधा जला शव मिला

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को कवाडीगुडा में गौशाला के पास कचरे के ढेर में एक अनजान व्यक्ति का आधा जला हुआ शव मिलने के बाद इलाके में थोड़ी तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस के अनुसार, सुबह स्थानीय लोगों ने शव को आग की लपटों में घिरा देखा और फायर डिपार्टमेंट तथा डोमलगुडा पुलिस को सूचना दी। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। पीड़ित की जांच करने वाले डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसकी मौत पहले ही हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल की मोर्चरी में भेजा गया।

टीजीएसआरटीसी बस भवन में प्रोफेसर जयशंकर की जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिद्धांतकार और आंदोलन के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय प्रोफेसर जयशंकर की 93वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को टीजीएसआरटीसी बस भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में टीजीएसआरटीसी के कार्यकारी निदेशक सी.एच. वेंकन्ना और एम. राजशेखर ने भाग लिया और प्रोफेसर जयशंकर के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशकों ने कहा कि छह दशकों तक चले तेलंगाना आंदोलन में प्रोफेसर जयशंकर मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे। उन्होंने तेलंगाना की विचारधारा और अलग राज्य की आवश्यकता को पूरे विश्व के सामने प्रभावी ढंग से रखा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की पहचान, जनता के आत्मसम्मान, समान अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए प्रोफेसर जयशंकर ने जीवनभर निरंतर संघर्ष किया। पृथक तेलंगाना राज्य के गठन में उनका योगदान अमूल्य है और आंदोलन के दौरान उनका मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण रहा। अधिकारियों ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दूसरे चरण के तेज गति पकड़ने के दौरान वर्ष 2011 में प्रोफेसर जयशंकर का निधन अत्यंत दुखद था। उनकी सेवाएं और विचार हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम में टीजीएसआरटीसी की वित्तीय सलाहकार विजयपुष्पा, संयुक्त निदेशक नर्मदा, सीपीएम उषादेवी, सीटीएम श्रीदेवी, सीसीओएस प्रभुलता, सीएमई जानी रेड्डी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे तथा प्रोफेसर जयशंकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संपत्ति अपराधों में शामिल तीन शातिर चोर गिरफ्तार

> 12 लाख रुपये का सामान बरामद

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय की टास्क फोर्स, जुबली हिल्स जोन टीम और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मकान चोरी और अन्य संपत्ति अपराधों में शामिल तीन आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यक्ति को भी पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से कुल 12 लाख रुपये मूल्य का सामान बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, विश्वसनीय सूचना के आधार पर टास्क फोर्स की जुबली हिल्स जोन टीम ने कार्रवाई करते हुए देरंगुला हरि बाबू उर्फ नानी, तन्नीरु सूर्या उर्फ सूरी और नरला राहुल को गिरफ्तार किया। इनके साथ चोरी का सामान खरीदने वाले सबावत रवि को भी पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि देरंगुला हरि बाबू जून 2026 में जेल से रिहा होने के बाद तन्नीरु सूर्या और नरला राहुल के साथ मिलकर गिरोह बनाकर फिर से मकान चोरी और अन्य संपत्ति अपराधों में सक्रिय हो गया था। आरोपी पहले भी कई चोरी के मामलों में शामिल रहे हैं। देरंगुला हरि बाबू के खिलाफ 27 मामले, तन्नीरु सूर्या के खिलाफ 13 मामले और नरला राहुल के खिलाफ 3 मामले दर्ज हैं।

इन आरोपियों की संलिप्तता वर्तमान में गौड़ाराम थाना, संगारेड्डी टाउन थाना, पोचारम आईटी कॉरिडोर थाना, नागोले थाना, कुशाईगुड़ा थाना, मेडिपल्ली थाना और वनस्थलीपुरम थाना क्षेत्रों में दर्ज 11 मामलों में पाई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में देरंगुला हरि बाबू उर्फ नानी, निवासी सुरारम, हैदराबाद, तन्नीरु सूर्या उर्फ सूरी, निवासी सुरारम, हैदराबाद, नरला राहुल, निवासी नागोले, हैदराबाद शामिल है। चोरी का माल खरीदने वाला सबावत रवि, निवासी मौलाली, हैदराबाद को भी गिरफ्तार किया गया। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 12 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक सी. यादेंदर, वेस्ट जोन टास्क फोर्स, उप निरीक्षक डी. रवि राज, जुबली हिल्स जोन टास्क फोर्स और उनकी टीम के नेतृत्व में की गई। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय की टास्क फोर्स के पुलिस उपायुक्त गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने कार्रवाई की जानकारी दी।

अतिक्रमण हटाने के बाद भी फुटपाथ असुरक्षित

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में मीलों तक सड़क के किनारे अतिक्रमण-मुक्त घोषित किए जा रहे हैं, लेकिन अतिक्रमण हटाने की यह कवायद पैदल चलने वालों या वाहन चालकों के लिए जगह खाली कराने में नाकाम रही है।नगर निकायों द्वारा विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं और फुटपाथों से सैकड़ों अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं।

लेकिन बहाली की कोई स्पष्ट रणनीति न होने के कारण, इन अभियानों के बाद भी जगह-जगह तोड़-फोड़ का मलबा, गिरे हुए खंभे, बिना पक्की सड़क और बिना पक्के फुटपाथ पड़े हैं, जो नागरिकों के लिए मददगार नहीं हैं। पैदल चलने वालों का कहना है कि अतिक्रमण हटाए जाने के बावजूद, सड़क के कोने मलबे से भरे हुए हैं और उनके लिए शायद ही काम के हैं। अतिक्रमण हटाने के तुरंत बाद अधिकारी सड़क को मजबूत करने और सही फुटपाथ बनाने का काम क्यों नहीं करते? कई जगहों पर सड़क किनारे बने कियोस्क कुछ ही दिनों में फिर से लग जाते हैं। अफजलगंज बस स्टॉप पर जीएचएमसी ने कुछ महीने पहले अतिक्रमण हटाया था, लेकिन अतिक्रमण फिर से हो गया है और कारोबार फिर से शुरू हो गया है।

शिक्षा व्यवस्था के भविष्य पर ध्यान दे सरकार, चुनाव पर नहीं : बीआरएस

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राज्य नेता एनीगुला राकेश रेड्डी ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था, स्कूलों को बंद करने के प्रस्ताव और शिक्षकों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को आने वाले चुनावों की बजाय आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। राकेश रेड्डी ने भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षा पर खर्च के मामले में तेलंगाना की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य शिक्षा पर केवल 5.98 प्रतिशत खर्च कर रहा है, जबकि बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान जैसे राज्यों में शिक्षा पर खर्च का प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार ने दूरदृष्टि के साथ एक हजार गुरुकुल विद्यालय स्थापित किए, जिनमें लगभग छह लाख विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि गुरुकुलों और विदेश छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से गरीब और वंचित वर्गों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर मिले। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि स्कूलों की संख्या बढ़ाने की बजाय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा 27 हजार स्कूलों को घटाकर चार हजार करने की बात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में आधारभूत सुविधाएं, शिक्षण सामग्री, शौचालय और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के शिक्षक आज अपने निजी लाभ के लिए नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के लिए आवश्यक सुविधाओं की मांग को लेकर आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई आवासीय विद्यालयों में वार्डन की कमी के कारण शिक्षकों को पढ़ाने के साथ-साथ अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी निभानी पड़ रही हैं। राकेश रेड्डी ने कहा कि सरकार को शिक्षा क्षेत्र में सुधारों के लिए ठोस कार्ययोजना बनानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केवल अपने राजनीतिक भविष्य की बात कर रहे हैं, जबकि विद्यार्थियों और राज्य के भविष्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों की मांगों का उल्लेख करते हुए कहा कि लंबित महंगाई भत्ते (डीए), वेतन पुनरीक्षण (पीआरसी), पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) सहित विभिन्न मुद्दों पर सरकार को जल्द निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारियों और शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.